प्रयास से परिणाम तक



BIOGRAPHY

K.K. GUPTA

लेखकः डॉ. नीरज भट्ट

स्वच्छता को समर्पित

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर



लेखक : डॉ. नीरज भट्ट

ISBN-NO.- 978-81-956110-0-3

प्रकाशन / प्रकाशक
डॉ.सुनील जाधव
नव साहित्यकार पब्लिकेशन,
महाराणा प्रताप हाउसिंग सोसाइटी.
हनुमान गढ़ कमान के सामने,
नांदेड–महाराष्ट्र–439605
मो.9405384672
www.navsahitykarpublication.com

मुद्रण :
मेट्रिक्स डिजाइन
उदयपुर–9829577588

मूल्यः 300 रुपये
संस्करण–प्रथम
प्रकाशन वर्ष– 2022

संकलनकर्ताः
नीरज जैन
स्मॉल स्टेप फाउंडेशन
Mobile: -7726046262

विषय-सूची

नगर सौन्दर्यीकरण और स्वच्छता के साक्ष्यों के ऐतिहासिकरण का एक प्रशंसनीय प्रयास	04 - 05
लेखक की कलम से....	06 - 08
संदेश	09 - 16
अध्याय 1 - डूंगरपुर का इतिहास	15 - 21
अध्याय 2 - स्थानीय स्वशासन का महत्व	22 - 24
अध्याय 3 - के के गुप्ता : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	25 - 38
अध्याय 4 - कार्यकाल : पांच साल बेमिसाल	39 - 91
अध्याय 5 - नवाचार : जिनसे पाया प्यार अपार	92 -109
अध्याय 6 - प्रयासों के परिणाम और पाया मुकाम	110 -125
अध्याय 7 - उपसंहार	126 - 133

नगर सौन्दर्यीकरण और स्वच्छता के साक्ष्यों के ऐतिहासिकरण का एक प्रशंसनीय प्रयास

डूगंरपुर नगर स्वयं में कई इतिहासों को समाहित किये हुए है। शिक्षा, साहित्य, जनजातीय संस्कृति, प्राकृतिक विविधताओं और कई अन्य कारणों से डूंगरपुर को पूरे देश में और विदेशों में जाना जाता है। डूंगरपुर की नगरपालिका से नगरपरिषद् की यात्रा गौरवशाली रही है। कालांतर में सहसा एक नाम उभर कर सामने आया और उसने परिषद के सभापति के नाम को धन्य किया। यह नाम पूरे देश में अपने नाम के साथ डूंगरपुर के नाम को भी प्रसिद्ध कर गया। यह नाम है पूर्व नगरपरिषद के सभापति के के गुप्ता का। किसी व्यक्ति का नाम तो किसी न किसी तरह से प्रसिद्धि पा लेता है लेकिन कोई व्यक्ति अपने कार्य की शैली और नवोन्मेष करने की ठान ले तो वह बहुत कुछ लीक से हटकर करता है। कार्य भी हर व्यक्ति करता है लेकिन नये आयामों और नये विचारों और नयी भावनाओं के साथ करता है तो वह अपने विकास के रास्तों में आने वाले वाली बाधाओं की परवाह नहीं करता।

आज के युग में किसी भी कार्य को करना या करवाना बहुत चुनौतिपूर्ण होता है। लेकिन चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी सेवाओं के माध्यम से अपना कर्म करना ही व्यक्ति को एक अलग पहचान देता है। कुछ ऐसा ही करने के प्रयास किये पिछली नगरपरिषद् के मुखिया श्री के के गुप्ता और उनकी टीम ने। ये क्या कार्य रहे, क्या सोच रही, क्यों इनका उल्लेख हर राजनीतिक दल ने समरूप से किया? ऐसे और अन्य कई प्रश्न जो सामान्य जनमानस के ज़ेहन में उभरते रहे। उनके कार्य स्वयं उत्तर देते रहे।

यदि कुछ भी अच्छा होता है तो उसको भविष्य में स्मृतियों में रखा जाना चाहिए, ताकि बिना किसी पूर्वाग्रह से उनका अनुकरण किया जा सके और उन्हें और भी प्रभावी बनाते हुए एक नयी लक़ीर खींची जा सके। इन स्मृतियों को निस्संदेह के के गुप्ता के नाम से कौन संजोना नहीं चाहेगा? आज नहीं तो कल इस निमित्त प्रयास होने चाहिएं थे, यह आवश्यक प्रतीत होना चाहिए था। गौरवमयी उपलब्धियों को संजोने के लिए ऐसे ही हाथों से एक कलम चली भीलूड़ा निवासी श्री डॉ. नीरज भट्ट के माध्यम से। उनके सामने हर प्रकार की चुनौतियां रही होंगी।

फिर भी आपने श्रमसाध्य कार्य का बीड़ा उठाया और ''प्रयास से परिणाम तक'' शीर्षक से एक पुस्तक के लेखन का साहस जुटाया है। पुस्तक का शीर्षक पुस्तक की सामग्री को एक दृष्टि में सामने लाने में सक्षम है। पुस्तक में सात विविध सोपान हैं, जिनमें डूंगरपुर के संक्षिप्त इतिहास, स्थानीय स्वशासन का महत्व, के के गुप्ता का व्यक्तित्व–कृतित्व, कार्यकाल की उपलब्धियां, स्वच्छता के लिए किये गये नवाचार और जनमानस के भीतर की बात, समग्र प्रयासों के परिणामों पर दृष्टिपात और समेकन समाविष्ट हैं।

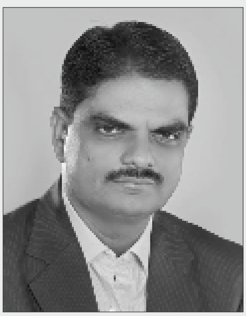
पुस्तक में डॉ नीरज का दृष्टिकोण प्रशंसात्मक और प्रचारात्मक नहीं अपितु निरपेक्ष, विवेचनात्मक और शोधात्मक प्रतीत होता है। आपने इतिहास के माध्यम से डूंगरपुर के पुरातन वैभव और इतिहास का संदर्भ दिया है जो जिज्ञासुओं के लिए सहज जानकारियां देता है और समकालीन समय को इतिहास बनाने की प्रक्रिया को आंकड़ों और साक्ष्यों के माध्यम से प्रस्तुत किया है।

पुस्तक के मूल विषय के के गुप्ता के सामान्य व्यक्तित्व को अपनी कर्मशीलता और कुछ कर गुजरने की प्रबल इच्छाशक्ति के माध्यम से एक विशिष्ट व्यक्तित्व बनने की प्रक्रिया को सहज–सरल शब्दों में अंकित किया है। इसे पढ़ते हुए यह प्रतीत होता है कि के के गुप्ता के प्रति किसी भी प्रकार का पूर्वाग्रह न हो तो उन्हें अजातशत्रु कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। अजातशत्रु का गुण हमेशा व्यक्ति को पूर्वाग्रहों से विमुख करता है।

यह पुस्तक ''प्रयास से परिणाम तक'' नगर सौन्दर्यीकरण और स्वच्छता के लिए किये गये उल्लेखनीय कार्यों और नवाचारों के साक्ष्यों के ऐतिहासिकरण का एक प्रशंसनीय प्रयास है। यह इस अर्थ में भी उपयोगी लगती है कि इसके माध्यम से समय को स्मरणीय बनाने का श्लाघनीय प्रयास है।

मेरी दृष्टि से इसकी उपयोगिता इसलिए भी होनी चाहिए कि श्री के के गुप्ता के कार्यों और नवाचारों में भी यदि कुछ शेष रहा हो तो इसे पहचान कर अथवा विश्लेषण कर आगे की योजना बनाई जा सके। दर्शन यह कहता है कि रास्ता भले ही एक हो, उस पर कितने भी उतार–चढ़ाव हों पर चलने और आगे बढ़ने का विश्वास और लगन हो तो हमारा चलना हमारी अपनी पहचान हो सकती है और दूसरों के लिए एक पथप्रदर्शन भी। यह इस पुस्तक का हेतु भी है।

श्री के के गुप्ता और डॉ नीरज को इस महत्वपूर्ण पुस्तक के प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।



शुभेच्छु

दिनेश पंचाल,
साहित्यकार, विकासनगर
'रांघेय राघव' पुरस्कृत।
सदस्य, राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर।
सदस्य, प्रकाशन समिति, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर।
साहित्य अकादमी, दिल्ली से पुरस्कृत।

लेखक की कलम से....

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भुर्मा ते संगोऽ स्त्वकर्मणि।।
(श्रीमद्‌भागवत गीता)

"यदि आपको ज्ञान की प्यास है तो इसके लिए परिश्रम की आवश्यकता है। यदि खुराक की आवश्यकता है तो उसके लिए भी मेहनत जरूरी है। यदि खुशी चाहिए तो वह भी बिना मेहनत के नहीं मिलती है। मेहनत ही कानून है।"

— **रस्किन**

संसार में सभी महान कार्य महापुरुषों के द्वारा ही किए गए हैं। उन्होंने पहले अपने कार्यों का सपना देखा और तब उन्हें कार्य रूप में परिणत किया। इन महापुरुषों ने अपने जीवन में कई कठिनाइयों को सहन करते हुए कल्पना, प्रयास,साहस, आत्मविश्वास, धैर्य एवं लगन से सभी कार्य संपन्न किए। उनके महान कार्य स्वरूप निर्माण,आशा, आकांक्षा, विश्वास, दृढ़ संकल्प व प्रयत्नों से साकार रूप प्राप्त कर सके। काम के प्रति अधिक आस्था व विश्वास ही उनकी सफलता की कुंजी है। जब हम इतिहास को देखते हैं तो पाते हैं कि हर महान और उत्कृष्ट उपलब्धि इसलिए संभव हुई क्योंकि किसी ने उस काम को करना चाहा, जिसे असंभव समझा गया था।

अंतरराष्ट्रीय जगत में थॉमस एडिसन, हेनरी फोर्ड, एलेग्जेंडर, ग्राहम बेल या राइट बंधु जैसे आविष्कारकर्ता हो या फिर मार्टिन लूथर,किंग जूनियर या सूजन बी एंथनी जिन्होंने महिलाओं के मताधिकार के लिए संघर्ष किया या नेलसन मंडेला जिन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए जेल में अफ्रीका के राष्ट्रपति तक का सफर पूरा किया ।

इसी तरह भारत की आजादी एवं आज के इतिहास को देखें तो इसमें भी कई स्वतंत्रता सेनानियों, महापुरुषों, क्रांतिकारियों एवं राजनीतिक नेताओं की दृढ़ इच्छाशक्ति, त्याग तथा सेवा भावना के सभी गुणों से युक्त सभी प्रयासों के फलस्वरूप उनके परिणाम का ही फल है कि देश को आजादी मिली एवं आज तक भी वह विकास के विभिन्न चरणों के साथ निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर हो रहा है।

पाश्चात्य विचारक अरस्तु ने भी कहा है कि "इस दुनिया में वे सब कुछ कर पाते जो प्रयासरत है।जो कर्महीन है वे कुछ नहीं कर पाते हैं।"

संसार का कोई भी कार्य चाहे वह कितना ही ऊंचा, कितना ही महान और गौरवशाली क्यों न हो अंततः मनुष्य के हाथों से ही हुआ है। गौरवशाली स्मारक, इमारते, सड़के, उद्यान, तालाबों का निर्माण एवं सभी की सुरक्षा एवं मरम्मत के कार्य भी महान महापुरुषों व नेताओं की दृढ़ इच्छाशक्ति, सेवाभाव, मेहनत, आत्मविश्वास एवं साहस से ही संपन्न हुए हैं।

एक निर्णय निर्माता जो सफलता प्राप्त करना चाहता है। उसको योजना के अनुसार आवश्यक समय में नियमित प्रयास करना होता है। उसे अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ नियमित कठिन परिश्रम में विश्वास करना चाहिए। नियमित प्रयास के साथ कार्य करने के लिए लगन हमें लक्ष्य प्राप्ति कराती है। हमें प्रयास निरंतर करते रहना चाहिए क्योंकि अगली बार शुरुआत शून्य से नहीं अनुभव से होगी।

प्रयासों में जोखिम लेते रहना चाहिए। अगर उसमें सफल हुए तो नेतृत्व की प्राप्ति अन्यथा असफल रहे तो एक अच्छे मार्गदर्शक जरूर बन सकते हैं।स्वामी विवेकानंद की इन चंद पंक्तियों में जीवन संघर्ष का निचोड़ छिपा हुआ है । समाज में अनेक ऐसे व्यक्ति मौजूद रहते हैं जो कुछ बड़ा सपना लेकर चलते हैं। परंतु कुछ ही व्यक्ति ऐसे रहते हैं जो असफल होने पर अपना प्रयास बीच में छोड़ देते हैं। लेकिन उन्हें क्या पता कि वह सफलता के करीब से ही लौटे हो। हर प्रयास में इंसान पहले से बेहतर बनता है और कुछ ना कुछ अपने प्रयासों व अनुभव से अपने व्यक्तित्व में शामिल करता रहता है।

अपनी क्षमता को अनलॉक करने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है। बिना प्रयासों से हम अपने लक्ष्य, अपने परिणामों को प्राप्त नहीं कर सकते हैं। प्रयास आत्मविश्वास बढाता है। अपने कामों में लगातार प्रयास करने और उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करने से आत्मविश्वास मजबूत होता है। साथ ही हमें यह धैर्य , दृढ़ता व समर्पण का मूल्य भी सिखाता है।

हालांकि कोई भी लक्ष्य परिणाम अपने आप में अंतिम नहीं होता है। मनुष्य महत्वकांक्षी होता है।एक परिणाम के बाद दूसरे परिणाम को प्राप्त करने के लिए पुनः प्रयासरत हो जाता है। अतः वह निरंतर प्रयासरत रहता है लेकिन इन्हीं प्रयासों के लक्ष्य अनुरूप परिणाम प्राप्त होने पर सुकून का अहसास ऐसा होता है।

इसी प्रकार के प्रयास व उन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम के के गुप्ता,डूंगरपुर नगरपरिषद के पूर्व सभापति व स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर, राजस्थान सरकार ने हासिल किए। उनके कार्यों की सफलता भी एक दिन का परिणाम नहीं है। बल्कि यह उनके द्वारा निरंतर किए गए प्रयासों से ही संभव हो सका है। आपने अपने प्रयासों में 2015 से 2020 के 5 साल के सभापतित्व काल में शहर में विकास, स्वच्छता, पर्यावरण,जल संरक्षण,स्वास्थ्यवर्धन, बालिका विकास, एवं समग्र उत्थान हेतु वो परिणाम हासिल किए कि डूंगरपुर शहर का नाम न सिर्फ राष्ट्रीय स्तर पर नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जाना जाने लगा। डूंगरपुर शहर के लिए उनके किए जाने वाले नवाचारों में उन्होंने नाकामियों व अपयश की चिंता नहीं कि व निरंतर अपने लक्ष्यों के प्रति अग्रसर होते रहे।

अपने शपथ ग्रहण के दौरान अपने लक्ष्य को निर्धारित करते हुए, निरंतर प्रयासरत रहते हुए व दिन रात एक करते हुए डूंगरपुर जैसी हिल सिटी को स्मार्ट सिटी, ग्रीन सिटी, क्लीन सिटी व हेल्थी सिटी में परिवर्तन का परिणाम प्राप्त किया ।

अपनी सोच, काम के प्रति लगन, इमानदारी, दूरदर्शिता, लक्ष्य को पाने की जिद से दो बार आप राजस्थान सरकार में स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर रहे एवं वर्तमान में देश के गृहमंत्री अमित शाह के गुजरात के गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में स्वच्छता के कुशल प्रयासों के लिए सम्मानित हुए।

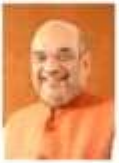
यह आपके सतत प्रयासों के परिणाम ही हैं कि आपको विकास पुरुष एवं वाटर हीरो के नाम से जाना जाता है।

आपके सात्विक एवं उदात्त मन से किए गए प्रयास निरंतर परिणाम तक बढ़ते रहे ———

चलता रहूंगा पथ पर
चलने में माहिर बन जाऊंगा ।
या तो मंजिल मिल जाएगी
या अच्छा मुसाफिर बन जाऊंगा।।

- डॉ. नीरज भट्ट

अमित शाह



गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि **'स्मॉल स्टेप फाउंडेशन'** द्वारा महत्वपूर्ण सामाजिक क्रियाकलापों तथा स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए कार्यों पर आधारित पुस्तक **'प्रयास से परिणाम तक'** का प्रकाशन किया जा रहा है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर आज स्वच्छता अभियान एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले चुका है। स्वच्छ भारत अभियान के संदेश ने लोगों के अंदर उत्तरदायित्व की एक अनुभूति जगायी है। आज पूरे देश में अनेकों नागरिक स्वच्छता के कामों में सक्रिय रूप से सम्मिलित हो रहे हैं, जो महात्मा गांधी जी के द्वारा देखे गए 'स्वच्छ भारत' के सपने को साकार कर रहा है।

संस्था द्वारा ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता को लेकर आमजन को जागृत करने तथा मेरे निर्वाचन क्षेत्र में भी अपशिष्ट समाधान एवं वर्गीकरण के लिए प्रेरणादायक संवादों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागृति पैदा करने का प्रयास अभिनंदनीय है।

मैं, श्री कृष्ण कुमार गुप्ता जी तथा उनकी पूरी टीम को बधाई देता हूँ तथा **'प्रयास से परिणाम तक'** पुस्तक के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(अमित शाह)

श्री कृष्ण कुमार गुप्ता,
निदेशक, स्मॉल स्टेप फाउंडेशन, राजस्थान

कार्यालय : गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली 110001
दूरभाष : 23092462, 23094686, फैक्स : 23094221
ई-मेल : hm@nic.in

गजेन्द्र सिंह शेखावत
Gajendra Singh Shekhawat



जल शक्ति मंत्री
भारत सरकार
Minister for Jal Shakti
Government of India

दिनांक 05.11.2022

संदेश

***

मुझे यह जानकर हर्ष हो रहा है कि श्री कृष्ण कुमार गुप्ता जी के जीवन में घटित महत्वपूर्ण सामाजिक क्रियाकलापों जिसमें विशेष तौर पर स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए कार्यों का उल्लेख है, इन्होंने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अपने अनुभव और योग्यता के बल पर अपनी पहचान बनाई है इसी लिए भारत सरकार ने इन्हें स्वच्छ भारत मिशन, ग्रामीण के अंतर्गत एन.एस.एस.सी. का सदस्य भी मनोनीत किया है। इनका कार्य समाज के लिए उपयोगी एवं प्रेरणादायक है।

हार्दिक अभिनंदन के साथ मेरी तरफ से **प्रयास से परिणाम तक** के पुस्तक प्रकाशन पर पुनः शुभकामना।

वन्दे मातरम् !

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

जल शक्ति अभियान

Office : 210, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110 001
Tel: No. (011) 23711780, 23714663, 23714200, Fax : (011) 23710804
E-mail : minister-mowr@nic.in

नितिन गडकरी
NITIN GADKARI

मंत्री
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग
भारत सरकार
Minister
Road Transport and Highways
Government of India

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि स्मॉल स्टेप फाउंडेशन द्वारा स्वच्छता, पर्यावरण एवं विकास के कार्यो के संकलन व जनजागृति हेतू "प्रयास से परिणाम तक" किताब का प्रकाशन किया जा रहा हैं।

फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण इलाको में स्वच्छता को लेकर आमजन मानस को जागृत करने तथा महात्मा गांधी जी के द्वारा देखे गए "स्वच्छ भारत" के सपने को साकार करने का कार्य किया जा रहा है।

फाउंडेशन द्वारा यह सतत प्रयास जन-जन तक "स्वच्छ भारत" अभियान को एक नई गति प्रदान करेगा। "प्रयास से परिणाम तक" किताब का प्रकाशन की सफलता के लिए अनेक शुभकामनाएं |

(नितिन गडकरी)

दिनांक: 18 अप्रैल, 2023
स्थान: नई दिल्ली

Room No. 501, Transport Bhawan, 1, Sansad Marg, New Delhi – 110 001, Tel.: 011-23710121, 23711252 (O), 23719023 (F)
E-mail: nitin.gadkari@nic.in; website-www.morth.nic.in



मुख्य मंत्री
राजस्थान

मुम / संदेश / ओएसडीपक / 2023
जयपुर, 6 फरवरी, 2023

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि अपने डूंगरपुर नगर परिषद् के सभापतित्व काल में स्वच्छता, पर्यावरण और विकास पर केन्द्रित पुस्तक "प्रयास से परिणाम" का प्रकाशन किया जा रहा है।

जन प्रतिनिधिगण द्वारा अपने कार्यकाल में स्थानीय निकाय में हुए विकास कार्यों और जन कल्याणकारी कार्यक्रम की प्रगति को पुस्तक रूप में प्रकाशमान करना अपने आप में महत्वपूर्ण है। इससे उपलब्धियों के आधार पर भावी योजनाओं और कार्यक्रमों की भूमिका सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त होता है।

आशा है "प्रयास से परिणाम तक" पुस्तक के माध्यम से डूंगरपुर नगर में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंच सकेगी।

मैं इस प्रकाशन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(अशोक गहलोत)

श्री के.के. गुप्ता, पूर्व सभापति,
नगर परिषद्, डूंगरपुर,
360, स्वरूप विहार, हिरण मगरी, सैक्टर–11
उदयपुर–313 001 (राजस्थान)
Mob. 99291 11189
Email.kkgupta.info@gmail.com

ओम प्रकाश माथुर

सांसद (राज्यसभा)
अध्यक्ष – आवास समिति (राज्यसभा)
सदस्य – सामान्य प्रयोजन समिति
सदस्य – वाणिज्य समिति
सदस्य – पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस समिति



सत्यमेव जयते

शुभकामना संदेश

श्री कृष्ण कुमार गुप्ता जी ने जीवन भर समाज हित में कार्य किये हैं विशेषकर उन्होंने ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता को लेकर आम जन को जागृत करने की ओर बड़ी लगन से कार्य किया है। पिछले समय में उनकी इस रूचि ने देशभर में उन्हें पहचान दिलवायी है। मा. प्रधानमंत्री जी के स्वच्छ भारत के स्वप्न को साकार करने में महती भूमिका निभा रहे हैं। भारत सरकार द्वारा आपको एन.एस.एस.सी. का सदस्य मनोनीत किया है।

आप द्वारा "प्रयास से परिणाम तक" पुस्तक के प्रकाशन की अग्रिम शुभकामना।

ओम्
(ओम प्रकाश माथुर)

9, सफदरजंग लेन, नई दिल्ली-110001 ☎ : 011-23011939, 23011951
कमरा नं. 66, संसद भवन, नई दिल्ली ☎ : 011-23017048 फैक्स : 011-23018858
जी-1, गणपति एन्क्लेव, अजमेर रोड, जयपुर - 302006 ☎ : 0141-2228000 / 2223900
E-mail : om.mathur@sansad.nic.in, ratishchaturvedi@gmail.com

Vinit Kumar Mathur

Judge
Rajasthan High Court
Jodhpur



सन्देश

पर्यावरण प्रदुषण का बढ़ता स्तर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में किसी देश विशेष की नहीं बल्कि पूरे विश्व की ज्वलंत समस्या है। पर्यावरण प्रदुषण के बढ़ते स्तर से भविष्य की कल्पना करना ह्रदय विदारक है।

किसी भी सकारात्मक परिणाम तक पंहुचने के लिए प्रयास की प्रथम सीढ़ी चढ़ना अत्यन्त आवश्यक है। प्रयास से ही परिणाम की प्राप्ति हो सकती है। मुझे यह जानकार हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि श्री के.के. गुप्ता सभापति, नगरपरिषद डुंगरपुर के द्वारा स्वच्छता, पर्यावरण, विकास के कार्यो के संकलन एवं जन जागृति हेतु "प्रयास से परिणाम तक" किताब का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक पर्यावरण प्रदुषण के बारे में लोगों को जागरूक करेगी। मैं इस किताब के माध्यम से समाज के सभी वर्गों में सामूहिक उत्तरदायित्व वहन करने की क्षमता में उत्तरोतर अभिवृद्धि एवं प्रगति के पक्ष पर अग्रसर होने की कामना करता हूँ।

किताब के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक
शुभकामनाएं !

(विनित कुमार माथुर)

"RAJ BHAWAN" 784, 5th Chopasni Road, Sardarpura, Jodhpur-342003
Ph.0291-2435113, Mob. 98290 25113, E-mail : justicevinitkumarmathur@gmail.com

Justice Manoj Kumar Garg

JUDGE
RAJASTHAN HIGH COURT
JODHPUR

शुभकामना–संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि आप द्वारा राजस्थान के डूंगरपुर नगरपरिषद के सभापतित्व काल में स्वच्छता, पर्यावरण एवं विकास के कार्यों के संकलन व जनजागृति हेतु "प्रयास से परिणाम तक" पुस्तक का प्रकाशन किया जा रहा है।

आप द्वारा इस पुस्तक के माध्यम से पर्यावरण को संरक्षण एवं संवर्धन के कम में जो प्रयास किया जा रहा है, वह आने वाली पीढ़ीयों एवं मानव जाति के कल्याणार्थ बहुत ही बहु आयामी सिद्ध होगा एवं साथ ही इस पुस्तक के माध्यम से पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन को बल मिलेगा एवं लोगों में पर्यावरण के प्रति जागृति उत्पन्न होगी एवं पर्यावरण के संरक्षण के प्रति अन्य लोगों को भी जागरूक किया जा सकेगा। आज के समय में पर्यावरण के संरक्षण की महति आवश्यकता है।

इस प्रकार पर्यावरण के प्रति आपके द्वारा बहुत ही महत्वपूर्ण एवं बहुत ही प्रशंसनीय कार्य किया जा रहा है। आपका यह भागीरथी प्रयास मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगा। इस स्मारिका के प्रकाशन से प्रत्येक पाठक को अत्यन्त ही ज्ञानवर्धक एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

मैं इस स्मारिका के प्रकाशन की सफलता के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूं।

(मनोज कुमार गर्ग)

"Garg Bhawan" Paota 'B' Road, Outside Jalam Niwas, Jodhpur
Tel. : 0291-2545244

Rajendra Prakash Soni

Judge
Rajasthan High Court
Jodhpur

<u>संदेश</u>

स्वच्छ पर्यावरण एवं वातावरण के परिणाम स्वरूप ही हम शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक, तथा वैचारिक रूप से स्वस्थ रहते हैं और स्वच्छता के इसी महत्व के कारण समाज की समग्र उत्पादकता बढ़ती है। यदि कोई भी व्यक्ति सफाई कर्मी के जॉब में नहीं होता तो नर्क ढूंढने के लिए हमें अन्यत्र कहीं नहीं जाना पड़ता, हम पृथ्वी पर ही नरक में रह रहे होते।

पर्यावरण प्रदूषण के बढ़ते साधन, मानव की ही देन है इसलिए दो गुना अनुपात में स्वच्छता के प्रति भी जागृति एवं जन जागरण के प्रयासों की आवश्यकता है जिसका महत्व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा बीसवीं सदी के मध्य में ही जान कर जनजागृति शुरू की गई थी। हर घर परिवार से किसी न किसी रूप में गंदगी तथा पर्यावरण प्रदूषण का उत्सर्जन होता है इसलिए स्वच्छता का कार्य केवल सरकार या किसी संस्था या सफाई कर्मियों का ही नहीं होकर, स्वहित के लिए ही प्रत्येक नागरिक का एक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है।

उसी की एक कड़ी "प्रयास से परिणाम तक" पुस्तक का प्रकाशन है जिसमें स्माल स्टेप फाउंडेशन के सामाजिक व स्वच्छता के कार्यों के संकलन के रूप में, इस महत्वपूर्ण सामाजिक उत्तरदायित्व को जागृत करने तथा स्वच्छता को एक दैनिक आदत बनाने का प्रयास किया गया है।

मेरा यह विश्वास है कि श्री कृष्ण कुमार गुप्ता के निरन्तर प्रयास अवश्य ही राष्ट्रीय स्तर पर रंग लाएंगे तथा यह पुस्तक एक अत्यंत महत्वपूर्ण सामाजिक उत्तरदायित्व की जागृति के लिए सह नागरिकों में सकारात्मक उदाहरण एवं प्रेरणा प्रस्तुत करेगी, ऐसी मेरी हार्दिक शुभकामनाएं है।

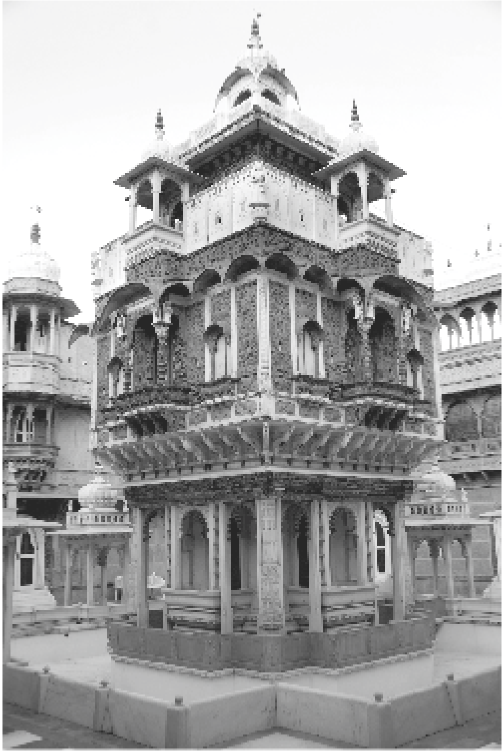
(आर. पी. सोनी)

श्री कृष्ण कुमार गुप्ता,
निदेशक, स्माल स्टेप फाउंडेशन, राजस्थान

"Shri Badrivishal", 16, Abhay Garh Scheme, Airforce Area, Jodhpur-342011
Mob. 91-9414129039 E-mail: justicerpsoni@gmail.com

अध्याय 1 - डूंगरपुर का इतिहास

राजस्थान के सुदूर दक्षिण–पश्चिम में सिंघाड़े के आकार का डूंगरपुर नगर अंगड़ाई लेकर पुनः जाग रहा है। राजस्थान के दक्षिण में अरावली पहाड़ियों में बसा हुआ यह प्रदेश अपनी समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व कलात्मक विरासत को नए आयाम देने की तैयारी शुरू कर रहा है। पहले इस नगर को डूंगरपुर राज्य की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। आज यह जिला मुख्यालय के रूप में स्थानीय सत्ता का केंद्र है। डूंगरपुर नगर समुद्र तल से 300 मीटर ऊंचाई पर 23.47 डिग्री से 23.54 डिग्री कला उत्तर अक्षांश और 73 डिग्री अंश कला से 74 डिग्री पूर्वी देशांतर के बीच स्थित है।



यह उदयपुर, अजमेर ,जयपुर, जोधपुर,बांसवाड़ा और रतलाम इंदौर से सीधे सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है। यहां से उदयपुर 105 किलोमीटर, अहमदाबाद 151 किलोमीटर और बांसवाड़ा 104 किलोमीटर दूर है।

डूंगरपुर नगर की स्थापना को लेकर जनश्रुति है– जहां पर आजकल डूंगरपुर नगर है। वहां और इसके आसपास के स्थान पर वागड़ बट पत्रक (बड़ौदा) के स्वामी रावल वीर सिंह देव के समय में लगभग 5000 भीलो की पाल गांव थी। डूंगर नामक भील इस पाल का गमेती यानी मुखिया था।

डूंगरपुर के भूतपूर्व शासक हिंदू और मुसलमान दोनों को अपनी दो आंखें समझते थे। जैन मंदिर, वैष्णव मंदिर और मस्जिद में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं था। सभी धर्मों के लोगों को, उनके धर्म स्थानों को और उनके उत्सव–पर्वो को प्रशासन समान रुप से सहयोग देता था। फलत सभी नगर निवासियों में आपसी सौहार्द्र था और है ।

ताजियों को हिंदू नमन करते हैं। जैनियों के रथों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं और जेनी धूपदशमी के दिन वैष्णव मंदिरों में धूप जलाते हैं। हिंदुओं और जैनियों के समारोह की व्यवस्था में मुसलमान जी जान से जुट जाते हैं। बोहरे भी दिवाली पर लक्ष्मी पूजन करते हैं। मुसलमान महिलाएं हिंदू भाइयों को राखी बांधती हैं। यद्यपि यह बातें अपवाद स्वरूप ही पाई जाती हैं।

भित्ति व मूर्तिकला



डूंगरपुर में भित्ति चित्रों की परंपरा महारावल शिवसिंह के राज्य काल में सन 1751 ईस्वी से मिलती है। जो महारावल उदय सिंह द्वितीय, महारावल विजयसिंह और महारावल लक्ष्मण सिंह के समय में फुली फली। जुनामहल में तो फ्रेसको तेल व वाटर कलर की भित्ति चित्रों की भरमार है ही ,उदयविलास में भी कागज पर बने चित्र दीवारों में जड़े हुए हैं ।

डूंगरपुर में मूर्ति निर्माण कला अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंची है। यहां धातु की लघु मध्यम और विशाल आकारों की मनमोहक मूर्तियां ढाली जाती थी। आबू पर्वत पर अचलगढ़ के जैन मंदिर की कुछ प्रतिमाएं डूंगरपुर में ढली है। जिनमें भगवान आदिनाथ का पद्मासन में 6 फीट ऊंचा विशाल और भव्य बिंब भी है। उदयपुर के दिल्ली दरवाजे के पास, ऋषभदेव के मंदिर में प्रतिष्ठित धातु की मूर्ति एवं डूंगरपुर के पितांबरराय की धातु की मूर्ति एवं परिकर यही के हैं।

विश्व प्रसिद्ध ग्रीन मार्बल की खाने डूंगरपुर में ही है। पारेवा पत्थर भी इसी क्षेत्र में उपलब्ध होता है। यह हरे नीले रंग का होता है।तेल लगाने पर इसका रंग काला हो जाता है। इस पर बहुत ही सुंदर कुराई की जाती है। इस पत्थर से बनी मूर्तियां भारत में या विश्व में जहां कहीं भी हो डूंगरपुर की ही बनी हुई है।

भक्ति मार्ग समाज सुधार और शिक्षा-



भक्ति मार्ग से सुधार का अलख संत मावजी और गोविंद गुरु ने कबीर दादू आदि की भांति अपने अपने पंथ चलाकर जगाया। आज भी हजारों की संख्या में उनके अनुयायी हैं ।

पद्मभूषण पंडित भोगीलाल पंड्या अपने साथी गौरीशंकर उपाध्याय के समर्पित सहयोग से इस क्षेत्र के लोगों के जीवन दर्शन और उनकी जीवन पद्धति बदलने में सफल हुए थे।

महारावल जसवंत सिंह द्वितीय के समय में डूंगरपुर में हस्तलिखित जंत्रीयां पंचांग बनती थी। जन मन में रची बसी संतों की वाणीया सुरक्षित रही। वागड़ की धरती पर कृष्ण भक्ति की माधुर्य रस की धारा संत मावजी और गवरी बाई ने प्रवाहित की। जिसका रसास्वादन भक्तजन आज भी करते है।

मावजी की भविष्यवाणियां सत्य सिद्ध हो रही है। वागड़ की मीरा गवरी बाई ने 'राग छत्तीसु' में राम और शिव की महिमा के पद भी गाए हैं। कहा जा सकता है कि यह एकमात्र वेदांती कवियत्री है। इनकी भाषा शैली सरल व सहज है। वर्तमान काल के पंडित गणेशराम शर्मा संस्कृत भाषा के रचना धर्मी साहित्यकार थे। जो देश विदेश में पढ़े जाते हैं। ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित पन्नालाल पटेल यही की माटी के लाल थे।नगर में आपसी बोलचाल में वागडी बोली बोली जाती है। पर सामाजिक और औपचारिक व्यवहार तथा शिक्षा की भाषा हिंदी है। अंग्रेजी भी थोड़ी थोड़ी चलती है।

डूंगरपुर का संक्षिप्त राजनीतिक इतिहास -

मालवा, मेवाड़ और गुजरात के बीच स्थित भूभाग वागड़ कहलाता है। बाद में राजधानी के नाम पर यही भूभाग डूंगरपुर राज्य कहलाने लगा। फिर विभाजन के बाद यही डूंगरपुर और बांसवाड़ा नामक दो राज्यों के नाम से जाना जाने लगा था। डूंगरपुर अपनी सीमाओं में स्वतंत्र एवं सार्वभौम राज्य था। जो इसके मुगलों, मराठों और अंग्रेजों की कंपनी सरकार के साथ अपनी इच्छा और आवश्यकता के अनुसार संधिया करने राज्य के अंदर अपनी डाक सेवा संचालित करने और राज्य में अपनी मुद्रा के प्रचलन से सिद्ध है। अब डूंगरपुर राजस्थान राज्य का एक जिला है।



तीसरी शताब्दी से तेरहवीं शताब्दी के आरंभ तक डूंगरपुर के राजनीतिक **इतिहास की मोटी रूपरेखा इस प्रकार रही है**:—

डूंगरपुर पर विक्रम संवत 238 से विक्रम संवत 410 तक पश्चिमी क्षेत्रपो का राज्य रहा। शतकों के बाद गुप्तों का अधिक से अधिक डूंगरपुर पर अधिकार रहा था।

महारावल विजय सिंह के जेष्ठ पुत्र महारावल लक्ष्मण सिंह 1918 ईस्वी में डूंगरपुर के राज सिंहासन पर बैठे व डूंगरपुर राज्य के संयुक्त राजस्थान में विलय तक शासन करने वाले गुहिलोत आहाड़ा शाखा के अंतिम शासक थे। उन्होंने चिकित्सा, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेलकूद और व्यापार को बहुत प्रोत्साहन दिया। राज्य के कुछ नौजवान महात्मा गांधी से प्रभावित हुए और वे हरिजनों भीलो आदि की सेवा का प्रशिक्षण लेकर इन लोगों के बीच सेवा संघ के माध्यम से काम करने लगे। अगस्त 1942 ईस्वी के बाद यह कार्यकर्ता प्रजामंडल के माध्यम से देश की राजनीति से जुड़े और उत्तरदायी सरकार की मांग करने लगे। महारावल लक्ष्मण सिंह ने भाई श्री गौरीशंकर उपाध्याय के नेतृत्व में उत्तरदायी सरकार गठित की। जो तारीख 30 अप्रैल 1948 ईस्वी की शाम को 5:00 बजे हुए डूंगरपुर के संयुक्त राजस्थान में विलय तक काम करती रही। इसके बाद भी महारावल लक्ष्मण सिंह राजनीति में सक्रिय रहे।

डूंगरपुर में 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से 20 शताब्दी की ओर कदम बढ़ाए। उस समय डूंगरपुर के शासक महारावल उदयसिंह द्वितीय थे। वे ग्रामीण परिवेश से डूंगरपुर की गद्दी पर आए थे। वे पुराने ढंग के राजा थे साथ ही वे सोच में उदार थे। नई और अच्छी बात उनकी कुशाग्र बुद्धि स्वीकार कर लेती थी।

डूंगरपुर में प्राचीन काल में प्रचलित शिक्षा व्यवस्था के बारे में स्पष्ट उल्लेख अभी तक नहीं मिला है। परंतु 12वीं 13वीं शताब्दी से शिलालेखों, प्रशस्ति पत्रों, ताम्रपत्रों, शास्त्र ग्रंथों और पुस्तकों के लेखन की अबाध परंपरा मिलती है। इससे यह अनुमान लगाना सहज है कि कम से कम 12वीं 13वीं शताब्दी से डूंगरपुर में शिक्षा का महत्व समझा जाता रहा है। सन 1901 में केवल डूंगरपुर में एक विद्यालय था। जिसमें 15 छात्र पढ़ते थे।

शिक्षा के प्रति उपेक्षा की इस मानसिकता को बदलना जरूरी था। इसके लिए महारावल उदयसिंह द्वितीय ने स्वयं पढ़ना आरंभ किया।

डूंगरपुर नगरपालिका की विकास यात्रा –(आरम्भ से सन 1944–45 ईसवी तक) नगर में सफाई करवाने की जिम्मेदारी कंधारी और देसवाली मुसलमानों व राजपूत पंचों को सौंपी गई थी।

नगर की सफाई रोशनी व निवासियों के स्वास्थ्य की व्यवस्था को समुचित नियमित व कुशल बनाने के लिए इसे संस्था का रूप देने का श्रेय महारावल उदय सिंह द्वितीय को जाता है। उन्होंने जनकल्याण की भावना से प्रेरित होकर लोकतंत्र की आधारभूत इकाई का गठन किया था। वि. स.1954 श्रावण शुक्ला 11 ईसवी 1897 तारीख 8 अगस्त को डूंगरपुर नगर पालिका की स्थापना की गई थी। उस समय पालिका का क्षेत्रफल 1 मील के लगभग था। जनसंख्या 6094 थी। डूंगरपुर नगरपालिका की आय का मुख्य स्रोत चुंगी रहा है। डूंगरपुर राज्य में कानून म्युनिसिपल कमेटी रियासत डूंगरपुर सन 1913 ईस्वी में लागू था। इससे पहले डूंगरपुर केंद्रीय नगरपालिका ने दो कानून बनाए थे।

पहला, सड़क के किनारे बने मकान और उनके आगे बने चबूतरो को नियंत्रित करने का और दूसरा, आवारा पशुओं से संबंधित था। यह दोनों कानून एक अक्टूबर 1912 से लागू हुए थे।

नगरपालिका का कार्यालय पहले दिन से लेकर आज तक सराय में ही रहा है। इस सराय का निर्माण 1856 ईसवी में हुआ है। डूंगरपुर में नगरपालिका वर्ष 1897 में अस्तित्व में आई थी। इसके पहले अध्यक्ष राज्य के फौजदार प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट थे। वर्ष 1908–09 में डूंगरपुर नगर पालिका का दर्जा बढ़ाकर इसे केंद्रीय नगरपालिका बनाया तथा सागवाड़ा और गलियाकोट की पालिकाये इसके अधीन काम करने लगी।

डूंगरपुर नगरपालिका में निर्वाचन की प्रक्रिया द्वारा सदस्य बनने से पहले राज्य सरकार द्वारा सदस्यों का मनोनयन होता था। इन मनोनीत सदस्यों में साहूकार, व्यापारी और स्थानीय जनता पर प्रभाव रखने वाले योग्य, अनुभवी व प्रतिष्ठित नागरिक होते थे। जो नगर निवासियों के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करते थे और सभी समुदायों के हितों का ध्यान रखते थे।

भूतपूर्व डूंगरपुर राज्य में डूंगरपुर नगरपालिका के अंतिम चुनाव वर्ष 1944 –45 में हुए थे। उदय विहार उद्यान नगर निवासियों को आपस में मिलाने वाला सामाजिक चहल–पहल का एक रमणीय स्थान था।

नई व्यवस्था के अधीन आबादी एवं आय के आधार पर राजस्थान के सभी नगर छह श्रेणियों में विभाजित किए गए हैं। डूंगरपुर नगरपालिका तीसरी श्रेणी में आती है। डूंगरपुर राज्य में 5 स्थानों पर नगरपालिका थी डूंगरपुर, सागवाड़ा, गलियाकोट, आसपुर और साबला। राजस्थान में विलय के बाद डूंगरपुर जिले में डूंगरपुर और सागवाड़ा की नगरपालिकायें ही अस्तित्व में रही।

डूंगरपुर में नगर पालिका में मनोनीत और निर्वाचित अध्यक्ष का कार्यकाल निम्न प्रकार से है :–

1.	फौजदार प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट मनोनीत	–	1897 से 1903
2.	श्रीराम दीक्षित फौजदार मनोनीत	–	1903 से 1906
3.	राय बहादुर लाला गणेश राम रावत	–	1906 से1908
4.	राय साहब सेठ शोभा चंद दावड़ा	–	1908 से 1917
5.	श्री चंपालाल कोटडिया	–	1917 से 1919
6.	श्रीचंपालाल कोटडिया गैर सरकारी चुने गए	–	1919 से 1920
7.	श्री नाथूलाल गांधी गैर सरकारी चुने गए।	–	1920 से 1927
8.	पंडित रामचंद्र शर्मा प्रधानाध्यापक	–	1927 से 1929
9.	ठाकुर रणजीत सिंह मनोनीत	–	1929 से 1933
10.	पंडित निरंजन दास मनोनीत	–	1933 से 1935
11.	श्री मोहनलाल शाह मनोनीत	–	1936 से 1944
12.	श्री जवाहर लाल चौबीसा मनोनीत	–	1944 से 1946
13.	श्री कृपा शंकर वेद मनोनीत	–	1946 से 1948
14.	श्री चंद जैन मनोनीत	–	1948 से 1951
15.	श्री चंद जैन निर्वाचित	–	1951 से 1958
16.	श्री बृजमोहन द्विवेदी निर्वाचित	–	1958 से 1961
17.	श्री गजेंद्र नारायण वर्मा	–	1962 से 1969
18.	श्री गजेंद्र नारायण वर्मा	–	1970 से 1974
19.	श्री भगवती शंकर चौबीसा निर्वाचित	–	1976 से 1977
20.	श्री किशनलाल गर्ग	–	1982 से 1986
21.	श्री शंकर सिंह सोलंकी	–	1990 से 1995
22.	नर्मदा शंकर जोशी	–	1995
23.	श्री गुरु प्रसाद पटेल	–	1995 से 2000
24.	श्रीमती सुशीला भील निर्वाचित	–	2001 से 2005
25.	श्री शंकर सिंह सोलंकी	–	2005 से 2010
26.	श्रीमती सुशीला भील मनोनीत	–	2010 से 2015
27.	**श्री के के गुप्ता (स्वर्णिम काल)**	–	**2015 से 2020**
28.	श्री अमृत कलासुआ।	–	2020 से अब तक

अध्याय 2 - स्थानीय स्वशासन का महत्व

अर्थ –

स्थानीय स्वशासन का अभिप्राय स्थानीय संस्थाओं के शासन से है। जो जनता द्वारा चुनी जाती है तथा जिन्हें राष्ट्रीय सरकार के नियंत्रण में रहते हुए भी स्थानीय शासन के मामलों में अधिकार और दायित्व प्राप्त होते हैं। अधिकारों का प्रयोग भी किसी उच्चतर अधिकारी की नियंत्रण के बिना भी अपने विवेक से कर सकती हैं। विश्व में स्थानीय स्वशासन को अलग–अलग नामों से जाना जाता है। जेसे भारत में स्थानीय स्वशासन कहते हैं तो फ्रांस में लोकल एडमिनिस्ट्रेशन कहते हैं तो अमेरिका में म्यूनसिपल गवर्नमेंट कहते हैं।

भारत भौगोलिक सांस्कृतिक और भाषा की दृष्टि से बहुत विविधता लिए हुए हैं और केंद्र सरकार के द्वारा सभी स्थानीय समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। अतः भारत में भी स्वतंत्रता के बाद से ही स्थानीय स्वशासन को महत्ता प्रदान की गई है। स्थानीय स्वशासन इसलिए भी आवश्यक है कि केंद्र और राज्य सरकारों के अतिरिक्त एक तीसरे स्तर पर सत्ता का विकेंद्रीकरण हो। जिससे कि सभी दूर और पास के गांवों को आर्थिक विकास का लाभ समान रूप से प्राप्त हो सके।

डी डी एच कॉल के अनुसार "स्थानीय स्वशासन से तात्पर्य ऐसे शासन से है जो एक सीमित क्षेत्र के लिए कार्य करता है और हस्तांतरित अधिकारों का प्रयोग करता है।"गिलक्रिस्ट के अनुसार "स्थानीय संस्थाएं अधीनस्थ संस्थाएं हैं लेकिन एक सीमित क्षेत्र में इन्हें कार्य करने की स्वतंत्रता होती है।"

डब्ल्यू ए रोबसन के अनुसार स्थानीय स्वशासन का तात्पर्य "किसी ऐसे क्षेत्रीय और संप्रभु समुदाय से है जिसे अपने कार्यों के संपादन हेतु मूल अधिकार एवं आवश्यकताएं केंद्रीय संगठन से प्राप्त होती हैं।"

हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने भी कहा था कि भारत की आत्मा गांवों में निवास करती है और गांधीजी के इन्हीं विचारों से प्रभावित होकर संविधान निर्माताओं ने संविधान के नीति निर्देशक तत्व में अनुच्छेद 40 में पंचायत शब्द को जोड़ा।

नेतृत्व-

स्थानीय स्वशासन लोकतंत्र की आधारशिला है।स्थानीय स्वशासन जनता द्वारा अपने लिए किया जाने वाला स्वयं निर्देशित शासन है। यह लोकतंत्र की आधारभूत इकाई होती है। जिस की मान्यता है कि सत्ता जनता में निहित होती है। भारत में प्राचीन काल से स्थानीय स्वशासन की नागरिक प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जो अब स्वतंत्र भारत में वैधानिक रूप से लागू है। स्थानीय स्वशासन में नेतृत्व का भी विकास अच्छे से होता है क्योंकि इसमें स्थानीय लोगों को स्थानीय मुद्दे सुलझाने का अवसर प्राप्त होता है।

स्थानीय स्वशासन में नेतृत्व को हम निम्न प्रकार से समझ सकते हैं:-

1.) निकायों में निहित जनता में राजनीतिक समझ उत्पन्न करना –

स्वशासन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सामान्य जनता में राजनीति की समझ उत्पन्न करता है। जनता यह भी जान सके कि उन्हें सत्ता संबंधी जो अधिकार शासन से प्राप्त हुए हैं उनका अधिक से अधिक उपयोग कैसे कर सके।

2.) राजनीतिक अनुभव प्राप्त होना –

सुशासन की संस्थाओं जिसमें चुनाव द्वारा जनता के प्रतिनिधि होते हैं। उनके सम्मुख स्थानीय समस्याएं रखी जाती है। उन पर विचार विमर्श होता है। आगे चलकर यही जनता के प्रतिनिधि विधायक और सांसद चुने जाते हैं। तो उनका स्थानीय अनुभव बहुत उपयोगी साबित होता है।

3.) लोकतंत्र की आधारशिला –

स्थानीय स्वशासन लोकतंत्र की रीढ़ है। लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर है कि सत्ता का लाभ अधिक से अधिक लोगों को प्राप्त हो। भारत जैसे विशाल और एक बड़ी जनसंख्या वाले देश के लिए यह तभी संभव है जब सत्ता का विकेंद्रीकरण कर दिया जाय।

विकास – ग्रामीण क्षेत्र में पंचायती राज व्यवस्था की स्थापना त्रिस्तरीय पद्धति के आधार पर की गई। गांव स्तर पर ग्राम पंचायत, ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद का गठन किया गया ।यह तीनों स्तर आपस में अप्रत्यक्ष जुड़े हुए थे।

इसी प्रकार शहरों में स्थानीय स्वशासन के रूप में पालिका की स्थापना की गई। भारत में आठ प्रकार के शहरी स्थानीय शासन है– नगर पालिका परिषद, नगर निगम, अधिसूचित क्षेत्र समिति, शहरी क्षेत्र समिति, छावनी बोर्ड, टाउनशिप, पत्तन न्यास, और विशेष उद्देश्य के लिए गठित एजेंसी ।

इस प्रकार से वर्तमान में राजस्थान में 10 नगर निगम 34 नगरपरिषद एवं 152 नगर पालिकाएं हैं ।राजस्थान में अर्बन सेल्फ गवर्नमेंट बॉडीज प्राचीन काल से विद्यमान रही है तथा प्रदेश में नगर पालिकाओं के गठन का इतिहास सामान्यतः आज से लगभग 128 वर्ष प्राचीन है। जब राजस्थान में सर्वप्रथम सन 1856 ई. में आबू, अजमेर एवं मेरवाड़ा, 1829 में जयपुर एवं 1855 तक बीकानेर, जोधपुर तथा कोटा में नगर कमेटियों एवं नगर पालिका का गठन किया गया था। स्वशासन को एकात्मक व्यवस्थित एवं संगठनात्मक स्वरूप प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने राजस्थान म्युन्सीपलटी एक्ट 1959 राज्य विधानसभा में पारित किया था।



अध्याय 3 - के के गुप्ता : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

कृष्ण कुमार गुप्ता ने डूंगरपुर सभापति का पदभार ग्रहण करने के बाद ही डूंगरपुर के विकास को पहली प्राथमिकता दी थी। उनका बचपन कठिन संघर्ष में बीता। लेकिन मुसीबतों का सामना करने की आदत, सुसंस्कृत, पारिवारिक व सामाजिक वातावरण में उन्हें हमेशा आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी। उनका व्यक्तित्व समाज, धर्म, राजनीति, खेल, उत्साह, मित्रता व सेवा भाव जैसे गुणों एवं सादा जीवन उच्च विचार वाला रहा है। इससे महान गुणों एवं व्यक्तित्व के धनी के के गुप्ता का जन्म 19 फरवरी 1962 में सीथल गांव जिला झुंझुनू में हुआ था।

आपके पिता श्री मातादीन गुप्ता एक न्यायिक मजिस्ट्रेट थे। आप की माता श्रीमती संतोष देवी एक कुशल ग्रहणी थी। आपके दादा श्री जगदीश प्रसाद एवं दादी श्रीमती मूर्ति देवी थी। आपकी माताश्री एक मध्यमवर्गीय परिवार से थी। श्री मदनलाल एवं श्रीमती रुकमणी देवी आपके नाना नानी थे। आपका ननिहाल जो ओजटू जिला झुंझुनू में है। आपका जीवन प्रारंभ से ही संघर्षशील रहा है। आप पांच भाई बहन हैं। आपने कॉमर्स में ग्रेजुएट तक की पढ़ाई की है।

आपका विवाह झुंझुनू के निवासी श्री राम अवतार जी की पुत्री से सन 27 नवम्बर 1985 में हुआ। प्रथम संतान के रूप में पुत्र अंकुर का जन्म 1986 को हुआ द्वितीय संतान भी पुत्र रत्न के रूप में हुई। जिसका नाम अंकित रखा। अध्ययन काल से ही कृष्ण कुमार गुप्ता को क्रिकेट देखना पसंद है। प्रिय खेलों में आपको बैडमिंटन और टेबल टेनिस खेलना पसंद है। आपका पसंदीदा अभिनेता अमिताभ बच्चन एवं अभिनेत्री माधुरी दीक्षित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह आपके मनपसंद राजनेता है। बचपन के मित्रों में धौलपुर निवासी नेमीचंद खटीक एवं डूंगरपुर के विजय जैन, प्रकाश जैन, कन्नू भाई विपिन साहू, हरफूल सिंह रहे तथा राजनीति में आने के बाद अनिल पटेल, सुरेश वैष्णव, कमलेश चौबीसा, दिग्विजय सिंह, एवं नीरज जैन मित्र बने। महाविद्यालय के अध्ययन काल के समय हेमंत जैन एवं विजय जैन आपके मित्र बने। हेमंत जैन वर्तमान समय में जिला न्यायालय में जज के पद पर है। आप का राजनीतिक मित्र कोई नहीं है। पढ़ाई करने के बाद आप व्यवसाय में आ गए।

आप प्रारंभ में 1983 मैं आसपुर में आकर वीडियो चलाते थे। उस दरमियां आपने डूंगरपुर के कई टेंट व्यवसायियों के वहां से कुर्सियां एवं वीसीआर लाकर इस कारोबार को आगे चलाया। पिक्चर देखने आए व्यक्तियों को खुद हाथ से चाय बना कर पिलाना एवं वहां की सफाई एवं देखरेख करना आपका नियमित कार्य था। अपने दिनचर्या के कार्यों को स्वयम अच्छे तरीके से देखते हुए इन सारे कार्यों को व्यवस्थित रुप से संपन्न किया करते थे। खाना बनाना एवम घर के सभी कार्य हाथ से ही किया करते थे। यही सिलसिला 1 साल तक नियमित चला। उसके पश्चात् आप कंस्ट्रक्शन के व्यापार में आए। आपने 1984 के पश्चात निरंतर इस कंस्ट्रक्शन के क्षेत्र में कई उतार–चढ़ाव देखे। आपने कभी न दिन देखा न रात देखी। निरंतर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए हर कदम पर कार्य किए। जिसमें हर रात रेत की गाड़ी को स्वयं चला कर गंतव्य स्थान पर नियमित पहुंचाना एवं कई बार तो 2–2 ट्रिप करके यह कार्य किए।कई बार लेबर एवं सहकर्मी के न आने की वजह से खुद ने भी रेत की गाड़ी स्वयं खाली की। इसी कार्य एवं लगन की वजह से आप आगे बढ़े एवं कुछ समय पश्चात आपके साथ दो व्यक्ति और जुड़े जिनका नाम हरफूल सिंह चौधरी एवं शुभ करण चौधरी था। जिनके साथ आपने इस ठेकेदारी के कार्य को आगे बढ़ाया यह साझेदारी का व्यापार कुछ वर्षों तक चला। उसके पश्चात सन 2008 में के के गुप्ता ने केकेजी कंस्ट्रक्शन के नाम से एक नई कंपनी बनाई एवं स्वयं ने अपने बलबूते पर कार्य शुरू किया एवं उसके पश्चात जेष्ठ पुत्र अंकुर गुप्ता की मदद से इस कार्य को आगे बढ़ाया ।

वर्तमान में के के गुप्ता कंस्ट्रक्शन कंपनी, गुप्ता फिलिंग स्टेशन, गुप्ता क्रेशर कंपनी व उदयपुर में शहनाई वाटिका के मालिक हैं। आप अर्थ मूवर्स व आयशर कमर्शियल व्हीकल के डीलर हैं। राजनीति में आने का कारण आप के प्रेरणा स्रोत भारतीय जनता पार्टी के नेता ओमजी माथुर हैं।

आपने सन 2005 में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। वर्तमान में इसी पार्टी से संबंध रखते हैं। भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता गुप्ता ने पहला चुनाव वर्ष 2005 में डूंगरपुर नगरपालिका पार्षद के लिए वार्ड नंबर 28 से भारतीय जनता पार्टी के टिकट से लड़ा और जीते व नगर पालिका के उपाध्यक्ष भी रहे।

तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष शंकरसिंह सोलंकी के विदेश प्रवास पर जाने पर 2 माह तक पूरी तरह से अध्यक्ष का पदभार भी संभाला। 2015 से 2020 तक डूंगरपुर नगरपरिषद के सभापति रहे। वर्ष 2017 में वसुंधरा सरकार द्वारा प्रदेश का स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर बनाया गया। 2019 में पुनः अशोक गहलोत सरकार द्वारा आपको राजस्थान में स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर बनाया गया।

2022 में भी भारतीय जनता पार्टी द्वारा राजस्थान में के के गुप्ता को पार्टी की तरफ से राजस्थान का स्वच्छता संयोजक बनाया गया। आपकी कार्यशैली एवं कार्य करने की जुनून को देखते हुए भारत सरकार के गृहमंत्री अमित शाह के लोकसभा क्षेत्र के 5 गांवों के स्वच्छता का कार्य आप को सौंपा गया। जिसको आपने बखूबी निभाते हुए पूरे देशभर के आदर्श गांव की स्वच्छता रैंकिंग में उनको प्रथम द्वितीय एवं पांचवा स्थान दिलवाया।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में के के गुप्ता का कहना है कि मोदी जी के आने के बाद अंतरराष्ट्रीय संबंधों में मजबूती आई है एवं आंतरिक राजनीति भी सशक्त हुई है एवं निरंतर देश मजबूत होता जा रहा है।

उसी प्रकार देश के गृहमंत्री अमित शाह के कुशल प्रशासन व कठोर निर्णयो से देश को आन्तरिक मजबुती व सुरक्षा मिली है। आपके मजबुत इरादो से जम्मु कश्मीर में लम्बे समय से विवादो मे चल रहा आर्टिकल 370 भी हटाया गया है।

चेंबर ऑफ कॉमर्स जो कि एक व्यापारियों का संगठन है। डूंगरपुर जिले में गठित चेंबर ऑफ कॉमर्स जो कि प्रदेश का सबसे बड़ा व्यापारियों का संगठन है। जिसमें लगभग 4000 व्यापारियों का रजिस्ट्रेशन है, के आप 2010 से लगातार 7 बार अध्यक्ष हैं। जिसमें पिछले पॉच बार से आपके निर्विवाद कार्य करने की शैली और मिलनसार व्यवहार के खातिर आप निर्विरोध निर्वाचित हो रहे हैं। चेंबर ऑफ कॉमर्स के डूंगरपुर जिले के सभी व्यापारी आपकी कार्यशैली से बहुत प्रभावित हैं एवं सभी व्यापारी यह जान रहे हैं कि आपके अध्यक्ष के पद पर रहते हुए उनके हित बने हुए हैं। उनकी मांगे आवश्यकता अनुसार सुनी जाएगी एवं उन्हें सरकार के विरुद्ध जब–जब भी संगठन की आवश्यकता होगी तब संगठन उनके लिए खड़ा होगा। आपके नेतृत्व में ही व्यापारियों को इस्पेक्टर राज्य से राहत मिली।

अग्रवाल समाज मैं भी आप अपना अच्छा प्रतिनिधित्व रखते हैं, अच्छा प्रभाव रखते हैं एवं समाज में आप निरंतर 2010 से पश्चिमी राजस्थान के 18 जिलों का बना संगठन के अध्यक्ष हैं। सभी समाजजन यह जानते हैं कि आपके नेतृत्व में समाज सुरक्षित है। एवं निरंतर उन्नति कर रहा है। समाज में 2010 से इस संगठन में निरंतर नेतृत्व निर्विवाद रूप से देते रहना यह सिद्ध करता है कि आपका व्यवहार सभी के साथ मिलनसार है सभी को प्रभावित करता है।

आपके व्यक्तित्व में **नेतृत्व क्षमता** के गुण सहज ही झलकते हैं। आपने 2015 से 2020 के इन 5 साल के कार्यकाल में न सिर्फ सत्ता पक्ष के नेता, पार्षद व प्रतिनिधि आपकी कार्यशैली के मुरीद थे बल्कि विपक्ष के पार्षद एवं नेता भी आपकी सहज प्रशंसा किया करते थे। इसीलिए जहां 2017 में आप भारतीय जनता पार्टी कि सरकार के द्वारा राजस्थान राज्य के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर बनाए गए। वही 2019 में कांग्रेस पार्टी की सरकार के द्वारा भी आप राजस्थान राज्य के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर बनाए गए। आप स्पष्ट वक्ता रहे हैं एवं अपने कार्यकाल में इसी विशेषता के खातिर निर्विवाद रूप से, स्पष्ट रुप से सभी शहर वासियों को हर सुधार के लिए कह सके एवं उनको व्यक्तिगत स्वार्थों को त्याग कर शहर के विकास के लिए प्रेरित कर सके।

आप बहुत ही **सरल एवं सहज स्वभाव** के हैं। आपके व्यवहार में मिलन सरिता के गुण झलकते हैं। शहर का आम आदमी या छोटे से छोटा बच्चा अपनी शिकायत, अपनी मांग को आप तक आसानी से पहुंचा देता था और शहर के हर छोटे से छोटे कार्यक्रम में आपकी सहभागिता होती ही थी।

दूरदर्शिता के गुण स्पष्ट रूप से आप में देखे जा सकते हैं। डूंगरपुर शहर जिसकी गिनती पिछड़े शहरों में होती थी। जिसको विकास के 15 से 20 साल की जरूरत थी। ऐसे डूंगरपुर की पहचान आपने अपने एक ही कार्यकाल में ऐसी कर दी की डूंगरपुर शहर न सिर्फ भारत देश में बल्कि विदेशों में भी अपनी स्वच्छता, पर्यावरण जल संचय व जल संरक्षण एवं विकास के नाम से पहचाना जाने लगा एवं इसे कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए। यह आपकी दूरदर्शी सोच ही थी कि आपने डूंगरपुर शहर का विकास योजनाबद्ध तरीके से किया एवं उसमें सफलता हासिल की।

आप **जोश से ओतप्रोत** हो एवं परिणाम की प्राप्ति तक निरंतर प्रयासरत रहते हो। आप अपने योजनाबद्ध सोचे हुए कार्यों को जब तक पूरा नहीं कर लेते हो तब तक चैन से नहीं बैठते हो एवं उसके लिए निरंतर प्रयास करते रहते हो। शहर के विकास के लिए आप हर शहरवासी को उनके व्यक्तिगत स्वार्थ त्याग करवाने में सफल रहे। आप शहर के विकास के लिए, शहर के लाभ के लिए अधिकारियों एवं मंत्रियों तक भी अपनी मांगों को पूरा करवाने के लिए जिद पर अड़े रहे।

आपके कार्यों को यदि संक्षिप्त रूप में देखें तो जब आप ने कार्यभार संभाला तब डूंगरपुर नगरपरिषद की आर्थिक एवं भौतिक स्थिति बेहद कमजोर थी। उसके विकास के लिए आपने दिन रात एक कर दिए। पर्यटकों को लुभाने के लिए गैपसागर झील को संवारा, रिंगवाल को इतना खूबसूरत बनाया कि उदयपुर की फतेहसागर की पाल भी इसके सामने फीकी पड़ने लगी। फतेहगढ़ी को नया स्वरूप दिया। एक के बाद एक कई नए बगीचे बने। शहर वासियों के साथ पर्यटकों के लिए भी गेमजोन, स्विमिंग पूल, म्यूजियम सेंटर व जिम बनाएं। सभी देवालयो व ऐतिहासिक स्थलों का कायाकल्प किया।

सफाई के दम पर ऑडिएफ़ से ओडीएफ प्लस हुआ शहर। विधवा महिलाओं जरूरतमंदों व दिव्यांगों के लिए आत्म स्वावलंबन के कई कार्य शुरू किए। सिलाई मशीन, सेनेट्री पेड़ मशीन, पापड़ व पत्तल– दोना उद्योग से बेरोजगार महिलाओं व सभी को रोजगार मिला। कार्यकाल के अंतिम दिन स्वच्छ भारत की ग्रेडिंग में भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री द्वारा सम्मानित करना सोने पर सुहागा के समान था।

ऐतिहासिक गैप सागर झील से लेकर बादल महल और शहर की बुनियादी सुविधाओं पर फोकस किया। प्राथमिकताओं को पूरा करते हुए शहरी निकाय ने वह तमाम सपने पूरे कीये जो शहर वासियों ने संजोए थे। जन उम्मीदों को संबल देते हुए अकल्पनीय विकास कार्यों का शंखनाद हुआ जो 5 वर्ष तक चलता रहा। स्वच्छता के क्षेत्र में सैकड़ों नवाचार किए और हिल सिटी को क्लीन सिटी, ग्रीन सिटी, जलयुक्त सिटी व रोजगार युक्त सिटी का तमगा दिलाया। स्वच्छता की गूंज देश विदेश तक पहुंची जन सहभागिता से विकास, स्वच्छता, पर्यावरण व पर्यटन मामलो में शहर बाकी निकायों से काफी अग्रणी रहा।

5 वर्ष में डूंगरपुर निकाय ने 157.90 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया और 114.82 करोड रुपये विभिन्न विकास पर खर्च किया। जिसमें शहर के गैपसागर के सुंदरीकरण, नौकायन, जयसमंद झील की तर्ज पर घाट विकास एवं बादल महल को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने सहित पार्क, लाइब्रेरी, जीम, गेम जोन, नक्षत्र गार्डन, प्रत्येक वार्ड में गार्डन, नाना भाई पार्क, उत्तम सेवा मार्ग, भंडारिया में बायोगैस प्लांट, सेग्रीगेशन प्लांट,साइंटिफिक लैंडफिल, वातानुकूलित ऑडिटोरियम, मैरिज हॉल, शॉपिंग मॉल, रिंग रोड, बर्ड सेंचुरी, धन माता पहाड़ी का जीर्णोद्धार, स्विमिंग पूल, हरित डूंगरपुर अभियान के तहत वृक्षारोपण, 24 तीर्थंकर पार्क, नक्षत्र गार्डन, शहीद स्मारक, मुरला गणेश मंदिर विकास, कनेरा पाल, जज साहब का दरवाजा, पेयजल के लिए जगह जगह आरओ प्लांट, सामुदायिक भवन, बाल मनोरंजन के साधन, गेस्ट हाउस, वृद्ध आश्रम एवं स्मार्ट क्लासेस आदि कई बड़े विकास कार्यों पर यह धनराशि खर्च हुई।

स्माल स्टेप फाउंडेशन का गठन सन 2021 में किया गया। इसका गठन करने के पीछे उद्देश्य था कि पूर्वसभापति के के गुप्ता के कार्यकाल के पश्चात स्वच्छता, पर्यावरण,जल संरक्षण,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ में कई कार्य किए जा रहे थे। लेकिन कोई बैनर नहीं था। कोई ऐसी संस्था नहीं थी जिसके माध्यम से वो अपने कार्यों का समाज में संदेश दे सके। इसीलिए उन्होंने स्माल स्टेप फाउंडेशन – कुछ कर गुजरना (KKG) नाम की संस्था का निर्माण किया। इस संस्था का मूल रूप से उद्देश्य स्वच्छता, पर्यावरण, जल संरक्षण एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के कार्य के कार्यो को करना एवं इस संस्था के माध्यम से जनता तक लाभ पहुंचाना है। शुरुआती दौर में इस स्माल स्टेप फाउंडेशन की टीम में के के गुप्ता के साथ नगीन लाल जैन, प्रभु लाल पटेल, पंकज कुमार जैन,फखरुद्दीन कौलसावाला, नीरज जैन, केतन शाह, सुबोध जैन, अल्पेश जेन, राजेश डेंडु, महिपाल जोहियावाला,नितेश गर्ग, आशीष जेन, मुकेश श्रीमाल, अमित टेलर एवम प्रवीण श्रीमाल आदि कर्मठ सदस्य इसमे जुडे हुए है। इस संस्था के द्वारा राजस्थान में तो कार्य किए गए लेकिन गुजरात के भी विभिन्न गांव मैं स्वच्छता एवं पर्यावरण के कार्य किए गए । गृह मंत्री जिसमें मुलत गांधीनगर के रूपाल एवं कलोल तालुका के बिल्लेश्वरपुरा एवं साणंद तालुका के मानकोल एवं मोडासर गांव में स्वच्छता संबंधी कार्य किया।



पिता श्री मातादीन जी गुप्ता एवं माता श्रीमति संतोश देवी जी एवं पत्नि श्रीमति सुशिला गुप्ता जी के साथ हमारी शादी में



गुप्ता जी अपने परिवार के साथ



परम मित्रों के साथ



बेटे अंकुर गुप्ता एवं अंकित गुप्ता के साथ जन्मोत्सव मनाते हुए



शुरूआती दिनों में किराये के मकान मे कुछ पल



गुप्ता जी अपने समस्त परिवार के साथ



जैन मुनि श्री तरूण सागर जी महाराज से आशिर्वाद प्राप्त करते हुए



जैन मुनी श्री तरूण सागर जी महाराज को आहार विधी कराते हुए



श्रीमान् स्व. शंकरसिंह जी सोलंकी एवं परिवार के संग गायत्री यज्ञ करते हुए



अतिथियों के साथ मेगा आवास योजना, उदयपुर में स्थापना करते हुए



पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन, जोधपुर में सम्बोधन करते हुए



चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर विजयी यात्रा में



पुर्व उपराष्ट्रपति माननीय श्रीमान् भैरोसिंह जी शेखावत का
हेलीपेड पर अभिनन्दन करते हुए



पुर्व उपराष्ट्रपति माननीय श्रीमान् भैरोसिंह जी शेखावत
के साथ मिलकर भेंट की



मैसर्स के.के. गुप्ता फिलिंग स्टेशन की शुरूआत सन् 2005 में



मेगा आवास योजना उदयपुर के शिलान्यास समारोह में

अध्याय 4 - कार्यकाल : पांच साल बेमिसाल

पूर्व सभापति के के गुप्ता के द्वारा किए गए विकास के कार्यों को यदि धागे में पिरोया जाए तो एक सुंदर सी बड़ी मोतियों की माला की तरह सुशोभित होंगे।

उन्होंने अपने सभापतित्व कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण कार्य संपन्न किए एवं समय–समय पर सभी स्तरों पर प्रशंसा पत्र भी प्राप्त किए। डूंगरपुर जिले में सभी प्रकार की सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक व पर्यावरणीय उपलब्धियों होते हुए भी न केवल भारत में बल्कि राजस्थान में भी पिछडे जिले के रूप में माना जाता था। सभी डूंगरपुर वासियों के मन में एक टिस थी की सभी अनुकूल परिस्थितियां होने के बावजूद डूंगरपुर जिला पिछड़ा क्यों माना जाता है। लेकिन सभी डूंगरपुरवासियों की चिंता एवं दर्द को के के गुप्ता ने दूर किया। इसे न केवल राज्य स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलवाई।

मानव जीवन के श्रेष्ठ सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं सौंदर्य तत्वों के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हुए उन्होंने स्वच्छता, स्वास्थ्य, धार्मिकता, पर्यावरण सुरक्षा, शिक्षा जगत, पर्यटन, तालाबों, मार्गों एवं उद्यानों का विकास गोसेवा, कला व सौन्दर्य के महान कार्य किये। जिसमें व्यक्ति का सर्वांगीण विकास हो सके। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में यहां के कई स्वतंत्रता सेनानियों महापुरुषों एवं समाज सुधारकों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया एवं यहां सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक व शैक्षिक वातावरण पैदा कर यहां के निवासियों में जन जागृति एवं देश प्रेम का भाव जगाया।उनके सपनों को पूरा करने का कार्य केके गुप्ता ने किया एवं यही उन शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी। उनके द्वारा डूंगरपुर शहर के विकास के लिए तथा आमूलचूल बदलाव के लिए कई कार्य किए गए। जेसेः–

1.स्वच्छता शरीर की आत्मा की तरह –

स्वच्छता कोई ऐसा काम नहीं है जो प्रतिष्ठा कमाने के लिए किया जाए। बल्कि यह निकायों का मूल कार्य है , यह एक अच्छी आदत है जिसे हमें अच्छे स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन के लिए अपनाना चाहिए। स्वच्छता पुण्य का काम है जिससे जीवन का स्तर बढ़ाने के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी के रूप में हर व्यक्ति को इसका अनुसरण करना चाहिए। स्वच्छता हमें मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और बौद्धिक रूप से स्वस्थ रखता है। साफ सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह हमारे जीवन की प्राथमिकता भी है। अभी कोरोना काल में रोगियों की बढ़ती संख्या एवं अस्पतालों में साफ–सफाई को ध्यान देने की आवश्यकता से यह बात और भी स्पष्ट हो गई है कि जीवन में स्वच्छता की कितनी जरूरत है।



हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी जी की 145 वी जयंती पर चलाया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। इसी अभियान से प्रभावित व प्रेरित होकर डूंगरपुर नगरपरिषद के पूर्व सभापति ने डूंगरपुर शहर को भी एक क्लीन सिटी बनाने का सपना संजोया, शपथ ली, मन में ठान लिया और अपने 5 साल के कार्यकाल में पूरे शहर को साफ सुथरा कर बहुत सी बार स्वच्छता के पुरस्कार प्राप्त किए। शहर में गंदगी फैलाने व पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में प्लास्टिक व प्लास्टिक की थैलियों का अहम रोल रहता है। यह वन टाइम यूज़ प्लास्टिक न तो गलता है व नहीं इसका पुनर्चक्रण हो पाता है। इस समस्या को दूर करने के लिए शहर को पॉलीथिन मुक्त करने व सिलाई केंद्र पर आने वाली गरीब महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लिए तथा आमूलचूल बदलाव के लिए कई कार्य किए गए।

शहर वासियों व व्यापारियों से पूरी तरह से बंद कपड़े की थैलियों को उपयोग में लेने का आह्वान किया गया। जिसमें प्रतिदिन 150 महिलाएं 2000 से अधिक कपड़े की थैलियों का निर्माण कर रही थी। साथ ही शहर में यह सुनिश्चित किया गया कि जो व्यापारी प्लास्टिक की थैलियों में सामान देते हुए पाए गए या जहां कहीं भी प्लास्टिक की थैलियां पाई गई उन पर भारी जुर्माना लगेगा। धीरे–धीरे लोगों ने इसे अपने प्रचलन में बना दिया और शहर में प्लास्टिक की थैलियां पूर्णतः स्वतः ही बंद हो गई।

2015 से 2020 के 5 साल के अपने एक ही कार्यकाल में नगरपरिषद सभापति के के गुप्ता ने अपनी दूरदर्शी सोच, लगन व निरंतर बेहतर करने की भावना से डूंगरपुर में अपने कार्यकाल में 1600 शोचालयो का निर्माण किया। डूंगरपुर नगरपरिषद को चार बार ऑडीएफ व ऑडीएफ प्लस का खिताब दिलवाया।

प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ भारत मिशन' के संकल्प के साथ कदम से कदम मिलाते हुए डूंगरपुर में भी 13363 मकानों से प्रतिदिन गिला व सूखा कचरा एकत्रित किया गया। इसके लिए छोटे से शहर में प्रतिदिन 18 कचरे की गाड़ियां घूमने लगी। शहर में पॉलिथीन को पूर्णतया पाबंद कर दिया एवं उपयोग करते पाए जाने पर भारी जुर्माना भी लगाया गया।इसमें से सूखे कचरे में प्लास्टिक, कागज, लोहा व अन्य पदार्थों को अलग कर पुनः उपयोग में लेने के योग्य बनाया और सैग्रिगेशन के बाद इसे बेचा गया।इससे परिषद की आय भी बढ़ी व लगभग 40 वेस्ट पीकर्स को रोजगार भी मिला।

शहर में प्रतिदिन 15 टन कचरा इकट्ठा होता था। जिसमें से 5 से 6 टन गीला कचरा भी होता था। जिससे जैविक खाद स्वयं डूंगरपुर नगरपरिषद द्वारा बनाई गई व बेची गई। परिषद द्वारा नगर में प्रदेश का पहला 7 टन प्रतिदिन क्षमता वाला बायोगैस प्लांट का भी निर्माण किया व इसमें शहर के गीले कचरे, गोबर और सेफ्टी टेंक के पानी को डालकर गैस का निर्माण किया। इस गैस को प्रोसेसिंग साइड पर खाना बनाने व बिजली बनाने में भी काम में लिया गया। वहीं आउटलेट से निकलने वाली स्लरी खाद का रूप होती थी।

प्रत्येक वार्ड में दो दो कर्मचारी नियुक्त किए गए। जो निगरानी के साथ–साथ वार्ड को भी स्वच्छ रखने का काम करने लगे। घर–घर स्वच्छता के चित्र लगाए गए साथ ही खाली पड़े भूखंडों की नियमित सफाई न करने पर उन्हें सीज़ करने का भी निर्णय लिया गया। शहर में घरों के सेप्टिक टैंक खाली करवाने के लिए इधर–उधर भटकने की जरूरत नहीं पड़े इसीलिए शहरवासियों की सुविधा के लिए 26 लाख रुपये में सेफ्टीक वेक्यूम क्लीनर वाहन खरीदा गया।

शहर के हरिदेव जोशी अस्पताल एवं बस स्टैंड की स्वच्छता का जिम्मा भी नगरपरिषद ने उठाया।स्वच्छता के साथ–साथ छोटे–मोटे कार्य को भी परिषद ने करने का निर्णय लिया व इसे मॉडल अस्पताल बनाने की जिम्मेदारी भी ली। स्वच्छता व अस्पताल के विकास के लिए अस्पताल में एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया। अस्पताल परिसर में एक बगीचे का निर्माण किया गया। पूरे अस्पताल को साफ बनाने के साथ–साथ धूम्रपान मुक्त बनाया गया।

क्योंकि हम सब जानते हैं कि **स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास** होता है। महात्मा गांधी जी की 150वीं जयंती वर्ष के क्रम में जिले में चल रहे अगस्त क्रांति सप्ताह में गांधीजी के आदर्श वाक्य **हरि को भजे सो हरि का होई** के भावों के साथ स्वच्छता दूतों का सम्मान किया गया।जो स्वच्छता दूत दिन–रात शहर को अपनी घर की तरह चमकाने में और साफ करने में लगे हुए थे उनका सम्मान करना अपने आप में एक अनोखी ही बात थी।

2019 के स्वच्छता के प्रयासों से ही स्वच्छता सर्वेक्षण में 2020 में डूंगरपुर को लगातार दूसरी बार सिटीजन फीडबैक में पहला स्थान मिला। शहर को स्टार सिटी का भी अवार्ड दिया गया और और रेंक में देश में दसवां स्थान मिला। जिला चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्षों की तुलना में शहर में स्वच्छता व जागरूकता की वजह से 60% बीमारियां जो गंदगी से होती थी कम हुई है। विशेषकर मलेरिया, टाइफाइड, डेंगू, उल्टी दस्त, बुखार और हेपेटाइटिस के रोगियों की संख्या कम हुई । WHO व UNICEF के सर्वे में भी डूंगरपुर शहर को स्वस्थ बताया गया है।

डूंगरपुर शहर की स्वच्छता का डंका न सिर्फ राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बजने लगा। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं डूंगरपुर की स्वच्छता, हरियाली व विकास को देखकर आकर्षित होने लगी वह प्रशंसा करने लगी। उसी क्रम में नीदरलैंड सरकार के राष्ट्रदूत मार्ट इन वन डेनबर्ग ने ठोस कचरा प्रबंधन एवं स्वच्छता कार्यक्रम को बेहतर ढंग से लागू करने के कार्यों के लिए **अंतरराष्ट्रीय संस्था वेस्ट नीदरलैंड व फिनिश संस्था** द्वारा सभापति के के गुप्ता को सम्मानित किया गया। इस प्रकार प्रदेश में सम्मानित होने वाली डूंगरपुर नगरपरिषद प्रथम निकाय बनी। वेस्ट नीदरलैंड व फिनिश संस्था द्वारा बताया गया कि डूंगरपुर नगरपरिषद प्रदेश की 196 निकायों के लिए रोल मॉडल बन चुकी है व यह सभी क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही है। डूंगरपुर निकाय को यह सम्मान अफ्रीका एशिया के 16 निकायों के साथ मिला है।



अमेरिका के न्यूजर्सी के न्यूज़ पेपर विट्रो ब्लॉग ने भी डूंगरपुर के स्वच्छता की सराहना की है।उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा कि डूंगरपुर में शहरी सरकार ने राजस्थान व हिंदुस्तान में स्वच्छता, सौंदर्य, पर्यटन, विकास, महिला सशक्तिकरण को शत–प्रतिशत डूंगरपुर की धरातल पर लाकर पहचान बनाई। व इसका सारा श्रेय पूर्व सभापति गुप्ता को दिया।

उन्हें बदलाव का नायक बताया। गुप्ता एक ऐसे कुशल नेता हैं जिन्होंने शहर में खुशियों की बारिश कर दी और यह सपना जादू से नहीं दृढ़ संकल्प, कठोर परिश्रम और अपने श्रम के पसीने से पूरा किया।.

दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति बिल गेट्स की संस्था बिल एंड मिलिंडा ग्रुप में भी एशिया के 16 शहरों का चयन किया जिसमें भारत के डूंगरपुर सहित 4 शहर शामिल हैं। जिन्होंने स्वच्छता के क्षेत्र में डूंगरपुर शहर का सर्वे दो बार किया। व भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए इसे पुरस्कृत भी किया।

डूंगरपुर शहर की प्रशंसा सुनकर पड़ोसी राज्य गुजरात के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जीबी पाटलीवाला परिवार सहित छुट्टी मनाने डूंगरपुर पहुंचे। दो दिवसीय अपनी यात्रा में उन्होंने नगर भ्रमण किया व यहां की खूबसूरती को अपने कैमरे में कैद किया। पाटलीवाला डूंगरपुर की सुंदरता व स्वच्छता से काफी प्रभावित हुए व डूंगरपुर शहर की तुलना यूरोपियन देशों से भी कर गए।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की राज्य समिति के अध्यक्ष न्यायाधीश दीपक माहेश्वरी मार्च 2019 में डूंगरपुर पहुंचे। अपनी समीक्षा बैठक में माहेश्वरी ने घर–घर कचरा संग्रहण वाहनों की निर्धारित मापदंडों की पालना, स्वच्छता संबंधी शिकायत दर्ज कराने तथा उसके निस्तारण की प्रक्रिया, गीले और सूखे कचरे का नियम अनुसार निस्तारण आदि की बिंदुवार समीक्षा भी की। मार्च 2020 में गोवा में 50 देशों के भारत सहित तकरीबन 100 शहरों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने डूंगरपुर शहर की स्वच्छता व के के गुप्ता के प्रयासों की भूरी भूरी प्रशंसा की। इस सम्मेलन में डूंगरपुर शहर के लिए गर्व की बात यह रही कि डूंगरपुर शहर को रोल मॉडल मानते हुए सभी ने अपने क्षेत्रों में स्वच्छता के कार्यों का अनुसरण करने की बात कही।

स्वच्छ भारत मिशन के छह वर्ष पूर्ण होने पर 2 अक्टूबर 2020 को केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में स्वच्छता के छह साल बेमिसाल सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें देश की छह शहरी निकायों में डूंगरपुर निकाय का भी चयन हुआ। इस वेबीनार में शहरी विकास मंत्रालय ने निवर्तमान सभापति के के गुप्ता और नगरपरिषद आयुक्त को कार्यक्रम में उपस्थित होने का निमंत्रण भेजा। पांच अन्य निकाय इंफाल, खरगोन, विजाग, ऋषि व वाराणसी रही। गुप्ता ने अपने वेबीनार को संबोधित करते हुए कहा कि डूंगरपुर निकाय प्रदेश की पहली ओडीएफ बनी व स्वच्छता का सपना साकार करना एक व्यक्ति के बस की बात नहीं थी। स्वच्छता में निकाय को सफल बनाने में शहरवासियों के साथ–साथ स्कूलों में अध्ययन करने वाले 22000 विद्यार्थियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नवाचारों की कड़ी में अपने कार्यों में एक और स्टार जोड़ते हुए गुप्ता ने शहरवासियों के लिए एक **स्वच्छता एप** का निर्माण किया। जिसमें यदि शहर में कहीं भी कचरा दिखता है तो उसका फोटो खींचकर लोकेशन के साथ स्वच्छता एप पर अपलोड करने को कहा गया।जिसकी सफ़ाई करने की जिम्मेदारी नगरपरिषद की मानी गई व सफाई कर्मचारीयो व अधिकारीयो को अपनी जिम्मेदारी की पालना करने की बात कही गई।सफाई के लिए अनूठी पहल करते हुए सभापति के के गुप्ता ने किसी भी गंदगी की शिकायत करने वाले शिकायतकर्ता को नगद राशि के रूप में रु. 50 पुरस्कृत करने का निर्णय लिया। रोड लाइट भी बंद होने की शिकायत पर रु. 25 प्रतिदिन प्रति लाईट नगद देने का भी निर्णय लिया गया। जिसके तहत 2550 शिकायतकर्ताओं को यह राशि प्रदान की गई। जुर्माना राशि संबंधित कार्य के ठेकेदार से वसूली जाती थी । साथ ही सड़कों के दोनों तरफ इंटरलॉकिंग टाइल्स भी लगाई गई ताकि सफाई रखने में सुविधा हो।

डूंगरपुर को स्वच्छता सर्वेक्षण में नंबर एक बनाने के लिए समय–समय पर रन फ़ॉर डूंगरपुर का आयोजन भी किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में शहरवासियों, समाज प्रतिनिधियों, स्वयंसेवकों एवं अधिकारियों ने हिस्सा लिया और डूंगरपुर को स्वच्छता में अव्वल लाने का संदेश दिया। साथ ही छोटी–छोटी कदमों से दौड़ती हुए नौनिहालों ने भी बड़ा संदेश दिया।

स्वच्छता की राह में एक और मील का पत्थर गाढ़ते हुए ठोस कचरा संग्रहण के लिए लगभग 5000 कचरा पात्र निशुल्क बांटे गए। तात्कालीक जिला कलेक्टर राजेंद्र भट्ट व सभापति गुप्ता की मौजूदगी में यह कचरा पात्रों का वितरण किया गया। जिसमें शहर की वृद्ध महिलाओं के साथ साथ सभी ने बढ़ चढ़कर लाभ लिया।शहर में स्वच्छता व विकास के कार्यो के निरीक्षण व सुचारू संचालन हेतु 15 ब्रांड एंबेस्डर नियुक्त किए गए। इसके अलावा विभिन्न समाज के दो दो प्रतिनिधियों की टीम बनाई गई जिसमें प्रत्येक कार्य में नगरपरिषद को सुझाव दिए।

2.जल है तो कल है –

जल ही जीवन है। इसका यह अर्थ है कि जहां पानी होता है वहां जीवन होता है। पूरे ब्रह्मांड में पृथ्वी पर ही जल पाया जाता है। जब हमें यह प्रकृति के द्वारा दिया गया है। तो हमें इसका सम्मान करना चाहिए ना कि इसका व्यर्थ उपयोग करना चाहिए। जल के बिना जीवन असंभव है। जल है तो कल है। इन्हीं विचारों को इस टीम ने अपने दिमाग में रखते हुए अपने 5 साल के कार्यकाल में जल के संरक्षण व संवर्धन व इसके दुरुपयोग को रोकने हेतु भरसक प्रयास किए।

बारिश में जल संचय स्त्रोतों को लबालब करने का बीड़ा उठाया। जिसमें जल आवक मार्गों को खोलने व उन पर अतिक्रमण पर सख्ती से विरोध कर कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया। गैपसागर व साबेला तालाब के जल आवक स्रोतों पर अतिक्रमण को हटाया गया व इन भागों पर अतिक्रमण की सूचना देने वाले को 5,000 रुपये नगद पुरस्कार देने की घोषणा की गई। साथ ही **आओ पानी बचाओ** अभियान के तहत जल संचय कार्यक्रम का आयोजन मॉडल स्कूल हाउसिंग बोर्ड में किया गया । शहर में जल संचय व जल के वेस्टेज को रोकने हेतु काफी संख्या में जल मित्र बनाए गए। हर सरकार का स्वरूप जनकल्याणकारी होना चाहिए। इसी बात को ध्यान में रखकर पीएचडी के माध्यम से नगरपरिषद द्वारा 5000 परिवारों को घरों में अपने स्त्रोतों से जल नियमित वितरण किया जा रहा है। जिसमें लगभग 8 लाख लीटर पानी प्रतिदिन इन घरों को पहुंचाया गया।

10 साल से बंद उदयवाव, केलावाव तथा पुराने कुंओ को गहरा कर जीर्णोद्धार व सफाई का कार्य करवा कर जल स्वावलंबन की शुरुआत की गई। जल संचय के इस प्रकार के **भागीरथी प्रयासों व परिणामों से** के के गुप्ता को केंद्रीय सरकार द्वारा **वाटर हीरोज** खिताब से सम्मानित किया गया। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के साथ पूर्व सभापति के के गुप्ता की बैठक में डूंगरपुर में जल संचय के कार्यों की चर्चा हुई। जिसमें डूंगरपुर में हुए **वाटर हार्वेस्टिंग** व वृक्षारोपण कार्यों को सराहा गया। स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जेन ने डूंगरपुर में विजिट कर डूंगरपुर के काफी कार्यों को राजधानी में लागू करने का निर्णय लिया। जल स्वावलंबन अभियान के तहत शहर के एडवर्ड संमद तालाब, गैपसागर का तालाब व सुनारिया तालाब को गहरीकरण कर इन तालाबों को सागर बनाया गया। गैपसागर झील में जिप्सी के आकार व स्वरूप की सोलरबॉट चलनी शुरू हुई जिसमें पर्यटकों का आकर्षण बड़ा।

शहर में पानी का जलस्तर गिरने से रोकने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लागू कर लगभग 20 फीट जमीनी जलस्तर को बढ़ाया गया। जहां नये बन रहे मकानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य बनाया गया।



वहीं इस सिस्टम को लागू करने के लिए आ रहे रु. 16000 के खर्चे में नगरपरिषद द्वारा 8000 रु. सब्सिडी के रूप में सहायता देना तय किया गया। प्रारंभिक वर्ष में 300 घरों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अपना कर इस कार्य को एक तीव्र गति प्रदान की गई। साथ ही शहर में नकारा पड़े 125 हेड पंपों को फिर से शुरू करवा कर उनको पास के घरों की छतों से सीधा जोड़कर भूजल स्तर को बढ़ाने का कार्य किया गया।के के गुप्ता की जल संरक्षण कार्यो से एशिया महाद्वीप की जल संस्था वाटर डाइजेस्ट कंपनी द्वारा उनका सम्मान भी किया गया।

28 मार्च 2022 को दैनिक भास्कर के डूंगरपुर संस्करण में छपे मंडे पॉजिटिव की न्यूज़ में यह बताया गया है कि इस साल यह पहली बार होगा जब डूंगरपुर में किसी भी प्रकार का जल संकट नहीं होगा। केंद्रीय भूजल विभाग की प्री मानसून रिपोर्ट 2021 के मुताबिक देश में डूंगरपुर सहित राजस्थान के 4 जिले डूंगरपुर, बांसवाड़ा, गंगानगर व हनुमानगढ़ सबसे सेफ जोन में है।इन क्षेत्रों में भूजल 50 मीटर ग्राउंड लेवल पहुंच गया है। रिपोर्ट में सबसे गहराई में पानी राजस्थान में बीकानेर में है। केंद्रीय भूजल विभाग की प्री मानसून रिपोर्ट 2019 के मुताबिक बीकानेर में अधिकतम 128.15 मीटर ग्राउंड लेवल पर पानी है।

जहां दिल्ली में डेढ़ लाख रुपए में वाटर हार्वेस्टिंग के पाइप को फिट बनाकर जोड़ा गया फिर भी सफलता शून्य रही। वहीं डूंगरपुर में 16000 खर्च कर सीधे भूजल स्रोतों से जोड़ा और सफलता सौ प्रतिशत रही। इसके साथ–साथ डूंगरपुर में जल स्त्रोतों, जल संरक्षण एवं जल संवर्धन हेतु बावडियों की सफाई की गई, सूखे कुंओ को गहरा किया गया तथा ड्राई हेड पंपों को वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम से सीधा जोड़ा गया। जिससे वर्षा जल बिना किसी रूकावट के सीधे ही भूजल में मिल जाए और भूजल स्तर में अप्रत्याशित वृद्धि हो। इससे डूंगरपुर में सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि शहर में जितने भी सूखे हेडपंप और कुएं थे। सभी में पानी आ गया जो भूजल स्तर 700 टीडीएस था। वह 500 टीडीएस तक आ गया। यह सब पूर्व नगरपरिषद सभापति के के गुप्ता के प्रयासों का ही परिणाम है।

3. पहला सुख निरोगी काया –

स्वास्थ्य शारीरिक, मानसिक, और सामाजिक कल्याण की स्थिति है। स्वास्थ्य का महत्व सबसे पहले है और बाकी सब कुछ इसके बाद में आता है। अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखना कई कारकों पर निर्भर करता है। जैसे हम कैसी हवा में सांस लेते हैं, कैसा पानी पीते हैं, कैसा भोजन करते हैं, आसपास का वातावरण हमारा कैसा है। वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा भी यह माना गया है कि स्वास्थ्य एक संसाधन के रूप में है न कि सिर्फ एक स्थिति है।स्वास्थ्य एक बहुत बड़ी संपत्ति है। इसीलिए दुनिया में सभी सुखों में सबसे पहला सुख निरोगी काया माना गया है।

अपने इन्हीं विचारो,कर्तव्यों,भावनाओं तथा नैतिकता को लिए हुए पूर्व सभापति के के गुप्ता ने अपने कार्यकाल में सफाई के साथ–साथ शहर के लोगों के स्वास्थ्य के बारे में भी हमेशा चिंतन किया। और ज्यादा से ज्यादा इस प्रकार से प्रयास किए कि लोग कम बीमार रहे एवं उनका स्वास्थ्य हमेशा उत्तम रहे। इसके लिए भले ही शहर के अस्पताल की व्यवस्था या दशा सुधारनी हो, शहरों में बगीचो का निर्माण करना हो, उन बगीचों में व्यायाम एवं योग की व्यवस्था करनी हो, शहर से तमाम प्रकार की गंदगी को दूर करना हो या लोगों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करना हो। सभी के लिए हमेशा जागरुक एवं सतर्क ही दिखे है।

निरोगी होगा राजस्थान तो समृद्ध होगा राजस्थान ।

राजस्थान सरकार के इसी नारे को साकार करने के लिए डूंगरपुर नगरपरिषद हमेशा कृत संकल्प रही। नशे व बुरी लत से दूर रखने के लिए बचपन से ही बच्चों को इसकी जानकारियां देनी जरूरी समझी। साथ ही उच्च संस्कारों का बीजारोपण करना भी जरूरी समझा और यह काम शहर के तमाम स्कूलों में विश्व कैंसर दिवस हो या जब भी इस प्रकार के अवसर हो बच्चों को जागरूक कर किया।

इन्हीं के कार्यकाल में डूंगरपुर नगरपरिषद व्यसन मुक्त बनने वाली पहली निकाय बनी। निकाय द्वारा स्वच्छता अभियान के ठीक बाद दूसरे अभियान के तहत व्यसन मुक्त शहर बनाने का निर्णय लिया गया। इस अभियान में शहरवासियों व्यापारियों एवं सभी नागरिकों का सहयोग लिया गया। खासकर बच्चों एवम युवा पीढ़ी को व्यसन से दूर रखने का अभियान चलाया गया व किसी भी प्रकार के नशे में लिप्त पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई करने का प्रावधान किया गया। सार्वजनिक जगहों व धूम्रपान को वर्जित किया गया व तंबाकू वगैरह बेचने के लिए भी अनापत्ति प्रमाण पत्र रखने की हिदायत दी गई। इसके अभाव में 10000 तक का जुर्माना भी रखा गया। साथ ही सड़क पर थूकने वालों पर स्पॉट फाइन की व्यवस्था की गई।

योग भगाए रोग की सोच के साथ लोगों में नियमित योग की आदत डालने हेतु योग गुरु के माध्यम से शहर वासियों को योग का प्रशिक्षण भी दिया जाने लगा। 2015 से 2020 तक नियमित रूप से बादल महल प्रांगण में योगशाला चलाई गई। संगीतमय योग महोत्सव में लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। आनंद योग आश्रम के योग गुरु स्वामी गणेशानंद ने समुद्र संगीत की धुनों पर योग का महत्व बताया। योग गुरु ने योग के महत्व को बताते हुए कहा कि जिस मनुष्य का शरीर स्वस्थ है वह मनुष्य संसार का सबसे सुखी प्राणी है।



मार्च 2020 में पूरी दुनिया में विश्व की अभी तक की सबसे भयंकर महामारी कोरोना फेली। विश्व के तमाम देशों के साथ–साथ भारत देश भी इस बीमारी से अछूता नहीं रहा। भारत के राजस्थान के दक्षिण में बसा डूंगरपुर जिला भी कोरोना वायरस से काफी प्रभावित रहा।गुजरात,महाराष्ट्र व कुवैत से काफी काम करने वाले लोग जिले में लौटने लगे थे।उनके साथ कोरोना संक्रमण भी घुसपैठ करने लगा था। यहां के ज्यादातर लोग अपनी दिहाड़ी से ही जीवन यापन करते हैं। कोरोना व लोकड़ाउन से सभी की आर्थिक स्थिति निरंतर खराब होने लगी थी। सभी में अविश्वास व भय का माहौल बन गया था।

इस विकट स्थिति को संभालने व कोरोना के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु शहर के सभापति के के गुप्ता व उनकी नगरपरिषद टीम ने मोर्चा संभाला। शहर के प्रमुख चिकित्सकों,शिक्षाविदों व बुद्धिजीवियों के साथ निरंतर बैठके कि। शहर के प्रमुख स्थानों पर निशुल्क मास्क व सैनिटाइजर बाटे। हॉस्पिटल में सफाई, दवाई, ऑक्सीजन सप्लाई, वेंटिलेटर व स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई। शहर के शास्त्री कॉलोनी स्थित लाल बहादुर सामुदायिक भवन में महिला विंग द्वारा 1000 मास्क प्रतिदिन बनाए जाने लगे व लोगों को निशुल्क वितरित किए जाने लगे। शहर के सरकारी डिपो में चलने वाली सभी बसों की निरंतर धुलाई होने लगी।

पैम्प्लेट, एलईडी टीवी तथा ऑटो रिक्शा से कोरोना की जानकारी व उससे बचाव की जानकारी भी दी जाने लगी। शहर में सोडियम हाइपोक्लोराइट दवा को पानी में डालकर सार्वजनिक जगहों पर छिड़काव किया जाने लगा। फॉगिंग मशीन का भी इस्तेमाल काफी मात्रा में हुआ। सभी कैदियों को भी मास्क वितरण किया गया। हर व्यक्ति का टेम्परेचर चेक करना तथा सम्पूर्ण शहर को **CCTV** की निगरानी मे रखने के काम भी किये गये।

तहसील चौराहे पर **सैनिटाइजर टनल** का निर्माण किया गया एवं साथ ही प्रदेश को कोरोना वायरस से बचने के लिए डूंगरपुर मॉडल अपनाने का आग्रह किया।कोरोना काल में जो लोग बेरोजगार हो गए थे उनके रोजी रोटी के लिए भामाशाह को आगे लाने का काम के के गुप्ता ने बखूबी किया। लॉकडाउन में पशु पक्षी के दाने व चारे की उपलब्धता का भी पूरा पूरा ख्याल रखा गया।



शहर के लोगों के लिए हरदम चिंता करने वाले सभापति ने रात्रि में आपातकालीन सेवाओं के लिए ऑटो रिक्शा की सुविधा भी उपलब्ध कराई। पहले लोगों को रात्रि में अस्पताल पहुंचने में काफी परेशानी रहती थी।अतः 02964 232459 का फोन नंबर जारी कर उक्त सुविधा का लाभ शहर की जनता लेने लगी। जो कि रु. 25 मात्र किराया देकर रात्रि में 9:00 बजे से सुबह 7:00 बजे तक उपलब्ध रहते थे।

4. आध्यात्म की जनजागृति –

वैसे ही भारत त्योहारों का देश कहलाता है। इसमें भी राजस्थान के दक्षिण अंचल में हर त्यौहार को धूमधाम से मनाया जाता है। वागड़ के इस क्षेत्र में 36 कौम निवास करती हैं। जिनका आपसी भाईचारा हर सम्प्रदाय के उत्सव में देखने को मिलता है। सभापति के पद पर रहते हुए के के गुप्ता ने धार्मिक सौहार्द्र का निर्माण करते हुए सभी पर्वों को धूमधाम से मनाया व सहभागिता प्रदान की। वह भले ही **जैन मुनि तरुण सागर जी महाराज हो या जैन आचार्य अनुभव सागर जी, या जया किशोरी जी हो, शिव कथा मर्मज्ञ गिरी बापू हो या किसी भी साधु संत की अगवानी करनी हो के के गुप्ता सदैव आगे रहे।** शिवरात्रि, होली, दिवाली, ईद सभी त्योहार सर्वजन की सहभागिता से एवं। समन्वय से मनाये गये।

भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या में 5 अगस्त 2020 के राम मंदिर निर्माण के भूमि पूजन के अवसर पर डूंगरपुर शहर में भी प्रत्येक घर में पांच दीपक जलाए गए तथा शहर में भी हर्षोल्लास से रोशनी की गई । प्रत्येक घर को एक तुलसी का पौधा एवं पांच मिट्टी के दीपक नगरपरिषद के द्वारा दिए गए।

शहर के वसुंधरा विहार पार्क में जैन अनुयायी के 24वें तीर्थंकर की चरण पादुकाए सहित कीर्ति स्तंभ स्थापित किया गया।






शहर में स्थापित करीब 18 मंदिरों का जीर्णोद्धार किया। शहर के शिव मंदिरों में देव फिर से विराजित हुए। देवों की फिर से पूजा शुरू की गई। शिवरात्रि पर सभी मंदिरों को दुल्हन की तरह सजाया गया। शहर की ह्रदय स्थली गैप सागर झील के मुहाने नानी बाई रो मायरो कथा श्रवण कराने हेतु साध्वी जया किशोरी का समागम हुआ। चंद्रमौलेश्वर मंदिर जीर्णोद्धार महोत्सव के तहत इस कथा का आयोजन हुआ। जिसमें राजस्थान की प्रसिद्ध घटना और जूनागढ़ के कृष्णभक्त नरसिंह मेहता की भक्ति से शहर के सभी श्रद्धालु रूबरू हुए। सभापति के के गुप्ता ने संपूर्ण कार्यक्रम की कमान अपने हाथ में ले रखी थी व नगर वासियों से इसमें अधिकाधिक भाग लेने का आह्वान किया।

शहर के घाटी स्थित कालिका माता मंदिर, राधा कृष्ण मंदिर, जूना महल, हरि मंदिर, शीतला माता मंदिर, सिंटेक्स मिल स्थित महादेव मंदिर, गणेश मंदिर, नवाडेरा का गणेश मंदिर आदि सभी मंदिरों का जीर्णोद्धार किया एवं इन्हें बहुत ही खूबसूरत बनाया गया।

5. हरित डूंगरपुर-

भारत में पेड़ों को भगवान की तरह पूजा जाता है। यह पेड़ ही है जो हमें ऑक्सीजन रूपी संजीवनी प्रदान करते हैं और हम जीवित रहते हैं। प्रकृति ने जनजीवन को बहुत कुछ दिया है।आज सांसे भी प्रकृति प्रदत्त है। रक्त जीवन का आधार है। बिना प्रकृति जीवन निराधार है। पेड़ ही हमारे वातावरण को साफ और प्रदूषण मुक्त रखते हैं। यही पर्यावरण के सच्चे योद्धा भी हैं जो पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखते हैं। पेड़ ही हमारे जीवन के सच्चे साथी हैं और उससे हमें जीवन मिलता है। फिर अपने पूरे जीवन काल में हमें अपना सब कुछ देते ही रहते हैं। पेड़ों की वजह से जहां बारिश होती है। बारिश होने से वातावरण में हरियाली, हमारे पीने के लिए पानी, खाने के लिए अनाज,जलाने के लिए ईंधन,पशुओं के लिए भोजन,बीमारियां दूर करने के लिए जड़ी—बूटी, ठंडी छाया, कागज आदि हमें मिलता है। वृक्षों से केवल किसी एक घर का वातावरण नहीं बल्कि पूरे शहर का वातावरण शुद्ध बना रहता है। वातावरण में फैली विषैली गैसों को ग्रहण कर ऑक्सीजन छोड़ते हैं।



पेड़ों, हरियाली, पर्यावरण आदि के महत्व को देखते हुए अपने कार्यकाल में उन्होंने लगभग 25000 के आसपास पौधे लगाए ।पूरे शहर को हरा–भरा बनाने की कोशिश की और डूंगरपुर को एक हिल सिटी से ग्रीन सिटी बनाने का प्रयास किया और उसमें काफी हद तक सफल भी हुए। क्योंकि वृक्षों के सार संभाल की जिम्मेदारी किसी एक की नहीं पूरी जनता की मानी गई और जनता ने भी इसमें बखूबी साथ दिया।

डूंगरपुर शहर में विशेष कार्य योजना के तहत वृक्षारोपण किया गया। आज जहां भी नजर पड़ती है सुकून की कतार नजर आती है। तकनीकी ढंग से किए गए वृक्षारोपण से शहर में बहार सी आ गई है। वृक्षों के संरक्षण के लिए शहरवासियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। पेड़ों को गोद लिया गया। वृक्ष मित्र बनाए गए जो पेड़ों की सार संभाल कर रहे हैं। कोई पेड़ सूखता था तो दूसरा लगाया जाता था। गैप सागर की पाल पर रिंग रोड बनाकर उसे वृक्षों से आच्छादित किया गया। जगह–जगह उद्यान बनाए गए। डिवाइडर पर वियतनाम के वृक्ष लगाए गए जो आज ऑक्सिजन की भरपूर पूर्ति करते हैं।

2015 से 2019 के बीच में लगभग जो 25000 पौधे लगाए गए थे वे अब 15 से 20 फीट के हो गए हैं। शहर में विदेशी किस्म के पौधे भी लगाए गए हैं। जिनमें अरब का कोनोकार्पस, सिंगापुर का सिंगापुरी चेरी, अर्जेंटीना का टुबिया, अफ्रीका का स्कोरथोडिया खास करके हैं। शहर में लगभग 20 के आसपास नए गार्डन विकसित किए गए हैं। जिसमें तुलसी गार्डन, आयुर्वेदिक हर्बल गार्डन,बर्ड सेंचुरी पार्क व नक्षत्र गार्डन खासकर के आकर्षण का केंद्र है।

शहर में राजस्थान पत्रिका के सुझाव पर प्रदेश में पहली **दिकरियों नि वाड़ी** उद्यान स्थापित किया गया। जिला मुख्यालय से 5 किमी दूर भंडारिया घाटा में नगरपरिषद की तरफ से बेटियों के लिए विशेष उद्यान बनाया गया। इसमें लगभग 500 पौधे फलों वाले बेटियों की तरफ से ही लगवाए गए। वहीं पर बेटियों के नाम भी अंकित किए गए।



ज्यादातर जगह वृक्षारोपण व फोटोग्राफी कागजों तक सीमित रह जाता है। लेकिन के के गुप्ता के इन 5 साल के कार्यकाल में डूंगरपुर शहर में ऐतिहासिक वृक्षारोपण हुआ व इसे एक जन अभियान बनाया गया। शहर के तहसील चौराहा से नया बस स्टैंड रोड, कलेक्टरेट रोड, नवा डेरा मार्ग, नया बस स्टैंड से हॉस्पिटल रोड आदि मुख्य सड़कों पर बने डिवाइडर पर करीब 2000 रातरानी के पौधे तथा बोनसाई के पेड़ चाइना से लाकर लगाए गए लगाए गए। पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाए गए। रातरानी का पौधा सूर्यास्त के बाद सुगंध देता है। स्वच्छ शहर से सुगंधित शहर का स्वभाव लोगों को महसूस होने लगा।

दिकरियों नि वाड़ी के समीप ही वृंदावन की तर्ज पर एक तुलसी गार्डन विकसित किया गया ।जिसमें राधा कृष्ण की प्रतिमा लगाई गई । तुलसी गार्डन में 12 तरह की तुलसी लगाई गई है। विश्व में 150 किस्म की तुलसी पाई जाती है। जिनमें ज्यादा से ज्यादा इस गार्डन में लगाकर शोभा बढ़ाने का निर्णय लिया गया। अभी गार्डन में कपूर तुलसी, लविंग तुलसी, वन तुलसी, अजवाइन तुलसी, तिलक तुलसी, श्याम तुलसी, ब्राह्मी तुलसी, राम तुलसी की किस्मे पाई जाती है।

शहर में आकर्षण का केंद्र बर्ड सेंचुरी पार्क हर किसी को अभिभूत कर रहा है। पार्क में तीनतोरण द्वार स्वागत हेतु लगाया गया है। जोकि सेल्फी प्वाइंट के रूप में विकसित हो रहा है। आज तक लाखों की संख्या में पर्यटक इसकी सुंदरता निहार चुके हैं। नैनीताल की तर्ज पर पार्क में फूल लगाए गए हैं। पार्क में बर्ड वाचिंग टावर भी लगाया गया है पार्क में जाने हेतु 2 किलोमीटर का सुंदर आकर्षक एप्रोच रोड यानी रिंग रोड भी बनाया गया है।

स्वच्छता, पर्यटन, विकास एवं शहर को हरा–भरा करने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस पर हरित डूंगरपुर बनाने का लक्ष्य रखा गया। इसके तहत हर घर के आगे एक पौधा लगाकर शहर में लगभग 10000 पौधे लगाना तय किया गया।



जिसमें हर पौधे पर मकान मालिक का नाम लगाना तय हुआ। हर पौधे को मकान मालिक को गोद देकर उसके देखभाल के लिए उससे एक संकल्प पत्र भी भराया गया।

शहर में सड़कों के डिवाइडर पर करीब 300 से 350 जगह फ्लाइट बोनसाई पौधे लगाने का काम शुरू हुआ।यह पौधे वातावरण में कार्बन मोनोऑक्साइड और अन्य विषैली गैस को अवशोषित कर शुद्ध ऑक्सीजन देते हैं। यह पौधे दिखने में भी काफी सुंदर होते हैं व बनावट में एक बॉल की तरह होते हैं।

वेस्ट से बेस्ट बनाने के नवाचारों के क्रम में हर घर से आम की गुठली इकट्ठे करने का काम किया गया। कचरा संग्रहण प्लांट पर आम की पौध तैयार की गई। शहर को हरा–भरा बनाने व पर्यावरण संरक्षण में इन पौधों की बड़ी महत्ता है जिन्हें हर वार्ड में लगाया गया।

नानाभाई पार्क जो पुराने बस स्टैंड के पास बने इस पार्क में हमेशा गंदगी व कचरा पसरा रहता था। पार्क से पक्षियों के बीट की हरदम बदबू आती रहती थी। लेकिन सभापति के के गुप्ता व नगरपरिषद डूंगरपुर ने पार्क का नक्शा ही बदल दिया। करीब 20 लाख रुपये की लागत से बने चिड़ियाघर में 20 से अधिक प्रजाति के तोते, खरगोश, कबूतर, व मुर्गे आदि रखे गए व पूरे पार्क को हरा भरा कर उसकी कायाकल्प ही बदल दी। इसमें 50 फीट ऊंचा सात मंजिला 510 घरों वाला एक आश्रय स्थल पक्षियों के लिए बनाया गया। इससे जहाँ बेजुबान पक्षियों की मौत मौसम की मार से होती थी उसमें काफी हद तक कमी आई। इसमें सैकड़ों पक्षी एक साथ रह सकते हैं।

संभवतः इतना ऊंचा राजस्थान में यह पक्षियों के लिए पहला आश्रय स्थल है। यह **आश्रय स्थल कुतुबमीनार जैसा** गोलाकार आकृति सा है। इसमें पक्षियो के लिए घोंसले बनाए गए हैं। वहीं मीनार के नीचे 5 से 6 फीट का एक चबूतरा बनाया हुआ है। जिस पर पक्षियों के लिए दाने पानी की व्यवस्था की हुई है।

शहर में बगीचों के लिए हाथ से बने गार्डन वेस्ट को देसी कंपोस्टिंग पद्धति के तहत 75 दिन की समय अवधि के तहत पार्क कंपोस्टिंग में वेस्ट को डी कंपोस्ट गुड और पानी मिलाकर बगीचों के लिए जैविक खाद बनाई गई। जो उन्हीं बगीचों के पौधों के लिए काम में ली गई। यह ऑर्गेनिक खाद काफी सस्ती व काफी असरदार होती है। इस प्रकार शहर के 28 बगीचों में यह खाद निर्मित होने लगी व उपयोग होने लगी।



डूंगरपुर शहर में इसके साथ ही एक अनूठा उदाहरण देखने को मिला। यहां पर उन पेड़ों का जन्मदिन मनाया गया जिन को लगाए गए 1 वर्ष हो गया था। उनका जन्मदिन जुलाई 2017 में धूमधाम से मनाया गया। उन पेड़ों की आरती उतारी गई एवं रक्षा सूत्र बांधकर पेड़ों की रक्षा हेतु शपथ भी ली गई।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस यानी हरियाली अमावस्या के दिन दैनिक भास्कर के डूंगरपुर संस्करण में 28 जुलाई 2022 को डूंगरपुर की वृक्षारोपण को लेकर किए गए प्रयासों पर एक बहुत ही प्रभावकारी सकारात्मक लेख छपा। जिसमें कहा गया कि घरों में किये गए वाटर हार्वेस्टिंग के परिणाम सुखद निकले और शहर के कुए हेडपंप भीषण गर्मी में भी नहीं सुख रहे हैं। डूंगरपुर शहर में 50 हजार की आबादी पर 40000 से अधिक पेड़ लगाए। ऑक्सीजन लेवल 90 फिसदी पहुंचने से वायु प्रदूषण घट गया। और इससे भी बहुत ही आश्चर्य की बात यह है कि इस बार मानसून सीजन में पौधारोपण भी नहीं हो पा रहा है। क्योंकि पौधे लगाने के लिए सार्वजनिक जमीन ही नहीं बची। जहां गर्मियों में अधिकतम तापमान 40 से 44 डिग्री तक दर्ज किया जा रहा है। जो पहले 48 डिग्री तक भी पहुंच जाता था।

जैसा डूंगरपुर आज हरा भरा दिख रहा है वही 10 साल पहले उसकी तस्वीर बिल्कुल उलट थी। पहाड़ियां हरियाली विहीन थी। शहर के कुछ घरों में पेड़ नजर आते थे। जबकि सड़क किनारे तो बिल्कुल सूखे ही थे। नगरपरिषद में शहर में लगातार 5 सालों में विशेष अभियान चलाते हुए लगभग 30 से 35 हजार पौधे रोपे गए है। आज शहर की आबादी 50000 है व 40000 पेड़ है। इसमें 25 से 30000 पौधे तो पूर्व सभापति के के गुप्ता के कार्यकाल में ही लग गए और जो कि ये पौधे अब पेड़ का आकार लेने लगे हैं। इन बड़े होने वाले पेड़ों से फायदा देखो। शहर में वायु प्रदूषण लगभग शून्य हो गया है। शहर के घरों में वाटर हार्वेस्टिंग के परिणाम सुखद निकले।

नगरपरिषद के ऐइएन विकास लेगा ने बताया कि 7 वर्ष पूर्व शहर में 1500 पौधे थे। यहां कार्बन डाइऑक्साइड लेवल 249 पीपीएम था, वही सिलिकॉन डाइऑक्साइड लेवल 63.6 लेवल तक पहुंच गया था। वातावरण में सिलीकान डाइऑक्साइड का यह खतरनाक स्तर होता है। पेड़ लगाने से पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर गिरते हुए 160 व सिलिकन डाई आक्साइड 40.3 पीपीएम पर आ गया।

मानसून में पौधों का रोपण किया जाता है। 2 से 3 लाख की संख्या में बीजों का रोपण किया जाता है। जंगल बढे तो वन्यजीवी बढ़ने लगे हैं।10 साल पहले पेन्थरों की संख्या 0 थी। इस साल लगभग 70 की गिनती हुई है। पर्यावरणविद एवं वन्य जीव विशेषज्ञ सेवानिवृत्त एसीएएफ ऑफ वाइल्ड लाइफ, डॉक्टर सतीश शर्मा के अनुसार समूचे जिले में प्रकृति संरक्षण को लेकर पिछले 8 से 10 सालों से अच्छा काम किया जा रहा है।

प्रकृति संरक्षण में सबसे अहम, हरियाली बढ़ाने के साथ ही उसे संरक्षित करना है। 20 –25 साल से डूंगरपुर में फिर से पर्यावरण सुधार को लेकर एक लहर जोर पकड़ने लगी हैं। वन विभाग व नगरीय प्रशासन हरियाली में लगातार वृद्धि कर रहे हैं।

6. हमारा शहर-हमारा काम -

कोई भी शासन या लोकतंत्र वही सबसे खूबसूरत होता है जिसमें लोगों की सहभागिता हो। सहभागी लोकतंत्र उस प्रक्रिया का नाम है जो किसी राजनीतिक प्रणाली के संचालन व निर्देशन में लोगों की भरपूर सहभागीता पर जोर देती है। उच्च स्तर पर निर्मित नीतियां जरूरी नहीं कि स्थानीय जरूरतों पर खरी उतरे। अतः उनकी समस्याएं जानने हेतु उनकी राय व सहभागिता बहुत जरूरी है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर लोकसत्ता का विकास किया गया। राजनीतिक व प्रशासनिक विकेंद्रीकरण किया गया।



अपने 5 साल के कार्यकाल में स्थानीय शासन के इस मूलमंत्र को बखूबी समझा डूंगरपुर नगरपरिषद के पूर्व सभापति के के गुप्ता ने। उन्होंने अपने 5 साल के कार्यकाल में जन सहभागिता के माध्यम से डूंगरपुर शहर को फर्श से अर्श तक पहुंचाया। विकास पुरुष का तमगा अपने माथे लगाया। सरकारी व निजी विद्यालय में हर घर से बच्चे पहुंचते हैं। केके गुप्ता ने सर्वाधिक ध्यान इन बच्चों पर दिया। लगभग 22000 स्कूली विद्यार्थियों के माध्यम से सफाई का संदेश घर–घर पहुंचाया। सफाई व जल संचय को लेकर समय–समय पर मोहल्लो की बैठकें कर उनका सहयोग मांगा। स्वच्छता पर्यावरण व जल संरक्षण को लोगों की आदत बनाया ।

शहर को ग्रीन सिटी बनाने के लिए शहर के सभी नागरिकों को एक एक पेड़ लगाने के लिए कहा। स्वच्छता सर्वेक्षण में डूंगरपुर शहर सिटीजन फीडबैक में हमेशा अव्वल रहा है। समय–समय पर व्यापारियों के साथ बैठक कर व्यापारियों को उचित मूल्य पर वस्तुएं उपलब्ध कराने को कहा। जिस प्रकार महिलाएं घर को साफ सुथरा रखती हैं। उसी प्रकार शहर को भी चमकाने में उनकी भूमिका को समझा व उनके साथ हर बार मन की बात कर उनका सहयोग लिया।

शहर के सभी बुद्धिजीवियों की आवश्यकता अनुसार बैठकें कर व सुझाव आमंत्रित कर उन्हें लागू भी किया। आम आदमी की शासन में भागीदारी बढ़ाने के लिए एक टोल फ्री नंबर भी जारी किया जिस पर शहर का कोई भी नागरिक अपने सुझाव या शिकायत को 24 घंटे दर्ज करवा सकता था। के के गुप्ता ने अपने शपथ ग्रहण के बाद सर्वप्रथम शहर के विकास के लिए लोगों से पत्रों के माध्यम से भी सुझाव मांगे जो काफी कारगर रहे और उसी दिशा में उन्होंने काम किया।

7. रोजगार निर्माण के प्रयास-



महिलाओं को स्वरोजगार हेतु प्रेरित करने व जोड़ने के लिए शहर में तीन जगह 75 सिलाई मशीनों के माध्यम से 150 महिलाएं प्रतिदिन लगभग 2000 कपड़े की बंद थेलियां बनाने लगी। यह उन्नत किस्मों की थैलियां न सिर्फ शहर में बल्कि आसपास के गांवों में भी बेची जाने लगी। साथ ही पापड़, पत्तल—दोना, दीया बाती सैनेट्री पेड़ सहित अन्य **घरेलू उद्योग** का भी संचालन करने लगे।

शहर के समीप राजपुर स्थित महिला सशक्तिकरण केंद्र पर सेनेटरी पैड की मशीन भी उपलब्ध कराई गई। जिससे शहर की निर्धन व जरूरतमंद महिलाएं पेड़ बनाती थी व बेच भी रही थी।साथ ही शहर के तमाम व्यापारियों से आग्रह भी किया गया कि डूंगरपुर की महिलाओं के द्वारा बनाई गई इको फ्रेंडली उन्नत प्रोडकट्स को लेकर बेचे ताकि उनको भी प्रोत्साहन मिले।

शहर के दुर्गानगर में नगरपरिषद के सहयोग से सोलर लैंप प्रोजेक्ट के फैक्ट्री का निर्माण किया गया। इस प्रोजेक्ट को प्रधानमंत्री ने भी सम्मानित किया था। यह फैक्ट्री जनजाति क्षेत्र में महिलाओं के द्वारा संचालित है। फैक्ट्री में निर्मित लाइटों का शहर में उपयोग होने लगा।

इस प्रकार यदि देखा जाए तो वह सफाई का क्षेत्र हो या शहर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम हो, कपड़े की थैलियां बनाने का काम हो या सेनेटरी नैपकिन बनाने का काम हो के के गुप्ता के इन 5 सालों के कार्यकाल में ज्यादा से ज्यादा स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध हुआ है।

8. बालिका एवम् शैक्षिक विकास हेतु प्रयास-

शहरी बेटियों को आत्मरक्षा में दक्ष बनाने के लिए शहर में जूडो कराटे प्रशिक्षण लड़कियों के लिए शुरू किया गया। लड़कियों के साथ साथ महिलाओं को भी व्यावहांरिक आत्मरक्षा के गुर लक्ष्मण मैदान स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी रंगमंच पर सिखाये गए। कोई भी क्षेत्र एवम समाज तभी आगे बढ़ सकता है जब वहां का शिक्षा का ढांचा मजबूत हो। सभी के सामूहिक प्रयासों से प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मौका मिल जाता है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए नगरपरिषद की तरफ से 10वीं व 12वीं बोर्ड कक्षा में 90% से ऊपर अंक लाने वाले शहर के मेधावी छात्रों का सम्मान किया जाता था। निकाय द्वारा शिक्षा के लिए कई कार्य किए गए। जिसमें बेरोजगार युवाओं को नियमित **कोचिंग, कंप्यूटर प्रशिक्षण**, **इंग्लिश स्पोकन क्लासेस**, तथा युवाओं के लिए अत्याधुनिक लाइब्रेरी सहित शहर की 130 बेटियों को गोद लेते हुए उन्हें शिक्षा से जोड़ा। शहर की दो छात्राएं हर्षल व अवनी जो मुंबई में रह रही है ने बताया कि आज हम अपने डूंगरपुर शहर का नाम गर्व से ले सकती है। महिलाओं के लिए हिंदी के साथ–साथ सामान्य जीवन में अंग्रेजी का प्रयोग करने के लिए नगरपरिषद ने इंग्लिश स्पीकिंग क्लासेस शुरू की। जिसमें प्रतिदिन दक्ष महिला प्रशिक्षक द्वारा 2 घंटे सायं 4:00 से 6:00 पढ़ाया गया। महिलाओं का अंग्रेजी सीखना इसलिए भी जरूरी है कि आजकल के बच्चे इंग्लिश स्पीकिंग स्कूल में पढ़ते हैं व परिवार के साथ साथ मां उनकी प्राथमिक टीचर होती है।





डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि वही समाज, वही संगठन आगे रहता है, विकास करता है जो शिक्षित होता है। उसी बात को ध्यान में रखते हुए सभापति महोदय ने भी शहर को शिक्षित करना व उसको आगे बढ़ाने का निश्चय किया। समय–समय पर सभी स्कूलों की भौतिक सुख सुविधाओं को भी बढ़ाया गया। शहर के सभी सरकारी स्कूलों को उन्नत किस्म का बनाने की कोशिश की गई ताकि बच्चे का पढ़ने में मन लगे। न सिर्फ विद्यार्थियों बल्कि उनके माता–पिता को भी शिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया।



बेटी संरक्षण एवं उसके समुचित उत्थान के लिए सभापति गुप्ता द्वारा एक कदम और आगे बढ़ाते हुए श्यामा प्रसाद मुखर्जी रंगमंच पर **डांस क्लास** का शुभारंभ किया गया। शहरी बेटियों को उचित मंच देने भीतर छुपी **नृत्य कला व प्रतिभा** को तराश कर निखारने के लिए यह पहल की गई। नृत्य प्रशिक्षक उर्वशी श्रीमाल के निर्देशन में यह प्रशिक्षण दिया गया।

जुनून हो तो कोई काम असंभव नहीं। तालीम जगत को रोशन करने और गौरवान्वित करने के प्रयासों की कड़ी में सभापति की पहल और लागू किए गए नवाचार ने सफलता की इबारत लिख दी।राज्य सरकार की शिक्षक भर्ती परीक्षा रीट के लिए नगरपरिषद द्वारा चलाई गई निशुल्क कोचिंग अभ्यर्थियों के लिए सुनहरे भविष्य की सौगात बनकर आई। प्रथम वर्ष 2018 की परीक्षा में 20 में से 12 अभ्यर्थियों का चयन रीट भर्ती हेतु हुआ।



9. पर्यटन विकास -

के के गुप्ता का डूंगरपुर शहर को क्लीन सिटी, ग्रीन सिटी व स्मार्ट सिटी के माध्यम से प्रदेश के पर्यटन नक्शे पर अंकित करना एक बड़ा लक्ष्य था व इसे किसी हद तक पूरा भी किया। वह भले शहर की ह्रदय स्थली **गैपसागर** हो या गैपसागर के पास बने आकर्षक हरे भरे **रिंग रोड** से गुजरते हुए सेंचुरी पार्क हो, वह भले नक्षत्र पार्क हो या शहीद पार्क हो, **बादल महल** हो या अपनी ओर बुलाती मनमोहक **फतेहगढ़ी** हो, शहर का हर कोना बाहर के पर्यटकों को लुभा रहा है। न सिर्फ प्रदेश के बल्कि देश विदेश से भी डूंगरपुर शहर की खूबसूरती निहारने पर्यटक आ रहे हैं। कुछ शार्ट मूवी की शूटिंग भी यहां हुई है जिससे आम व्यापारी व नगरपरिषद की आय के स्रोत भी बढे हैं।

मार्च 2019 में गुजराती टीम अपनी फिल्म कुर्बान की शूटिंग के लिए डूंगरपुर आई। सभापति गुप्ता के साथ–साथ संपूर्ण शहरवासियों ने प्रोडक्शन टीम का भरपूर सहयोग किया। शूटिंग का आनंद भी उठाया। फिल्म निर्माता अल्पेश भाई ने बताया कि डूंगरपुर शहर एकदम साफ सुथरा है एवं शूटिंग हेतु कई स्थान अच्छे हैं। फिल्मों में शहर की बेटी इशिका सैनी को भी काम करने का मौका मिला।





पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए गैपसागर में **सौंदर्यीकरण** व **नौकायन** के बाद तैरते हुए रेस्टोरेंट की शुरुआत भी की गई। इस बोट में सभी शहरवासी अपनी पारिवारिक पार्टी वगैरह कर सकते हैं। जिसमें सोलर लाइट, सोलर म्यूजिक व सोलर एलइडी की सुविधा भी दी गई है। इसमें 15 से 20 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। साथ ही गैपसागर झील में वाटर स्क्रीन की शुरुआत की गई है। पर्यटन को बढ़ावा व शहर को स्मार्ट सिटी जैसी लुक देने के उद्देश्य से शहर को एक और सौगात दी। जिस पर नगरपरिषद के विकास कार्यों व पर्यटन को लेकर फिल्म चलाई गई।साथ ही बच्चों के लिए शार्ट मूवी भी चलाई जाने लगी। पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु सभापति अपनी टीम के साथ रतनपुर बॉर्डर भी पहुंचे। वहां गुजराती पर्यटको के कारों पर डूंगरपुर के स्टिकर लगाकर **पधारो म्हारे डूंगरपुर** का बड़ा संदेश दिया। सभी होटल व्यवसायियों ने योजनाबद्ध काम कर बॉर्डर पर बड़े–बड़े होर्डिंग लगाने का काम भी किया। जिससे गुजराती पर्यटकों से शहर गुलजार हुआ।

10. यातायात सुधार

व्यवस्थित यातायात पार्किंग व्यवस्था से शहर साफ सुथरा दिखता है। इसीलिए शहर में यातायात व परिवहन व्यवस्था सुधारने हेतु सभापति के के गुप्ता द्वारा अथक प्रयास किए गए।

खराब यातायात व्यवस्था व बेतरतीब पार्किंग व्यवस्था से न सिर्फ गंदगी फैलती है बल्कि शहर का सौन्दर्यीकरण भी बिगड़ता है। इसीलिए समय–समय पर वाहन मालिकों व चालकों के साथ बैठकर की गई उनकी समस्याओं को जाना, उनके निराकरण के प्रयास कीये, वाहनों में डस्टबिन लगवाए एवं बायपास सड़कों का निर्माण कर शहर में ट्रैफिक दबाव को कम किया गया। वाहनों पर स्वच्छता के स्टीकर लगाए। उन्हें ढंग से निर्धारित स्थानों पर पार्किंग करने को कहा गया। इस यातायात पार्किंग को सुधारने हेतु यातायत पुलिस को नगरपरिषद द्वारा वाहन उठाने वाली क्रेन उपलब्ध कराई गई। इस क्रेन के एक्शन में आने से शहर के ट्रैफिक में काफी सुधार हुआ।

शहर के स्थानीय परिवहन आगार के विकास व कायाकल्प को बदलने के लिए आगार प्रबंधक लीलाकृष्ण ने सभापति गुप्ता का सम्मान कर आभार जताया।आगार प्रबंधक ने कहा कि सभापति के प्रयासों की बदौलत आज आगार की तस्वीर व चेहरा दोनों बदल गए हैं जिसमें स्वच्छता के साथ–साथ पीने की पानी की व्यवस्था, शौचालय निर्माण, डामरीकरण का कार्य, रंग रोगन,बेंच लगाना, नाली निर्माण जैसे काफी महत्वपूर्ण कार्य कम समय में पूरे हुए हैं।



साथ ही यात्रियों के मनोरंजन औऱ बस स्टैंड पर दो एलईडी टीवी लगाए गए हैं। जिन पर दिनभर लघु फिल्मों का प्रसारण होता रहता है। साथ ही स्वच्छता व पर्यटन स्थलों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है। शहर में ट्रैफिक लोड की समस्या को कम करने के लिए महारावल स्कूल के पीछे से गुजर रहे रास्ते को बाईपास बनाने का निर्णय लिया। शहर में सर्वाधिक ट्रैफिक तहसील चौराहे से लगाकर महारावल स्कूल के बीच होता है। इसी कारण पुराने व वैकल्पिक मार्ग का सर्वे किया गया एवं उसका निर्माण कर शहर में बदहाल ट्रैफिक को राहत प्रदान की गई।

11. नगर का सौंदर्यीकरण-



सभापति के के गुप्ता ने शहर के सौन्दर्यीकरण को शरीर के हृदय की तरह माना। जिस प्रकार शरीर के हृदय को हरदम स्वस्थ रखना जरूरी है उसी प्रकार शहर भी हरदम स्वच्छ व सुंदर रखना चाहिए। इसीलिए शहर के सांगोपांग विकास के लिए शपथ लेने के साथ साथ योजनाबद्ध विकास के लिए प्लान बनाया। सर्वप्रथम सड़कों की खुदाई कर शहर की पेयजल व पानी निकासी के सुधार हेतु पाइप लाइन डाली गई।सड़कों को दुरुस्त किया गया। शहर के बेतरतीब ढंग से लगे लाइट खंभो के तारों को दुरुस्त किया गया। शहर को पोललेस बनाने का प्रयास किया गया। रोड लाइट सोलर लाइट व रंग बिरंगी लाइटों से भी शहर जगमग करने लगा एवं शहर वासियों को रात में भी दिन का एहसास होने लगा। लोगों को विकास की एक नई किरण नजर आने लगी। साथ ही स्वच्छता को शरीर की आत्मा की तरह माना। जिस प्रकार एक शरीर में आत्मा का महत्व होता है उसी प्रकार शहर में भी स्वच्छता का महत्व होता है।

स्वच्छता को एक जन अभियान बनाया। **दिन रात एक कर शहर को साफ सुथरा बनाया**। शहर को गंदा करने वाली प्लास्टिक की थैलियों को पूरी तरह से बंद किया गया। कचरे को इकट्ठा करने के लिए घर घर गाड़ियां घूमने लगी। जो गीला और सूखा कचरा अलग अलग इकट्ठा करती थी। उस कचरे से खाद का निर्माण होने लगा एवं स्वच्छता के मामले में न सिर्फ राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शहर को पहचान दिलवाई। देश की स्वच्छता रैंकिंग में भी हमेशा अच्छी रैंक हासिल की। लगभग 1600 शौचालयों का निर्माण कर चार बार ओडीएफ का खिताब हासिल किया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को पूरा करने के लिए जी जान से जुट गए एवं गली– गली मोहल्लों के कोनों को चमकाया व डूंगरपुर को एक क्लीन सिटी का तमगा लगाया।



12. शहर का सांगोपांग विकास-

जैसे ही सितंबर 2015 में के के गुप्ता ने नगरपरिषद सभापति हेतु पदभार ग्रहण किया एवं शपथ ली तो उन्होंने कुछ प्राथमिकताएं शहर के विकास हेतु, कुछ पैमाने त्वरित गति से शहर को दशा और दिशा देने हेतु तय किए।जो निम्न है :–

1. शहर में **म्यूजिकल फाउंटेन** लगाना ।
2.महारावल स्कूल के पास से बाईपास निकालना ।



3. बगीचों में फव्वारे व लाइट लगाना ।
4. महारावल स्कूल के पास हटाए अतिक्रमण स्थल पर विशिष्ट आकृति में झरना।
5. शहर में जगह–जगह सुविधा घरों की स्थापना करना ।
6. 13363 घरों में नियमित **कचरा संग्रहण** करना।
7. लगभग 1600 शौचालयों का विभिन्न घरों में निर्माण करना ।इसके लिए जरूरतमंद परिवारों को नगरपरिषद की ओर से रु. 4000 अतिरिक्त प्रोत्साहन देना।
8. बिना स्वीकृति व रूपांतरण के अवैध निर्माण पर पाबंदी लगाना।
9. खाली पड़े भूखंडों की सफाई नहीं होने पर कार्यवाही करना।
10. बादल महल पर 1 जनवरी 2016 से 2020 तक योग शिविर लगाना व बाजार से शिविर स्थल तक नियमित वाहन सुविधा उपलब्ध करवाना।
11. गैप सागर झील में नावों का संचालन करना।
12. जगह जगह आवश्यकतानुसार हाई मास्क लाइट लगाना।
13. शहर को पॉलीथिन मुक्त करना।
14. हर परिवार को रु 10 शुल्क पर दो कपड़े की थैलियां उपलब्ध करवाना।
15. साबेला तालाब का मास्टर प्लान बनाकर संरक्षण व सुंदरीकरण करना।
16. आवासीय कॉलोनियां विकसित करना।

अपने इस शुरुआती दौर में इन संकल्पों से अपने कार्य को गति प्रदान करते हुए अपने 5 साल के कार्यकाल में बहुत सारी उपलब्धियां हासिल की। शहर में बहुत सारे कार्य किए ।जो अग्रलिखित है–

12.1. गुणवत्ता युक्त पुस्तकालय-





शहर के ज्यादा से ज्यादा बच्चे उच्च पदों पर पहुंचे इस हेतु एक गुणवत्ता युक्त सर्व संपन्न **लाइब्रेरी** का निर्माण कराया गया। सभापति रहते हुए केके गुप्ता ने प्रदेश भर में एकमात्र नगरपरिषद द्वारा लाइब्रेरी का निर्माण किया। जिसमें सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सभी प्रकार की किताबें बच्चों को उपलब्ध कराई गई। जो अध्ययन करने वाले बच्चों की मांग पर 3 दिन के अंदर किताब को उपलब्ध करवाने का कार्य भी किया गया। संपूर्ण पुस्तकालय को एयरकंडीशनर व डिजिटल बनाया गया। एक स्मार्ट बोर्ड भी गूगल सर्च हेतु रखा गया। लाइब्रेरी में करीब 500 छात्र नियमित रूप से अध्ययन हेतु आते थे। यह निश्चित रूप से अपने आप में शहर को दशा और दिशा देने का सराहनीय कार्य था। जिससे कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों को लाभ मिला।

12.2. निशुल्क कोचिंग संस्थान-

अगर हम सोच ले तो कोई भी काम कठिन नहीं होता। बस सोचने के लिए एक लक्ष्य का निर्धारण कर सफलता हासिल की जा सकती है।



अपने इसी मूल मंत्र को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पढ़ने वाले अभ्यर्थियों में भरने के लिए शहर के बच्चों के लिए एक निशुल्क कोचिंग संस्थान की शुरुआत की गई। कोचिंग के शुभारंभ में शहर के भोगीलाल पंड्या राजकीय महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ यूके सिंह ने अपने मोटिवेशनल स्पीच में बताया कि सफलता एक न एक दिन मिलती जरूर है बस उसके लिए निरंतर प्रयास जरूरी है। सभापति एवं नगरपरिषद द्वारा दी जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए यह निशुल्क कोचिंग व्यवस्था का लाभ शहर भर के सभी गरीब, मध्यम व सब प्रकार के बच्चों को मिलने लगा। और शहर में एक प्रकार का माहौल बनने लगा। निशुल्क कोचिंग संस्थान में तृतीय श्रेणी अध्यापक, द्वितीय श्रेणी अध्यापक, प्रथम श्रेणी अध्यापकए RAS, IAS, IFS o RJS आदि विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी शहर के निष्णात विषय व्यक्तियों के द्वारा करवाई जा रही थी।

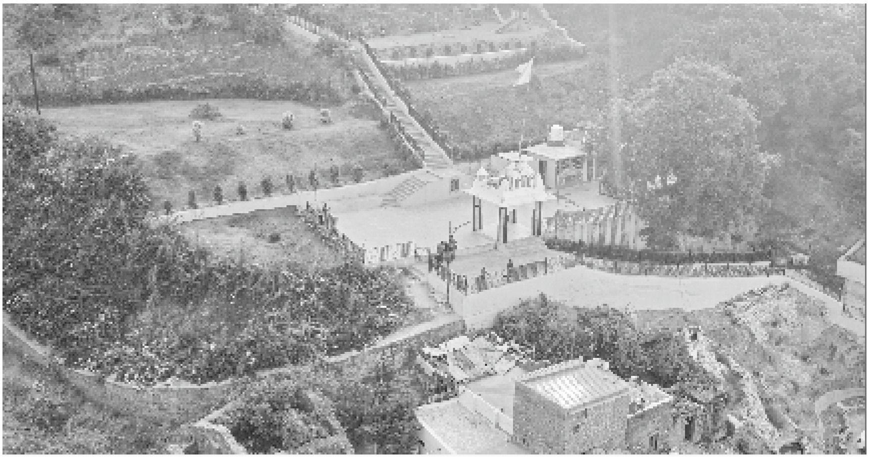
12.3. कला व हुनर को पंख-



जब कला वह हुनर बोलता है तो बेजान दिवारे भी बोलने लगती है। इसी उद्देश्य से शहर के नन्हे बच्चों सहित तमाम चित्रकारों द्वारा तहसील चौराहे से रिंग रोड तक बेजान बदरंग दीवारों पर चित्रकारी कर उन्हें रंग बिरंगी बनाने का काम किया गया।

शहर की नन्हीं प्रतिभाओं ने कला व हुनर के दम पर शहर की बेजान दीवारों पर ऐसी चित्रकारी की कि हर कोई देखते ही दंग रह गया। गंभीर सोचनीय व चिंतनीय चित्रकारी को तराशने का काम किया गया साथ ही शहर भी रंग बिरंगा सुंदर दिखने लगा।

12.4. धनमाता पहाड़ी का विकास-



शहरवासियों के आस्था का केंद्र धनमाता पहाड़ी को भी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया। पहाड़ी पर ऊपर चढ़ने के लिए सीढ़ियां, बगीचे में बच्चों के लिए झूले, फव्वारे, फूल के पौधे, रोशनी के लिए लाइटए RO प्लांट, शौचालय और टाइल्स लगाकर एक आकर्षक बगीचे का निर्माण किया गया है।

12.5. राजकीय महारावल विद्यालय में स्मार्ट क्लास की शुरुआत-

आधुनिकता की चकाचौंध और समय की रफ्तार के बीच तकनीकी ज्ञान कौशल के लिए स्मार्ट बनना जरूरी है। सभापति के के गुप्ता ने महारावल स्कूल में एक स्मार्ट क्लास की स्थापना नगरपरिषद की तरफ से नई पीढ़ी को वक्त की रफ्तार के साथ चलने को प्रोत्साहित करने के लिए की।

12.6. हर्बल गार्डन-

शहर के शिवाजी नगर में हर्बल गार्डन की शुरुआत की गई। जिससे लोगों का आयुर्वेद की तरफ रुझान बढ़ेगा। यह प्रदेश का पहला हर्बल गार्डन बना जिसमें पत्थरचट्टा, घृतकुमारी, नींबू ग्रास, तिल विष्णुकांता, ब्राह्मी पान, अमृता काली हल्दी, अश्वगंधा सहित विभिन्न तरह के हर्बल पौधे लगाए गए। जिनका उपयोग साधारण बीमारियों में करने पर ठीक हुआ जा सकता है।

12.7. लाफिंग गैलेरी -

शहर के तहसील चौराहे पर एक लाफिंग गैलरी बनाई गई है।जिसमें 12 आदम कद आईने लगाए गए हैं। जो इंसानों को हंसने पर मजबूर कर देते हैं। खास डिजाइन वाले इन शिशुओं में व्यक्ति का अस्क परिवर्तन कर उसे मोटा, पतला कुबड़ा टेढ़ा आदि दिखाता है ।

12.8. वॉर म्यूजियम-

शहर में एक वॉर म्यूजियम का निर्माण किया गया। इसमें शहरवासियों को कारगिल, सर्जिकल स्ट्राइक, भारत पाकिस्तान युद्ध को दृश्य चित्रकारी के रूप में देखने को मिलते है। यह वॉर म्यूजियम गैप सागर की पाल पर स्थित जज साहब का दरवाजे पर बनाया गया है। 3D पेंटिंग के माध्यम से इस संग्रहालय का उद्देश्य शहीद हुए सैनिकों को सम्मान देना व शहर के नागरिकों में देशभक्ति की भावना जगाए रखना है।



12.9. आधुनिक शॉपिंग मॉल-

शहर में बड़े शहरों की तरह ही हरिदेव जोशी चिकित्सालय के समीप एक अत्याधुनिक शॉपिंग मॉल बनाया गया। जिसमें लगभग 38 दुकानें हैं। इस प्रकार से बने इस शॉपिंग मॉल में शहरवासियों को बहुत ही सुविधा प्रदान की गई और तमाम प्रकार की खरीदने की वस्तुएं उन्हें एक ही छत के नीचे उपलब्ध होने लगी।

12.10. वास्तु के आधार पर बने प्रवेश द्वार-

चमचमाते डूंगरपुर में बाहर से आने वाले व्यक्तियों के लिए शहर के तीन ओर से मौका प्रवेश द्वार की व्यवस्था की गई। खजूर व फूलों से सजे प्रवेश द्वार लगाए गए। यह तीनों प्रवेश द्वार वास्तु के आधार पर बनाए गए हैं जिसमें 27 फिनिक्स पाई भी लगाए गए जो नकारात्मक ऊर्जा को कम करते हैं। भारतीय वास्तुशास्त्र में खजूर के पेड़ को मां लक्ष्मी का प्रिय माना जाता है।

12.11. पढ़ेंगी बेटियां तो बढ़ेंगी बेटियां-

सभापति के के गुप्ता ने कहा कि बेटियां हर किसी के भाग्य में नहीं होती। बेटियां वहां होती है जहां ईश्वर की मंजूरी होती है। शहरी बेटियों का संरक्षण सभी की जिम्मेदारी बताया। इसलिए नगरपरिषद ने बेटियों को आत्मरक्षा में दक्ष बनाने हेतु कराटे प्रशिक्षण भी शुरू किए। साथ ही शहर में लड़कियों व उनकी माताओं को निशुल्क इंग्लिश स्पीकिंग क्लासेस लगवा कर उनमें भी दक्ष बनाने का कार्य किया गया।

12.12. पक्षियों के लिए परिंडे-

शहर में गर्मियों के मौसम में पक्षियों के लिए पानी के लिए परिंडे व दाने के लिए घोसले जगह–जगह बगीचों घरों व सार्वजनिक जगहों पर लगाए गए। सभापति ने कहा कि बढ़ती गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए यह बहुत नेक कार्य होगा इसके तहत शहर की 2000 महिलाओं को सकोरे व घोसले वितरित किए गए।

12.13. दिव्यांगों को सहायता-

ए आसमाँ ऊंचा कर ले अपना कद हम पंखों से नहीं हौसलों से उड़ान भरते हैं। इन पंक्तियों को चरितार्थ कर दिखाया डूंगरपुर शहर के दिव्यांग जनों ने। इन दिव्यांग जनों को बैसाखी के अलावा साथ मिला शहर के सभापति के के गुप्ता का। जिन्होंने शहरी विकास व स्वच्छता के साथ–साथ निश्चित वर्ग को भी सबल देने के लिए पहल की और इससे दिव्यांगो के बेरस जिंदगी में खुशियों के रंग छा गए। आत्मनिर्भरता की राह पर दिव्यांग जिंदगीयां दौड़ पड़ी और उत्थान के सपने सच होने लगे। आज दिव्यांगजन कागज के कैरी बैग, हैंड बैग व सिलाई के कार्य, मसाला चक्की, पूजा थाली बनाने आदि कार्य कर आत्मनिर्भर बनने लगे हैं। 50 से अधिक दिव्यांग प्रशिक्षण प्राप्त कर विभिन्न व्यवसाय में लगे हुए हैं।

12.14. गेम जोन-

बच्चों के मनोरंजन व स्वास्थ्य वर्धन के लिए एक गेम जोन व स्विमिंग पूल बनाया गया। गेम जोन में सभी आधुनिक खेल, उपकरण तथा वीडियो गेम की पूरी क्षमता बनाई गयी। जिसमें न्यूनतम शुल्क पर बच्चों को पूरा मनोरंजन दिया गया। जिससे परिषद को प्रतिमाह रु. 100000 आय भी होनी शुरू हो गई।



12.15.कालीबाई पैनोरमा-



शहर की सीमा पर स्थित ग्राम पंचायत मांडवा क्षेत्र में राजस्थान धरोहर संरक्षण द्वारा बनवाए गए शहीद वीर बाला काली बाई पैनोरमा को आबाद करने का निर्णय लिया गया। शिक्षा की अलख जगाने वाली काली बाई के पैनोरमा का संरक्षण व संवर्धन बहुत जरूरी था। काली बाई के इतिहास और आदिवासी संस्कृति को पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित करने के प्रयास किए गए। शहर के प्रवेश मार्गों पर पैनोरमा तक पहुंचने के साइन बोर्ड भी लगाए गए।

12.16.वृद्धाश्रम-

शहर के निर्धन वृद्धजन के लिए एक 24 कमरों का वृद्ध आश्रम भी बनवाया गया। शहर में बहुत से ऐसे वृद्ध हैं जिनके पास अपना आशियाना नहीं है 12000 वर्ग फिट भूमि पर वसुंधरा विहार में सर्व सुविधा युक्त गरीब व बेसहारा वृद्धों के लिए यह आश्रम बनाया गया। जिसमें दो बड़े होल एक गार्डन खेल व मेडिकल केयर सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई।

12.17.ओडीएफ-

प्रधानमंत्री मोदी की स्वच्छ भारत मिशन से प्रभावित सभापति के के गुप्ता के नेतृत्व वाले बोर्ड ने मन में डूंगरपुर को खुले में शौच मुक्त करने का हौसला जगाया और इसके बाद डूंगरपुर ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश की पहली ओडीएफ (खुले में शौच मुक्त निकाय) का गौरव 24 अक्टूबर 2016 को प्राप्त किया। इसके बाद 2016, 2017, 2018 व 2019 लगातार 4 वर्ष डूंगरपुर शहर को ओडीएफ के साथ ओडीएफ प्लस का भी दर्जा मिला।

12.18. नीति आयोग-

देश के सबसे बड़े आयोग नीति आयोग ने डूंगरपुर की स्वच्छता को देश का रोल मॉडल बनाने हेतु अन्य शहरों को संदेश भेजा।24 जनवरी 2019 सोमवार देर रात नीति आयोग ने ट्वीट कर डूंगरपुर के कचरा निस्तारण व डूंगरपुर नगर निकाय को रोल मॉडल मानकर स्वच्छता में काम करने की बात कही।

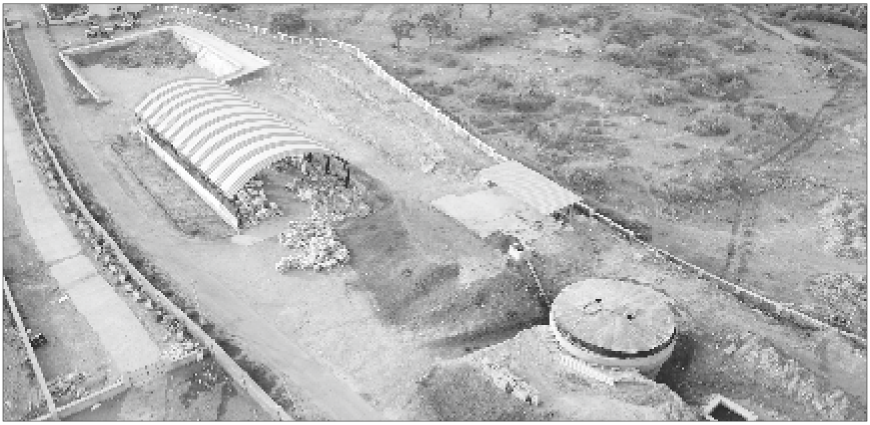
12.19. डूंगरपुर फेस्टिवल-

पर्यटन संभावनाओं को नई ऊंचाइयां देने तथा विदा होने वाले साल के अंतिम दिनों में अपने लक्ष्यों को आकार देने व शहरवासियों के मनोरंजन को भरपूर बनाने के उद्देश्य से नगरपालिका की अगुवाई में तीन दिवसीय डूंगरपुर फेस्टिवल का आयोजन 29 30 व 31 दिसंबर 2018 व 2019 में शहर में हुआ। फेस्टिवल में लोगों के लिए सैर सपाटे के साथ गीत संगीत, खरीददारी,घुड़सवारी ,झूले व सजावट आदि की व्यवस्था भी की गई। रात्रि में स्थानीय व बाहरी कलाकारों द्वारा फिल्मी गीतों की प्रस्तुति दी गई।राजस्थानी संस्कृति से भी सभी शहरी रूबरू हुए। जैसलमेर के पीर खान ग्रुप ने बादल महल में राजस्थानी गीतों से समा बांधा। पूरा शहर सर्द मौसम में उत्सवी गर्माहट महसूस करता रहा। शहर की लगभग 350 प्रतिभाओं ने अपना कौशल दिखाया जिन्हें सम्मानित किया गया।



12.20. बायोगैस प्लांट/सेग्रिगेशन प्लांट/ साइंटिफिक लैंडफिल-

घरों से निकलने वाले कचरे से गेस व गेस से बिजली बनाने का बायोगैस प्लांट भी शहर में स्थापित किया गया। यह प्रदेश का प्रथम और अधिक क्षमता वाला प्लांट है। इसे शहर के भंडारिया गौशाला के पास में स्थापित किया गया।



जो कि 324 मीटर की क्षमता वाला यह बायोगैस प्लांट गीले कचरे से बिजली व इंजन पैदा करने की क्षमता रखता है। गीले कचरे के साथ–साथ सूखे कचरे के निस्तारण के लिए भी नगर में सेनेटरी लैंडफिल प्लांट का भी निर्माण किया गया है। जिसमें 20 वर्ष तक शहर के सूखे कचरे का निस्तारण हो सकता है। शहर की स्वच्छता व पर्यटन को बढ़ावा देने को लेकर राजस्थान रोडवेज की बसों में भी कचरा पात्र लगवा कर नवाचार प्रस्तुत किया गया।

12.21. मुख्यमंत्री जन आवास योजना-

2017 के तहत बहुमंजिला आवास योजना के अंतर्गत आर्थिक दृष्टि से कमजोर आय वर्ग के 272 एवं अल्प आय वर्ग के 380 बहुमंजिला फ्लैट हेतु नगरपरिषद सभागार में जिला कलेक्टर के प्रतिनिधि, नगरपरिषद सभापति, आयुक्त, पार्षद एवं समस्त आवेदन कर्ता के सम्मुख लॉटरी निकाली गई एवं 360 नागरिकों के घर का सपना पूरा हुआ।

12.22. पोललेस शहर-

शहर में कई जगह तारों व केबलों के जाल बिछाए हुए थे। जिससे शहर बदसूरत दिख रहा था। करीब 80 लाख रुपये खर्च कर गेपसागर पाल पर तारों को जमीन में बिछाने का कार्य किया गया। भीतरी शहर जो कि काफी संकरा था जिसमें कंसारा चौक, सोनिया चौक, माणक चौक, शीतला माता की गली, मोची बाजार व सर्राफा बाजार क्षेत्रों में जहां हादसों की संभावनाएं रहती थी वहां तारों की जगह केबल डलवाई तथा काफी हद तक हादसों में कमी आई है।

12.23. नक्षत्र पार्क-

वेदों व शास्त्रों के अनुसार ग्रहों को अपने अनुकूल बनाने के लिए पेड़ पौधों की पूजा को अहम बताया गया। इसे देखते हुए वह नवग्रहों के दुर्लभ संयोग से 27 नक्षत्र वनस्पतियों के साथ प्रदेश का पहला नव ग्रह नक्षत्र उद्यान शहर में तैयार किया गया। शहर के प्रतापनगर में नौ ग्रह नक्षत्र उद्यान बनाया गया जो कि शहर वासियों के स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए फायदेमंद साबित होगा।

12.24. ओपन जिम-

खुली हवा में शरीर को चुस्त व फुर्तीला बनाने के लिए शहर के करीब करीब सभी बगीचों में ओपन जिम की शुरुआत की गई। प्रत्येक जिम पर 4:30 लाख रुपये तक का खर्चा कर उपकरण लगाए गए हैं।शहर के प्रगति नगर में जैन मंदिर पार्क, हेमू कालापी गार्डन दीनदयाल उपाध्याय गार्डन, रेलवे कॉलोनी गार्डन व सुभाष नगर पार्क में यह उपकरण लगाए गए हैं।



12.25. भारत माता की प्रतिमा-

शहर की गैप सागर झील से करीब 300 फीट की ऊंचाई पर फतेहगढी पहाड़ी पर भारत माता की प्रतिमा और मंदिर बनाया गया। इस तरह की प्रतिमा राजस्थान प्रदेश में सिरोही के माउंट आबू के बाद डूंगरपुर में ही स्थापित हुई है। भारत माता को 4 शेरों पर सवार होते दिखाया गया है। करीब 15 फीट ऊंची यह प्रतिमा 9 फीट ऊंचे रथ पर सवार है। यह प्रतिमा विशेष फाइबर धातु से बनी है।

12.26. क्लॉक टावर-

गुजरात के सूरत शहर के समान नए अस्पताल तिराहे पर क्लॉक टावर लगाई गई। तकरीबन 20 फीट ऊंचा यह चारों दिशाओं में वाटरप्रूफ घड़ियों से सुसज्जित है इसकी नीचे सुंदर आकर्षक हैंगिंग लाइटें लगाई गई है।

12.27. आधुनिक शौचालयों का निर्माण-

शहर में विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर 6 आधुनिक शौचालय का निर्माण करवाया गया। यह शौचालय महिलाओ एवं पुरुषों के लिए अलग–अलग बने हुए हैं। जिनमें सर्व सुविधा युक्त व्यवस्था की गई है। इन शौचालयों का रखरखाव एवं सफाई दिन में चार बार की जाती थी। पूरे शहर के शौचालयों की सफाई घर के शौचालयों की तरह ही रखी जाती थी। नगरपरिषद के द्वारा शहर के सभी 73 विद्यालयों के शौचालयों की सफाई भी नियमित रूप से की जाती थी।



12.28. अतिक्रमण मुक्त शहर-

शहर को सुंदर व सुगम बनाने के लिए शहर में बढ़ते अतिक्रमण को भी रोकना जरूरी समझा। इसी के तहत पूर्व के अवैध कब्जे, हो रहे अतिक्रमण को रोकने हेतु समीक्षा कर प्लान बनाया गया। नगरपरिषद द्वारा एक अतिक्रमण निरोधक दस्ता बनाया गया जो शहर में दिनभर घूम घूम कर अतिक्रमण व अवैध कब्जे को चिन्हित करता था। उन्हें हटाने की नोटिस देता था व फिर स्वयं उसे हटाने की कार्यवाही भी करता था परिषद द्वारा नियम बनाया गया कि शहर व उसके आसपास के पैरा फेरी गांव में निर्माण पूर्व पंचायत व उसके बाद परिषद की निर्माण स्वीकृति करने के बाद ही कोई निर्माण करें। साथ ही व्यापारियों को हिदायत दी गई कि अपनी दुकानों के आगे सामान रखकर अतिक्रमण बिल्कुल नहीं करें।

12.29. देशप्रेम-



देशभक्ति एक ऐसा जज्बा है जिसमें शहर के सभी वर्गों व धर्मों को एक साथ एक जगह लाया जा सकता है। उसी जज्बे से एक साथ सभी को लाकर सशक्त शहर व विकसित शहर की भावना को पूरा किया जा सकता है। इसी के तहत सभापति गुप्ता ने शहर में सभी वर्गों तथा धर्मों के साथ तिरंगा यात्रा निकाली।1947 से पूर्व जन्में वृद्ध जनों का सम्मान किया। साथ ही शहर में शहीदों के सम्मान में शहीद स्मारक भी बनाया गया।

12.30. हेरिटेजवाकवे-

साढे 700 वर्ष पुराने इतिहास, शिल्प स्थापत्य और संस्कृति को समाहित करने वाले डूंगरपुर को जन–जन तक रूबरू करवाने के उद्‌देश्य से नगरपरिषद ने तय किया कि वे यूरोप शहर की तर्ज पर हेरिटेज वॉक वे शहर में बनाया जाना चाहिए। संकरी गलियों वाले वेनिस में भी वहां के शिल्प स्थापत्य को पर्यटकों को बिना गाइड की सलाह के भी दिखाने के लिए हेरिटेज वॉक वे का निर्माण किया है। डूंगरपुर में भी हेरिटेज समृद्धि है और इसके माध्यम से पर्यटकों को आकर्षित किया जाना चाहिए। शहर के प्रमुख स्थलों को दिखाने के लिए एक व्यवस्थित मार्ग के चिन्हीकरण का प्लान भी बनाया गया। जिसमें गैपसागर की पाल, फतेहगढी, श्रीनाथ मंदिर, हेरिटेज लाइब्रेरी, महारावल उच्च माध्यमिक विद्यालय,दरवाजे, प्राचीन बावडिया, जूना महल, विजयगढ़, सारणेश्वर, उदयविलास पैलेस सहित बादल महल के सौंदर्य व विशिष्ट अदाओं से पर्यटकों को रूबरू कराने की जरूरत बताई गई। यह वॉक वे की शुरुआत शहर में लगभग 225 वर्ष पुराने कुरिया दरवाजे से हुई व पुराना हॉस्पिटल होते हुए उदयविलास पैलेस तक तकरीबन विभिन्न स्थानों को 3 किलोमीटर तक कवर करते हुए एक पर्यटक गैलरी बनाने का निर्णय लिया गया।

12.31. ईरिक्शा-

प्रदेश के जयपुर व अजमेर की तरह ही शहर में भी पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए ई रिक्शा चलाए गए। परिषद के द्वारा 75 लाख के बजट से लगभग 5 यूनिट रिक्शा खरीदी गई व इसे पर्यटक भी काफी पसंद करने लगे। जिसका संचालन परिषद ने स्वयं किया व चालको को रोजगार भी प्रदान किया।

12.32. पोस्टर विहीन शहर -

शहर को सुंदर व खूबसूरत बनाने के लिए शहर की दीवारों व कहीं भी पोस्टर लगाने व विज्ञापन लिखने को गैरकानूनी माना गया व जुर्माना राशि भी तय की गई। जो शहर इन पोस्टरों व विज्ञापनों से बदरंग हो रहा था। कुछ समय के बाद यह पोस्टर फटने शुरू हो जाते थे। जिससे वह स्थान खराब लगने लग जाता था। जिसमें पहली बार गलती करने पर पांच से दस हज़ार रुपया जुर्माना रखा गया व दुबारा गलती करने पर ₹10000 के साथ F.I.R. के साथ 1 साल की जेल का प्रावधान भी रखा गया।



12.33. गौ सेवा-

सभापति गुप्ता के आध्यात्मिक मन में सौंदर्यीकरण एवं सुनियोजित विकास के साथ आगे बढ़ते डूंगरपुर नगर के सामाजिक सरोकारों का जीवंत दर्शन कराते हुए गौ माता की सेवा और आगे आने का न केवल संकल्प था बल्कि मुक्त हस्त से अपना अंशदान भी करते थे। पहली रोटी गाय की। हमारी वैदिक संस्कृति को आत्मसात करते हुए शहर वासियों में नियमित गो ग्रास देने की परंपरा को फिर से शुरू किया और गाय की सेवा में तन मन धन से सहयोग करने का बीड़ा उठाया। इस जन अभियान में शहर के लगभग 8000 परिवार भी शामिल हुए और प्रतिदिन घर के आगे आने वाले वाहन में रोटियों का सहयोग गायों के लिए देने लगे।

12.34. बाढ़ से सुरक्षा-

मानसून के सक्रिय होते ही नगरपरिषद ने अतिवृष्टि के दौरान घरों में पानी भरने और रास्ता बंद होने जैसी समस्याओं से बचने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। जिसमें तत्काल सहयोग के लिए एक टीम का निर्माण किया। जो 24 घंटे परिषद में सहायता के लिए उपलब्ध रहती थी। आपात स्थिति की सूचना देने हेतु 02964 232 459 फोन नंबर नियंत्रण कक्ष में रखा गया। स्थल पर पहुंचने हेतु एक वाहन की व्यवस्था की गई जिसमें सभी उपकरण व सर्च लाइट नियमित लगे रहते थे।

12.35. मन की बात-

1 मार्च 2020 को शहर के तमाम वर्ग के पुरुषों व महिलाओं के साथ सभापति ने मन की बात रखने व समस्याओं के आदान प्रदान हेतु परामर्श शिविर का आयोजन किया। इस सम्मेलन में लगभग 800 महिलाओं ने हिस्सा लेकर शहर की 50% आबादी से संबंधित समस्याओं व जानकारियों को जाना व उस पर तुरन्त क्रियान्वयन किया। जिस प्रकार एक घर को साफ सुथरा व विकास की राह पर घर की नारी ही आगे ले जाती है। यही भाव परामर्श शिविर में भी महसूस किए गए। शहर के पुरुष व महिलाओं ने भी खुलकर अपने सुझाव दिए। जिसमें शहर को व्यसन मुक्त बनाने, अधिक से अधिक लघु उद्योग केंद्र की स्थापना करने, महिलाओं को बेटियों के लिए परामर्श केंद्र बनाने, महिलाओं के लिए बस स्टैंड पर बेबी फीडिंग सेंटर बनाने, महिलाओं के लिए अलग पार्क बनाने व नगरपरिषद डूंगरपुर का एक निजी विद्यालय भी बनाने की मांग उन्होंने उठाई। सभी सुझावों पर चिंतन करते हुए कार्य करना प्रारंभ कर दिया था। निश्चित रूप से नारी शक्ति के विचारों से शहरी विकास रफ्तार पकड़ने लगा था।

12.36. जीर्णोद्धार-

ऐतिहासिक निर्माण के साथ–साथ शहर की धरोहर का भी ध्यान रखा गया और उनका जीर्णोद्धार भी किया गया। जिसका जीवित उदाहरण जज साहब का दरवाजा, कानेलापोल दरवाजा, घाटी दरवाजा व चांदपोल दरवाजा भी है। शहर के 19 मंदिरों का जीर्णोद्धार भी किया गया।

मुरला गणेश मंदिर को भी आकर्षक बनाया गया। 10 बीघा जमीन में मंदिर को स्वच्छ, सुंदर व हरा भरा बनाने के प्रयास किए गए ।इसे एक तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया गया ।पूरे परिसर को हरा–भरा बनाने के साथ–साथ शाही तोरण द्वार बनाया गया। जो हर किसी को आकर्षित कर रहा है । क्षेत्र को पहचान दिलवाने हर बुधवार को हाट बाजार भी लगाया जाने लगा। मंदिर प्रांगण के विकास के साथ परिसर में सामुदायिक भवन, बगीचा, फव्वारे व मंदिर पर रंग रोगन भी किया गया।

12.37. अत्याधुनिक सिनेमाघर-

बड़े शहरों जैसी सुविधा देने व शहरवासियों के लिए मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगरपरिषद डूंगरपुर में शहर में एक अत्याधुनिक सिनेमाघर का निर्माण करना शुरु करवाया। जो शहरवासियों को बड़े शहरों की पीवीआर को टक्कर देता है। नगरपरिषद सभापति के के गुप्ता ने शहरवासियों को मनोरंजन हेतु एक बड़ा सिनेमाघर जिसमें 2 थियेटर है, जहां बैठने की क्षमता 190 लोगों की है। यह सिनेमाघर लोगों की अपेक्षाओं से भी कई गुना बेहतर बनने की आशा है।

12.38. स्विमिंग पूल-



शहरवासियों को बड़े शहरों की तर्ज पर शहर में संपूर्ण सुविधा देने के उद्देश्य से डूंगरपुर नगरपरिषद द्वारा एक स्विमिंग पूल का निर्माण कराया गया है। जिससे शहर के बच्चे और शहरवासी अत्याधुनिक स्विमिंग पूल का आनंद ले सकें। करीब 7000 स्क्वायर फीट में बने स्विमिंग पूल में सभी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वहीं स्विमिंग पूल में स्टीम बाथ, शावर, चेंजिंग रूम और सन बेड की सुविधा सहित कुशल प्रशिक्षक भी उपलब्ध कराया गया है।

12.39. शॉपिंग मॉल-

नगरपरिषद द्वारा बड़े शहरों की तर्ज पर शहर के मध्य एक शॉपिंग मॉल का निर्माण कराया गया है। जिससे विभिन्न प्रतिष्ठित ब्रांड की सामग्री एक ही स्थान पर मिले उस लक्ष्य को पूरा करने नगरपरिषद द्वारा शॉपिंग मॉल में 48 दुकानों का निर्माण करवाया गया है।



12.40. अटल बिहारी वाजपेयी सामुदायिक भवन-

शहर में शादी–ब्याह के लिए शहरवासियों की जरूरत के हिसाब से एक अत्याधुनिक सामुदायिक भवन बनाया गया है। जो 17000 स्क्वायर फीट क्षेत्र में बना हुआ है। जिसमें 14 कमरे पहले तल पर और नीचे तल में एक बड़ा हॉल बनाया है। वही सामुदायिक भवन के आगे एक बड़ा बगीचा बनाया गया है। नगरपरिषद द्वारा यह सामुदायिक भवन बहुत ही किफायती दर में उपलब्ध कराया जाता है। वही बीपीएल परिवार को यह हॉल रियायती दर में उपलब्ध कराया जाता है।

12.41. ऑडिटोरियम-

नगरपरिषद द्वारा शहर वासियों के लिए वातानुकूलित 650 सीटों वाला ऑडिटोरियम का निर्माण कराया गया है। जहां शहरवासी धार्मिक और अन्य कार्यक्रमों के लिए इसका उपयोग करते हैं। अत्याधुनिक तरीके से बना ऑडिटोरियम नगरपरिषद की शहर वासियों को अकल्पनीय सौगात है।इस ऑडिटोरियम के बाहर एक बगीचे का भी निर्माण किया गया है और इसके अंदर दो गैलरी है जहां आकर्षक पेंटिंग सभी का मन मोह लेती है। यहा राजकीय, धार्मिक और अन्य आयोजन समय–समय पर होते रहते हैं।

अध्याय 5 - नवाचार: जिनसे पाया प्यार अपार

पूर्व सभापति के के गुप्ता ने डूंगरपुर शहर के सौंदर्यीकरण भौतिक संसाधनों का विकास एवं स्वच्छता के साथ साथ यहां के निवासियों एवं आने वाली पीढ़ियों के श्रेष्ठ जीवन व उन्नति के कार्य भी किए हैं। जिससे वे नई राहों पर चलकर अपना भविष्य उज्जवल कर सके। जैसे–

1. बायोगैस प्लांट-

प्रधानमंत्री जी के 2014 में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत के बाद नगरपरिषद डूंगरपुर के सभापति ने सितंबर 2015 में सभापति की शपथ लेने के बाद अपनी निकाय में स्वच्छ भारत अभियान को प्रभावी बनाया और शहर को स्वच्छ बनाने हेतु कार्य करने शुरू किए। जिसमें शहर के शत–प्रतिशत घरों से कचरा संग्रहण से लेकर कचरे के निस्तारण हेतु प्रभावकारी योजनाए बनाई। जिसमें बचे हुए घर में गीला सूखा कचरा एकत्रित किया वहीं उस कचरे से और सूखे कचरे को अलग किया। इस कार्य में शहर में कचरा बीनने वाले शहर के 40 लोगों को रोजगार से जोड़ा। परिषद ने कचरे का निस्तारण हेतु शहर के भंडारिया स्थित कचरा एवं सूखे कचरे का सैग्रिगेशन स्थान एवं साइंटिफिक लैंडफिल बनाया गया। वहीं गीले कचरे और शौचालय के मल से खाद बनाने हेतु बायोगैस प्लांट बनाया। शहर के इस कचरा निस्तारण को प्रदेश में सराहा गया और नीति आयोग सहित कई संस्थाओं ने शहर को रिसर्च के लिए चुना। नगरपरिषद द्वारा जो देश का पहला बायोगैस प्लांट का निर्माण किया गया। इसकी क्षमता 7 टन प्रतिदिन है। इस बायोगैस प्लांट से शहर के गीले कचरे, गोबर और सेप्टिक मल का निस्तारण किया जाता है। वर्तमान में शहर का संपूर्ण गीला कचरा एवं सेप्टिक वेस्ट बायोगैस प्लांट में प्रोसेस हो रहा है। इस प्लान से शहर से प्राप्त गीले कचरे का सही तरह से निस्तारण हो रहा है।

बायोगैस प्लांट में 30% गौशाला का गोबर व 70% सेफ्टी टैंक का पानी का उपयोग कर बिजली का उत्पादन करने का निश्चय किया। जिसका उपयोग यहां लगे प्लांट को संचालित करने और प्रकाश व्यवस्था में करने के लिए सुनिश्चित किया गया। जो वेस्ट स्लरि निकलती उसका खाद के रूप में उपयोग करने का भी निर्णय लिया गया।

बायो मेडिकल वेस्ट प्लांट में लगे प्लांट से अस्पतालों से निकलने वाली मेडिकल वेस्ट जो की बहुत ही ज्यादा संक्रमित होते हैं उनका निस्तारण करने की शुरुआत की गई। साइंटिफिक लैंडफिल यह जो कचरा किसी भी काम का नहीं होता उसको डंप करने हेतु 30 साल की प्लानिंग के हिसाब से निर्माण किया गया जिसकी मात्रा प्रति घर से निकलने वाले सूखे कचरे का अनुमानित 8% तक रहता है।

सेग्रीगेशन प्लांट यह वह स्थान था जहां शहर का सारा सूखा कचरा एकत्रित किया जाता है तथा उसको अलग अलग छांटकर विक्रय किया जाता है जिससे आय भी होती है तथा विशेष रूप से इस पर कार्य करने हेतु परिषद द्वारा जितने भी व्यक्ति शहर में भीख मांगते थे उन्हें जोड़ा गया जिससे उन्हें रोजगार मिला।

2. गौ ग्रास महा संकल्प-



डूंगरपुर के इतिहास में 5 फरवरी 2017 को रविवार का दिन स्वर्णिम अक्षरों से अंकित हो गया। भारतीय संस्कृति की पहचान **'पहली रोटी गाय'** की को पुनः स्थापित करने के लिए सभापति के के गुप्ता के अभियान **'स्वच्छता एवं गौ ग्रास महा संकल्प'** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लक्ष्मण मैदान में नगरपरिषद के तत्वाधान में हुए कार्यक्रम में बहुत सारे मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई एवं लगभग 25000 बच्चों, अभिभावकों व आम नागरिकों ने हाथ उठाकर इस गौ ग्रास का महा संकल्प लिया। गौ संरक्षण के साथ ही लोगों ने स्वच्छता अपनाने और पॉलिथीन से मुक्ति की भी शपथ ली। क्योंकि शहर की गायें इन पॉलिथीन में बंद कचरे को खाती थी। जिससे यह पॉलिथीन इनके लिए नुकसानदायक होती थी।

शहर की सड़कों पर पशुओं के हुड़दंग से बढ़ती दुर्घटनाओं को रोकने के प्रयासों के तहत नगरपरिषद डूंगरपुर की ओर से जैन समाज को दी गई 25 बीघा जमीन पर गौशाला में सुविधाएं बढ़ाने का कार्य प्रारंभ किया गया। करीब बीस लाख रुपए खर्च कर परिषद इस जमीन पर टीन शेड़ सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवा रही थी।

शहर में बड़ी संख्या में लावारिस पशु जैसे गाय, बैल व बछड़े सड़कों पर घूमते रहते हैं। बीच सड़क हुड़दंग मचाते हैं इससे कई वाहनधारी आये दिन उनकी चपेट में आकर दुर्घटना का शिकार होते रहते हैं। यह पशु वाहनधारियों को नीचे गिरा कर घायल भी कर देते हैं। इन पशुओं को रेस्क्यू कर गौशाला में रखने की जरूरत महसूस की गई। इसके लिए इसकी गौशाला की क्षमता बढ़ाने का काम किया गया। टीन शेड लगवाए गए व पेयजल के लिए पानी की टंकियां बनाई गई। साथ ही सुरक्षा के लिए बाउंड्री बनाकर फेंसिंग का कार्य किया गया। यहां पर रोशनी के लिए लाइट्स व चारे की सुरक्षा के लिए हॉल बनाया गया। गौ शाला में उपलब्ध 200 से अधिक गोवंश को पशु आहार दिया गया। इनकी सुरक्षा व सेवा के लिए तीन व्यक्तियों को भी रखा गया।

3. पॉलिथीन बैग मुक्त नगर–



राज्य सरकार द्वारा पॉलिथीन कैरी बैग पर लगे प्रतिबंध की अनुपालना करने के साथ ही शहरवासियों को साफ सुथरे शहर की सौगात देने के उद्देश्य से नगरपरिषद डूंगरपुर की ओर से शहर के 13000 घरों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत दो–दो थैलियां पहुंचाई गई। डूंगरपुर को पॉलीथिन कैरी बैग मुक्त शहर बनाने की दृष्टि से इस वितरण के तहत शहरवासियों को प्रति राशन कार्ड पर दो कोटन की प्रति थैली रु. 10 की दर से नगरपरिषद में बने ई–मित्र की एकल खिड़की से उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही नगरपरिषद के पार्षदों के माध्यम से भी घर–घर यह सौगात दी गई।

नगरपरिषद डूंगरपुर द्वारा शहर को पॉलीथिन कैरी बैग मुक्त बनाने की दिशा में भी प्रयास किए गए। इसके तहत शहर में स्थित दुकानों से कैरी बैग जब्त करने और इसका उपयोग प्रतिबंधित करने के लिए सहायक अग्निशमन अधिकारी के साथ टीम का गठन किया गया। उनके द्वारा नियमित रूप से शहर का भ्रमण करते हुए कार्रवाई की गई। जन जागरूकता की दृष्टि से सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर पॉलीथिन पर प्रतिबंध के प्रावधानों की जानकारी देने वाले स्टीकरो को लगवाया गया और इसका प्रभाव धीरे धीरे नजर आने लगा । शहरवासी एवं अधिकांश व्यापारियो ने पॉलिथीन का इस्तेमाल करना बंद कर दिया।

4. डूंगरपुर चला हाईटेक शहर की राह-

नगरपरिषद द्वारा पूरे शहर पर तीसरी आंख से नजर रखने के लिए अब जगह–जगह **सीसीटीवी कैमरे** लगाए गए। शहर में 4 साल से ठप्प पड़े इस प्रोजेक्ट को परिषद द्वारा पच्चीस लाख खर्च कर फिर से संजीवनी दी गई।नगरपरिषद द्वारा सुरक्षा कारणों व शुरू हो रहे पर्यटन उद्योगों को देखते हुए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की जरूरत महसूस की गई थी। वहीं दूसरी ओर शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव के कारण भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की जरूरत महसूस की गई थी। परिषद द्वारा इस योजना के तहत शहर के विभिन्न 78 पॉइंट पर 35 लाख रुपये के खर्चे से शहर पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने की प्रक्रिया पूरी की गई। वर्तमान में हाईटेक शहर की भांति नगरपरिषद द्वारा बादल महल पर निशुल्क वाई फाई सुविधा उपलब्ध करवाई गई जिसका लाभ बड़ी संख्या में युवक –युवतियां ले रहे हैं।





5. कौशल विकास प्रशिक्षण-

1) कौशल विकास में बेरोजगार युवाओं के लिए राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

2) दिव्यांगता के अभिशाप को समाप्त करना और दिव्यांग को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर नगरपरिषद द्वारा एक सार्थक प्रयास शुरू किया। जो शहर में विकलांगता के अभिशाप को समाप्त करेगा। नगरपरिषद द्वारा दिव्यांगों के लिए कौशल प्रशिक्षण शिविर में 50 दिव्यांगों को जोड़ा गया। नगरपरिषद में दिव्यांगों को बैसाखी से मुक्त करने के उद्देश्य से नगरपरिषद के एक सामुदायिक भवन में पूजा की थाली बनाना, हर्बल गुलाल मसाला उत्पादन, सिलाई प्रशिक्षण, मीनाकारी और कुर्सी भराई तथा मशीनों से कपड़े एवं कागज की थैलियां बनाने आदि कार्यो का प्रशिक्षण शुरू किया है।

नगरपरिषद ने शहर और जिले के विकलांगों को एक मंच पर लाते हुए दिव्यांगों के कौशल विकास के लिए दिव्यांग द्वारा बनाए जाने वाले सामग्री का कच्चा माल और मशीनें उपलब्ध कराई। नगरपरिषद में दिव्यांगों के लिए सामुदायिक भवन के साथ शहर में मुख्य स्थान पर एक दुकान भी निशुल्क उपलब्ध कराई है। जिसमें दिव्यांग अपने द्वारा बनाए गए उत्पादों का विक्रय करके आजीविका का साधन उत्पन्न कर सकेंगे और आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

3) महिलाओं का जीवन स्तर ऊंचा उठाने ओर आर्थिक चुनौतियों को आसान करने के उद्देश्य से नगरपरिषद ने शहर में महिला स्वावलंबन मिशन चलाया। सभापति के नेतृत्व वाले इस बोर्ड की मंशानुरूप शहर में 75 सिलाई मशीनों के साथ प्रशिक्षण केंद्र खोलकर महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण से जोड़कर स्वावलंबी बनाने की योजना को मूर्त रूप दिया गया। नगरपरिषद में डूंगरपुर के पांच सामुदायिक भवनों पर 75 सिलाई मशीनें लगाकर शहर की जरूरत मंद और गरीब महिलाओं को रोजगार से जोड़ते हुए 150 महिलाओं को प्रतिदिन सिलाई प्रशिक्षण के साथ आर्थिक संबल प्रदान करते हुए रोजगार के अवसर पैदा किए गए। स्वावलंबन से जोड़ने की दूरगामी सोच के साथ पॉलिथीन पर अंकुश लगाने का कार्य भी किया गया। महिलाएं कपड़े की थैलियां बनाकर कम दर पर आमजन को उपलब्ध करा रही है।

डूंगरपुर नगरपरिषद निकाय ने सेनेटरी पैड निर्माण, पापड़ एवं पत्तल दोने बनाने की मशीन लगाकर महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में नगरपरिषद डूंगरपुर का नवाचार मील का पत्थर बना है। शहर की महिलाओं को नृत्य और मेहंदी प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने का कार्य किया गया।

4) महिलाओं के सबसे बड़े दर्द को राहत और किफायती बनाने को लेकर नगरपरिषद डूंगरपुर ने शहर की निर्धन 95 महिलाओं को रोजगार से जोड़ते हुए सुरक्षित और किफायती सेनेटरी नेपकिन बनाने शुरू किए।

5) शहर की विधवा एवं जरूरतमंद बेरोजगार महिलाओं को महिला सशक्तिकरण से करीब 2000 परिवारों को जोड़कर रोजगार से जोड़ने का कार्य कर शहर से बेरोजगारी को लगभग समाप्त करने का कार्य किया। नगर में श्रमिक कार्ड योजना के तहत कैंप लगाकर 3000 श्रमिकों का रजिस्ट्रेशन किया गया।

6. हेल्पलाइन नंबर जारी करना व मॉनिटरिंग-

सभापति के के गुप्ता ने नगरपरिषद का पदभार संभालते ही सबसे पहले आमजन की पीड़ा को सुनने और उसके समाधान की दृष्टि से 25 अगस्त 2015 से **शिकायत प्रकोष्ठ** को प्रारंभ किया। इस कक्ष पर एक व्यक्ति को नियुक्त करते हुए प्रतिदिन आने वाली शिकायतों के समाधान के लिए प्रयास करने आरंभ कर दिए। प्रतिदिन आने वाली शिकायतों की मॉनिटरिंग करते हुए कार्यवाही भी करने का कार्य आज तक जारी है। एक वर्ष में इस प्रकोष्ठ पर कुल 4371 शिकायतें दर्ज की गई जिसमें 4253 शिकायतों का निस्तारण करते हुए लोगों को राहत प्रदान की गई। वही 118 शिकायतें निस्तारण की प्रक्रियाधीन थी।



नगरपरिषद सभापति की हाईटेक सोच ने डूंगरपुर निकाय को हाईटेक निकाय बना दिया है। क्योंकि डूंगरपुर निकाय की सभी गाड़ियों पर जीपीएस सिस्टम लगा रखा है। सुबह 6:00 से शाम की 6:00 बजे तक नगरपरिषद के सर्वेक्षण रूम से इन गाड़ियों की मॉनिटरिंग होती है। और कभी गाड़ी किसी रोड पर देर से पहुंचती है तो उस पर नगरपरिषद द्वारा पेनल्टी भी लगाई जाती है।

शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में जितना शहरवासी ध्यान रखते हैं उनसे भी अधिक जो 24 घंटे अपने अपने वार्ड की निगरानी करता है वह है नगरपरिषद का कर्मचारी। हर वार्ड में एक स्थाई कर्मचारी की नियुक्ति की गई। नगरपरिषद में वार्डों में स्वच्छता की निगरानी के लिए शहर के 30 वार्ड में 30 कर्मचारी लगाए। उन पर 6 प्रभारी लगाए हैं। सभी को एक–एक वार्ड सौंपा गया। वार्ड कर्मचारी पर वार्ड में स्वच्छता के साथ–साथ समस्या के निराकरण की जिम्मेदारी होती थी।

नगरपरिषद डूंगरपुर ने शहरी समस्या के त्वरित निवारण के लिए शिकायत कक्ष की भी स्थापना की। जिसमें सफाई और लाइट के साथ अन्य समस्या के निवारण के लिए 24 घंटे शिकायत को दूर करने का कार्य किया गया व जिसमें परिषद ने शिकायत के लिए एक टोल फ्री नंबर 18001218989 की सुविधा भी उपलब्ध करवाई।

शहरी समस्या के निवारण के लिए सभापति स्वयं शहरवासियों के लिए 24 घंटे तैयार रहते थे। सभापति शहरवासियों की समस्या को व्हाट्सएप और नगरपरिषद में स्वयं समस्या को सुनकर त्वरित निवारण करते थे। शहर में निवासरत 36 कोमों और शहर के 30 वार्डों में जो भी समस्या होती उसका निवारण बिना भेदभाव के करते थे। सभापति विकास को महत्व देते थे। शहर को स्वच्छ बनाएं रखने हेतु नगरपरिषद में सभापति और आयुक्त द्वारा प्रतिदिन कर्मचारियों की बैठक ली जाती थी। जिसमें शहर में स्वच्छता के अलावा अन्य कार्यों की मॉनिटरिंग की रिपोर्ट ली जाती थी। वार्ड के प्रभारी कर्मचारी की रिपोर्ट पर वार्ड में स्वच्छता विकास और अन्य समस्या का तत्काल निवारण किया जाता था।

7. खुले में शौच मुक्त नगर-

राज्य के मुख्यमंत्री की मंशाओं के अनुरूप राजस्थान की प्रथम निकाय डूंगरपुर नगरपरिषद को खुले में शौच मुक्त बनाया गया। नगरपरिषद सभापति के के गुप्ता और आयुक्त दिलीप गुप्ता के निर्देशन में नगरपरिषद के सभी 30 वार्डों में नगरपरिषद के कर्मचारियों और पार्षदों के साथ फिनिश सोसाइटी के प्रयासों से शहर में 1598 शौचालय के निर्माण का लक्ष्य लेते हुए संपूर्ण वार्डों को ओडीएफ घोषित किया गया।

ओडीएफ घोषित करने हेतु नगरपरिषद द्वारा दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से विज्ञापन दिनांक 15 जुलाई को जारी किया गया एवं ओडीएफ घोषित कर राज्य में आदर्श की स्थापना की गई । शहर को ओडीएफ घोषित करने का भौतिक सत्यापन जयपुर एवं दिल्ली नगरीय विकास कमेटी द्वारा भौतिक सत्यापन किया गया तथा राजस्थान में डूंगरपुर पहला शहरी क्षेत्र है जिसे ओडीएफ घोषित किया गया।

विकास के नये कार्य
(Dungarpur Development 2015 - 2020)



नक्षत्र गार्डन



नाना भाई पार्क



बर्ड सेन्चुरी पार्क



शहीद स्मारक पार्क



धनमाता की पहाड़ी (पार्क)



24 तीर्थकंर पार्क

विकास के नये कार्य
(Dungarpur Development 2015 - 2020)



टिकरीयां की बाड़ी



नेहरु पार्क



तुलसी विहार



राजमाता विजया राजे सिंधिया ऑडिटोरियम



अटल बिहारी वाजपेयी सामुदायिक भवन



वृद्धाश्रम

विकास के नये कार्य
(Dungarpur Development 2015 - 2020)



मुरला गणेश मंदिर



उत्तम सेवा मार्ग



चंद्र मौलेश्वर महादेव मंदिर



राधाकृष्ण मंदिर सुरपुर

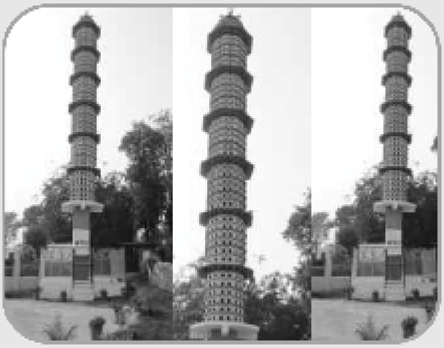


बस स्टेण्ड का जीर्णोद्धार



धोबी घाट

विकास के नये कार्य
(Dungarpur Development 2015 - 2020)



पक्षी घर



सिनेमा हॉल



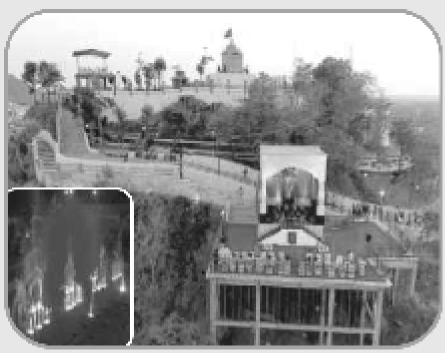
गेम जोन



तरण ताल (स्वीमिंग पुल)



वॉर म्युजियम



फतेहगढ़ी

8.घर बनाना है तो पेड़ लगाना है-

नगरपरिषद शहर को प्रदूषण मुक्त और हरा भरा बनाने की दृष्टि से शहरी क्षेत्र में नए घर बनाने के साथ ही 2 पेड़ लगाने की अनिवार्यता लागू की गई। निर्माण स्वीकृति के आवेदन के साथ ही अब इस आशय का हलफनामा भी देना पड़ेगा। डूंगरपुर शहर में वर्तमान में प्रतिदिन औसत 15 फाइल भवन निर्माण के लिए नगरपरिषद पहुंच रही थी। 70 फीसदी आवेदन आवासीय निर्माण के ही होते थे। वही 90 आवेदन स्वीकृति की प्रक्रिया में हैं। इन आवेदकों से एक हलफनामा मांगा गया। जिसमें उनकी ओर से परिसर में 2 पेड़ लगाए जाने की स्वीकारोक्ति दी जाती थी। इसे लेकर एक नियम तैयार किया जा रहा है। जिसमें सभी भवनों के निर्माण के साथ ही 2 पेड़ लगाने की बाध्यता रखी जाएगी। निर्देशों के अनुसार यह पेड़ भवन मालिक को उसके परिसर में निर्माण क्षेत्र के अतिरिक्त नियमानुसार छोड़े जाने वाली सेटबैक में लगाने होंगे। साथ ही उनकी अगले 2 साल तक उसकी देखरेख भी करनी होती थी। यह जानकारी भी हलफनामे में शामिल थी। जानकारों के अनुसार शहर की सीमा 6 किलोमीटर में फैली हुई है प्रतिमाह औसतन 250 भवन निर्माण स्वीकृति जारी हो रही थी। ऐसे में 500 पौधे लगाए जाने का लक्ष्य था।





9. इकोफ्रेंडली मोक्षधाम-

नगरपरिषद ने 3 साल से अधिक के कार्यकाल में दशकों से लंबित कार्यों को पूरा किया। जिसमें सबसे पहले नगरपरिषद ने सुध लेते हुए शहर के श्मशान घाटों का जीर्णोद्धार किया और घाटों का शुद्धीकरण कर शहर वासियों को सुव्यवस्थित मोक्ष धाम की सौगात दी।मोक्ष धाम पर शहर वासियों हेतु कम दामों में शव को जलाने की लकड़ियां उपलब्ध कराने के लिए लकड़ी डिपो बनाया गया। वहीं मोक्षधाम पर गर्म पानी और सुगम संगीत की व्यवस्था की गई। निकाय ने सुरपुर मोक्षधाम को आधुनिक रूप से विकसित किया। ऐतिहासिक प्रयासों से नगरपरिषद ने सुरपुर मोक्ष धाम की तस्वीर ही बदल दी और यहां वे तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। जिसमें इंटरलॉकिंग टाइल्स, पौधारोपण, गार्डन, जलमंदिर, टीन शेड, पानी की मोटर, रामधुन के लिए म्यूजिक सिस्टम, शिव प्रतिमा, फव्वारे, एप्रोच रोड का डामरीकरण, एप्रोच रोड पर एलईडी लाइट, व पार्किंग इत्यादि कार्य करवाए गए। सुरपुर मोक्ष धाम के विकास की कड़ी में नगरपरिषद ने भगवान नटराज की प्रतिमा स्थापित की। यहां से शैशवकाल, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, प्रौढ़ावस्था, उत्तर प्रौढ़ावस्था, वृद्धावस्था और मृत्युशैया तक जीवन चक्र की प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही जीवन के अर्थ को समझने के लिए कोटेशन भी लिखे गए। मोक्ष धाम के पास से बह रही नदी पर घाट का भी निर्माण किया। जो हरिद्वार में हर की पैड़ी जैसा बनाया गया। मोक्षधाम पर गर्म पानी के लिए सौर ऊर्जा से संचालित होने वाले संयंत्र लगाए गए। मोक्ष धाम में गार्डन भी विकसित किया गया जो कि मोक्षधाम को इको फ्रेंडली लुक देता है और यहां बैठक व्यवस्था को भी सुचारू किया गया।



10. शहीद पार्क एवं नक्षत्र पार्क-

नगरपरिषद ने शहरी क्षेत्र में पार्क विकसित करने की कार्य योजना के तहत उद्यानों को विकसित किया। बच्चों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए शहरी पार्कों में शारीरिक व्यायाम के संसाधन, फूल पौधे तथा मनोरंजन के साधन लगाए गए। शहर में बनाया गया शहीद पार्क पर्यटक स्थल के रूप में पर्यटकों में अपनी अलग पहचान बना चुका है। यहां अमर जवान ज्योति की स्थापना, शहीदों का स्टेचू तथा आसमान में लहराता 110 मीटर ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा पर्यटकों के लिए आकर्षक बना हुआ है। इस पार्क में सोलर प्लांट से बिजली की आवश्यकता को पूरा किया जाता है।

साथ ही प्रदेश का प्रथम नक्षत्र पार्क भी विकसित किया गया जहां 9 ग्रह और 27 नक्षत्रों के पौधे लगाए गए। जिन पौधों की परिक्रमा से ही कहीं पुण्य लाभ प्राप्त होते हैं। इस पार्क की विशेषता है कि 50 किलोमीटर की परिधि तक इन नक्षत्र पौधों का लाभ प्राप्त होता है। नगरपरिषद ने शहर वासियों को आध्यात्म से जोड़ते हुए पार्क का निर्माण किया जहां नक्षत्र पार्क के साथ बगीचे को सुव्यवस्थित बनाया गया। यहां आने वाले पर्यटक इस पार्क से अलग ही अनुभूति प्राप्त करते हैं। धार्मिक लोगों का मानना है कि कमजोर नक्षत्र होने पर संबंधित नक्षत्र के वृक्ष की आराधना करने पर अनुकूल फल प्राप्त होता है।

11. बेटियों का संरक्षण-



सरकार की मंशा के अनुरूप सभापति के के गुप्ता ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान पर कार्य किया। बेटियों को भरपूर संरक्षण देकर आगे बढ़ाने हेतु प्रोत्साहित किया और शहर की गरीब और जरूरतमंद 130 बेटियों को गोद लिया। गोद लेने के साथ उनके शिक्षा का खर्च लेते हुए सभी बेटियों को विद्यालय में प्रवेश कराया। वहीं बेटियों को आत्मरक्षा में स्वावलंबी बनाने को लेकर नगरपरिषद द्वारा बेटियों को जूडो कराटे का प्रशिक्षण भी दिया जाने लगा। आत्मरक्षा कोशल में दक्ष बेटियों ने भी स्वर्ण व रजत पदक हासिल कर शहर को मान और सम्मान दिलाया। सभापति का मानना है कि आज के जमाने में बेटियां बेटों से कम नहीं है।

12. रोटी बैंक-



शहरी विकास के साथ–साथ सभापति के के गुप्ता ने गरीबों की चिंता की और जन सहयोग से रोटी बैंक की स्थापना की ।आज यह रोटी बैंक गरीबों और भूखों को दो वक्त का भोजन उपलब्ध करा रहा है और सुकून भी दे रहा है। सभापति ने नवाचारों से शहर को सींचा और आज सुबह से शाम तक एक गरीब अपनी भूख को भूलाकर तृप्तता का एहसास कर रहा है। गरीबों के मसीहा बनकर सभापति के के गुप्ता ने शहर में रोटी बैंक की स्थापना की और आज कोई भी व्यक्ति अपने एक समय का भोजन वहां आकर कर सकता है। इस रोटी बैंक में 81 ट्रस्टी बनाए गए हैं जो इस संस्था के सदस्य होंगे और यह रोटी बैंक वही चलाएंगे। प्रत्येक ट्रस्ट ने रोटी बैंक के संचालन हेतु एक लाख रुपये देकर आजीवन ट्रस्टी बने ।

करोना काल में भूख की चुनौती झेल रहे गरीबों के लिए रोटी बैंक अन्नपूर्णा का महाधाम साबित हुई है।

13. नेकी की दीवार-



नगरपरिषद द्वारा आमजन के माध्यम से गरीबों में खुशियां बांटने के लिए शुरू की गई नेकी की दीवार पर आमजन द्वारा घर के अनुपयोगी लेकिन अच्छे वस्त्र नेकी की दीवार को दान कर दिए जाते हैं। वही एकत्रित वस्त्रों को प्रतिदिन नगरपरिषद द्वारा जरूरतमंद लोगों में वितरित किया जा रहा है। परिषद द्वारा गरीब और जरूरतमंद व्यक्तियों को कपड़ों के साथ जूते चप्पल व साथ में गर्म कपड़े भी वितरित किए गए। लोगों को विविध उपयोगी चीजों को दान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस आंदोलन के दो आदर्श वाक्य है **'यदि आपको आवश्यकता नहीं है तो छोड़ दें'** और **"यदि आपको आवश्यकता हो तो इसे ले जाएं"।**

14. वृद्ध आश्रम-

शहर के निर्धन वृद्धजन के लिए नगरपरिषद सभापति के के गुप्ता ने शहर के प्रमुख गणमान्य नागरिकों के सुझाव पर शहर के मध्य में 12000 वर्ग फीट भूमि पर एक विशाल वृद्धाश्रम बनाया । जिसमें 24 कमरों और दो बड़े हाल का एक विशाल सुविधा युक्त वृद्ध आश्रम बनाया गया है। वृद्धावस्था व्याधि का समय है। ऐसे समय में मानसिक शांति की परम आवश्यकता रहती है । शहर में रहने वाले जो वृद्ध हैं, जो निर्धन है, जिनके पास रहने को निवास नहीं है और ना ही कोई सहारा है।ऐसे वृद्धजनों के लिए नगरपरिषद द्वारा विशाल आधुनिक सुविधायुक्त वृद्ध आश्रम बनाया गया है।

15. पुस्तकालय-



नगरपरिषद डूंगरपुर ने शहर के होनहारो के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु एक अत्याधुनिक लाइब्रेरी बनाई। जिसमें सभी तरह की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई। जिससे आज अधिक से अधिक बच्चे अपना अधिक समय लाइब्रेरी में बिता रहे हैं। और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं ।आईएएस, आईपीएस, आरएएस व आइएफएस की परीक्षाओ हेतु उचित प्रकार की व्यवस्था एवं पुस्तकों की उपलब्धता भी की गई। सभापति के के गुप्ता ने लाइब्रेरी में बैठने की क्षमता को देखते हुए लाइब्रेरी का विस्तार किया और लाइब्रेरी से जुड़ी एक और हॉल लाइब्रेरी के लिए बनाया गया। जिसमें बच्चों के बैठने की क्षमता और लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध कराई है तथा सभी प्रकार की व्यवस्था भी की गई है।

सभापति के के गुप्ता ने लाइब्रेरी में पढ़ने की सामग्री के लिए कोई भी कोताही नहीं बरती। जो भी पाठक चाहेगा वह पाठ्य सामग्री नगरपरिषद द्वारा मंगवाई जाएगी। अध्ययन के लिए पाठकों को कहीं भी भटकने की आवश्यकता नहीं पड़ी। नगरपरिषद द्वारा अभी 5000 पुस्तकें मंगवाई गई और पाठकों की मांग पर जो पाठक चाहेगा वह पुस्तक नगरपरिषद द्वारा 3 दिन में उपलब्ध कराई गई।

16. निशुल्क कोचिंग संस्थान-

शहर के गरीब और जरूरतमंद बच्चों और बेरोजगार युवाओं के लिए नगरपरिषद डूंगरपुर में अंग्रेजी विषय के शिक्षण के लिए निशुल्क कोचिंग की व्यवस्था कर अंग्रेजी शिक्षण का कार्य किया है। जिसमें डूंगरपुर निकाय में प्रतिदिन 2 घंटे अंग्रेजी के कुशल अध्यापक द्वारा 15 से 20 बच्चों को शिक्षण कराया जा रहा है । नगरपरिषद ने प्रतियोगी परीक्षाओं में शहर के युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षा की कोचिंग दी जाती है। जिससे शहर के कई युवाओं का राजकीय सेवा में चयन हुआ है। परिषद ने बाहर से आने वाले प्रतियोगी परीक्षा के विद्यार्थी के लिए निशुल्क ठहरने की व्यवस्था के साथ भोजन की व्यवस्था कर अतिथि देवो भव की भूमिका अदा भी की है।

17. जननी वृक्ष-

डूंगरपुर नगरपरिषद द्वारा पर्यावरण की रक्षा और शहर को इको फ्रेंडली बनाने में सबसे हटकर एक और अलग कदम उठाया गया। शहर में 100 साल से पुराने वृक्षों को पहचाना गया एवं उन्हें संरक्षण देने हेतु जो आवश्यकता थी वह प्रयास किए गए और इस प्रकार से 100 साल से पुराने वृक्षों को जननी वृक्ष का नाम दिया गया।

18. दिकरियों नी वाड़ी-



वृक्षारोपण को लेकर ही नगरपरिषद डूंगरपुर ने पुराने कचरा यार्ड में नवरात्रि स्थापना पर पांच सौ फलों के वृक्ष शहर की 500 बेटियों से लगवाए। नगरपरिषद ने वृक्षारोपण को मानव से जोड़ने के लिए अनूठी पहल करते हुए शहर में फलों के बगीचे का निर्माण करते हुए उसमें पांच सौ फलों के वृक्ष लगाने का निर्णय लिया। सभापति के के गुप्ता ने यह सभी वृक्ष शहर की शक्ति स्वरूप बेटियों से लगाए। शहर में बच्चों की मांग पर फलों का बगीचा बनाया गया। बगीचे में वृक्षारोपण शहर की बेटियों द्वारा ही किया गया। और यह उन्हीं की देखभाल में रखने का निर्णय लिया गया। इसीलिए इस बगीचे का नाम 'दिकरीयों नी वाडी' रखा गया।

19. जल संचय व संरक्षण-

देश की मूलभूत समस्या जल संकट के निवारण हेतु डूंगरपुर निकाय ने वर्ष 2016 में जल स्वावलंबन अभियान के तहत शहर में जल संकट की समस्या के निवारण हेतु शहर की पुरानी बावडियों की सफाई कर उसे रिचार्ज किया गया। और नतीजा यह रहा कि शहर की दो बावडिया फिर से पानी देने लगी। वहीं शहर के कुओ और तालाबों का गहरीकरण कर पानी के स्रोतों में भराव क्षमता को बढ़ाया।

मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के तहत डूंगरपुर जिला एकमात्र ऐसा जिला है जहां पर नगर निकाय ने अपने स्तर पर मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान को प्रारंभ करते हुए शहर के परंपरागत जल स्रोतों के उद्धार का बीड़ा उठाते हुए उन्हें अंजाम तक पहुंचाया। प्राचीन बावड़ी उदयवाव से जिले के प्रभारी मंत्री श्री अर्जुन लाल गर्ग के मुख्य आतिथ्य में अभियान शुरू किया। अभियान के तहत प्रभारी मंत्री ने उदयवाव में फावड़े से कचरा निकालते हुए अभियान की शुरुआत की। यह उदयवाव आसपास के 500 से अधिक घरों में पेयजल आपूर्ति का प्रमुख माध्यम थी। इसके बाद नगरपरिषद की टीम शहर की शान गैपसागर सहित शहर के अन्य जल स्रोतों की सफाई की कवायद में लग गई।

नगरपरिषद द्वारा राजस्थान पत्रिका के साथ गेपसागर झील की डिसिल्टिंग और सफाई का कार्य किया और हजारों टन मिट्टी को निकालते हुए इस की भराव क्षमता में अभिवृद्धि कि। इसके साथ ही गैप सागर झील को लबालब भरने के उद्देश्य से जिले के समस्त जल आवक मार्गों की व्यापक सफाई करवाई गई। वहीं शहर में जलापूर्ति के प्रमुख स्रोतों के रूप में अन्य प्राचीन बावरियों यथा रानी बाग के अलावा भी सफाई और मरम्मत का कार्य किया गया। शहर के पास से निकल रही दो नदी रेलवे कॉलोनी के कुए की सफाई करवा कर उसे भी गहरा किया गया। साथ ही शहर के घाटी तालाब और सुनरिया तालाब साबेला तालाब व पातेला तालाब की भी शूटिंग करते हुए इसमें वर्षा जल संग्रहण के प्रयास परिषद ने किए और मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान को सफल बनाया।

शहर में पानी का संकट लगभग समाप्त किया। पर जल संचय को लेकर सभापति के के गुप्ता ने कुछ अनूठा करने का सोचा था। उन्होंने इन सब कार्यों के बाद वर्षा का जो जल व्यर्थ में बहकर निकल जाता था उसका संचय करने का अभियान शुरू किया।

जिसके तहत परिषद द्वारा वर्ष 2017 में शहर में वाटर हार्वेस्टिंग करने का अभियान शुरू किया। प्रथम वर्ष शहर की समस्त सरकारी बिल्डिंग और शहर के 100 मकानों पर वर्षा का संचय करने हेतु वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया गया। वहीं 2018–19 में 8000 रूपयों की सब्सिडी देकर शहर के 300 घरो पर वाटर हार्वेस्टिंग की। वहीं शहर के अन्य नलकूपों को भी रिचार्ज किया। जिसके आशातीत परिणाम आए और शहर का भूजल स्तर 20 फीट तक बढा। और शहर का टीडीएस 700 से 500 तक कम हुआ। वर्ष 2020 में भी वर्षा के जल संचय का अभियान शुरू रखा और शहर के घरों पर वाटर हार्वेस्टिंग एवं शहर के नकारा पड़े नलकूपों को वाटर हार्वेस्टिंग से जोड़कर उन्हें रिचार्ज किया ।

राजस्थान सरकार ने प्रदेशवासियों को राहत देने हेतु पीने के पानी देने की घोषणा की। उस दिशा में डूंगरपुर निकाय ने शहरवासियों को शीतल एवं शुद्ध पानी उपलब्ध कराने हेतु शहर में जगह–जगह **RO** प्लांट स्थापित किए। मात्र 1 रुपये में 1 लीटर और 5 में 20 लीटर आमजन को शुद्ध पानी मिलने लगा। इसके अलावा जल स्वावलंबन के क्षेत्र में भी निकाय ने श्रेष्ठ कार्य करते हुए कीर्तिमान स्थापित किए। और शहर की पुरातन बावडियों एवं 6 कुँओं का जीर्णोद्धार करते हुए जलदाय विभाग को 8 लाख लीटर पानी प्रतिदिन उपलब्ध करवाया गया। वर्षा के जल को जमीन में उतारने और जल स्तर को बढ़ाने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए गए।

'जल है तो कल है' इस अभियान को सफल बनाने हेतु नगरपरिषद के वर्तमान बोर्ड ने शहर की प्रमुख समस्या को 3 साल में समाप्त कर शहर के प्रत्येक घर तक पानी पहुंचाने का कार्य किया और जल संरक्षण में से पीने के पानी की समस्या को जड़ से समाप्त कर दिया। शहर की 2 बावडिया और 6 कुएं शहर के सैकड़ों घरों के लोगो के हलक को तर कर रहे हैं। इस प्रकार परिषद द्वारा शहर में 15 जगहों पर राहगीरों के लिए निशुल्क पानी के **RO** प्लांट लगाए गए हैं।

20. खुले में शौच मुक्त-

नगरपरिषद का निवर्तमान बोर्ड जिसने देश के मुखिया नरेंद्र मोदी के मन की भावना को सबसे पहले समझा। पीएम के स्वच्छ भारत मिशन से प्रभावित सभापति गुप्ता के नेतृत्व वाले बोर्ड ने मन में डूंगरपुर को खुले में शौच मुक्त करने का होंसला जगाय ।और इसके बाद डूंगरपुर में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश की पहली ओडीएफ निकाय का गौरव 24 अक्टूबर 2016 को अपने नाम कर लिया।

यह सिलसिला यहीं नहीं थमा डूंगरपुर निकाय सभापति की मंशा के अनुरूप चार बार ओडीएफ और एक बार ओडीएफ प्लस घोषित डूंगरपुर नगरपरिषद हुई है। यह निकाय के लिए शानदार उपलब्धि है। डूंगरपुर ऐसा निकाय है प्रदेश में जिसे लगातार चार बार ऑडीएफ के सम्मान से नवाजा गया था। हाल ही में डूंगरपुर में ओडीएफ प्लस का खिताब भी अपने नाम कर लिया। सबसे बड़ी बात यह है कि नगरपरिषद शहर को शौचालय से जोड़ने के साथ–साथ जनमानस को खुले में शौच मुक्त रहने के लिए परिवर्तित करने में भी कामयाबी मिली । शहरी जन जागरूकता की बदौलत डूंगरपुर गौरवपूर्ण विकास का सफर तय किया ।

21. अत्याधुनिक जिम व योगशाला-

नगरपरिषद ने स्वच्छता के साथ लोगों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखते हुए शहर में एक अत्याधुनिक जिम की स्थापना की। जिसमें शहर के कई युवा अपने स्वास्थ्य को लेकर प्रतिदिन अत्याधुनिक मशीनों पर व्यायाम करते हैं। इस जिम में बाजार से कई कम दामों में अधिक उपकरणों पर कसरत करने मिलती है। डूंगरपुर नगरपरिषद ने स्वच्छता के साथ लोगों के स्वास्थ्य का ख्याल रखकर शहर वासियों को यह बड़ी सौगात दी।

साथ ही शहर वासियों के स्वास्थ्य को लेकर परिषद द्वारा बादल महल पर प्रतिदिन सुबह योगा क्लास 1 जनवरी 2016 से निरंतर चलाई जा रही है। जिससे शहर की बुजुर्ग और युवा भाग लेते हुए स्वच्छ डूंगरपुर में स्वास्थ्य का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।



22. बेबी फीडिंग सेंटर-



शहर में जज साहब दरवाजे के पास अत्याधुनिक सुविधा घर का निर्माण किया गया। इसको हेरिटेज लुक भी दिया गया। अत्याधुनिक सुविधा घर में महिलाओं के लिए बेबी फीडिंग रूम, सेनेटरी नैपकिन सहित अन्य सुविधाएं भी रखी गई। इसके बाद शहर के बस परिवहन केंद्र पर भी एक बेबी फीडिंग रूम का निर्माण किया गया। इस प्रकार प्रदेश का यह पहला बेबी फीडिंग सेंटर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शहर के बस स्टेशन पर भी स्थापित किया गया।

23. गीत प्रसारण

नवाचारों की कड़ी में शहर के सभी प्रमुख मार्गों सहित प्रमुख स्थानों पर माइक सिस्टम लगाया गया। जिसके जरिए शहर वासियों को सुबह–सुबह भक्ति भाव से सरोबार किया जाने लगा। एफएम रेडियो की तरह नए पुराने गीतों का लाभ शहर वासियों को मिलने लगा। इसमें शहर में हुए विकास की जानकारी के साथ–साथ स्वच्छता बनाए रखने की चेतावनी जैसे संदेश भी बजने लगे। इससे दुर्घटना, चेन स्नेचिंग व अपराधों की सूचना त्वरित वायरल करने में सहायता मिलने लगी।

24. पारेवा सिटी

डूंगरपुर के सांस्कृतिक गौरव को पुनः जीवित करने के लिए पिंक सिटी जयपुर की तर्ज पर डूंगरपुर की पहचान भी पारेवा सिटी के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया। यहां बनने वाले ऐतिहासिक व प्रशासनिक भवनों में पारे व पत्थर का उपयोग किया जाने लगा। सभापति द्वारा पूरे शहर को पीले रंग से रंगे होने के प्रयास किए गए हैं एवं ऐसे रंग को खरीदने वाले को कीमत में भी डिस्काउंट भी देने की घोषणा की गई।

25. हेरिटेज संवर्द्धन-

डूंगरपुर नगरपरिषद राजस्थान की प्रथम निकाय है जिसने हेरिटेज को मूल रूप दिया है। जिसमें मुख्य रुप से चांदपोल का दरवाजा,जज साहब का दरवाजा, कानेरा पोल, सारणेश्वर मंदिर का दरवाजा, बादल महल, गैपसागर की पाल की सीढियां, उदयबाग एवं अन्य स्थानों को वास्तविक हेरिटेज लुक देकर जिंदा किया है।

ज्यादा सवाल यह है कि जज साहब के दरवाजे का जो की पूरी तरह से जर्जर हो चुका था। आज उसमें म्यूजियम लगाया गया है। जिसमें बाहर के पर्यटक आकर उसकी प्रशंसा करते हैं।राजस्थान में यह प्रथम बार हुआ है कि किसी न्यायालय की बिल्डिंग को नगरपरिषद द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र में लेना तथा शहर के अन्य तीनों दरवाजे जो लंबे समय से जर्जर हालत में आंसू बहा रहे थे। कभी भी कोई बड़ी क्षति का रूप ले सकते थे। नगरपरिषद ने अपने कोशिश से चारों दरवाजों को मूल रूप दिया जिसको की हेरिटेज के अधिकारियों द्वारा अपने नेतृत्व में बनवाया गया।

बादल महल जो शहर का ऐतिहासिक स्थान था। लेकिन देखरेख के अभाव में असामाजिक तत्वों का अड्डा बन चुका था। आज पर्यटन का मुख्य केंद्र बन चुका है। जहां से नौका विहार किया जाता है। तथा बगीचे बनाकर म्यूजिकल फाउंटेन लगाकर शिव जी का विशाल मंदिर बनाकर आज इस स्थान की गाथा दूर–दूर तक आमजन गाता है।



अध्याय 6 - प्रयासों के परिणाम और पाया मुकाम

कहते हैं कि काम करने का जज्बा हो तो

कोई काम कठिन नहीं होता है।

और नाम उनका होता है

जिनमें काम करने का हुनर होता है।।

पूर्व सभापति के के गुप्ता के द्वारा जो विकास के कार्य डूंगरपुर शहर में किए गए थे उनका यशोगान न सिर्फ राजस्थान में बल्कि पूरे भारत भर में होने लगा था। यह उनके प्रयासों का ही परिणाम था कि जहां कहीं पर भी वो जाते तो उन्हें डूंगरपुर के विकास पुरुष के नाम से पहचाना जाता है।इसी क्रम में उनके प्रयासों के परिणामों के फलस्वरुप चाहे वह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हो या राजस्थान के पूर्व व वर्तमान मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं अशोक गहलोत हो, चाहे वह उपराष्ट्रपति हो या केंद्रीय जलशक्ति मंत्री हो, चाहे विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी हो या न्यायालयों के माननीय न्यायाधिपति हो सभी के द्वारा उनके कार्यों का गुणगान किया गया एवं उनको सम्मानित किया गया और इन्ही प्रयासों के परिणामस्वरूप उन्होंने सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में एक ऊंचा मुकाम प्राप्त किया।

आपके कार्यो का समय–समय पर किया गया ऑकलन एक नजर में ——

1.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा-

पूर्व सभापति के के गुप्ता देश के प्रधानमंत्री मोदी जी के स्वच्छता अभियान से बहुत ही प्रभावित थे और उनकी इस सोच को पूरा करने की उन्होंने अपने मन में ठान ली थी। उनके अथक प्रयासों से ही निरंतर शहर की निकाय किसी न किसी प्रकार का उच्च मुकाम प्राप्त कर रही थी।इसी से प्रभावित होकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि **"मैं एक बात गर्व से कहना चाहूंगा देश में जो स्वच्छता अभियान चला है उसमें डूंगरपुर ने कमाल कर दिखाया है डूंगरपुर आज देश में स्वच्छता की मिसाल बन गया है। देश कैसा होता है उसका नमूना पैदा करने की ताकत आज डूंगरपुर के लोगों में है।"**



माननीय प्रधानमंत्री श्रीमान् नरेन्द्र मोदी जी के साथ



माननीय गृहमंत्री श्रीमान् अमित शाह जी के साथ रूपाल ग्राम गांधीनगर, गुजरात में भेंट की



माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्रीमान् ओम बिरला जी के साथ

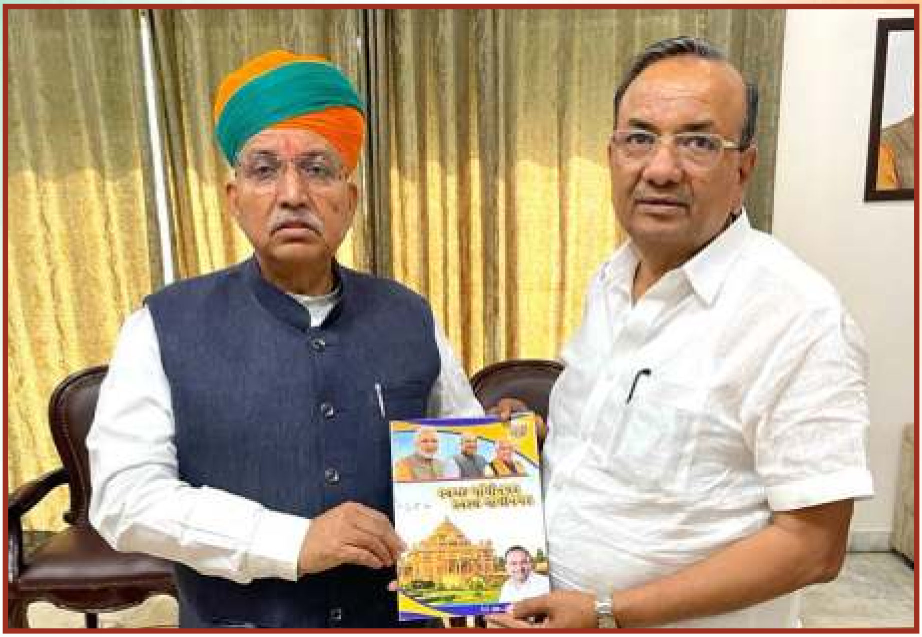


सड़क परिवहन मंत्री श्रीमान नितिन गडकरी के साथ चर्चा करते हुए



जलशक्ति मंत्री श्रीमान् गजेन्द्र सिंह जी शेखावत के साथ


पुर्व मुख्यमंत्री श्रीमति वसुंधरा राजे सिंधिया जी के साथ



कानुन एवं न्याय मंत्री श्रीमान् अर्जून राम जी मेघवाल जी के साथ



माननीय मुख्यमंत्री श्रीमान् अशोक जी गहलोत के साथ



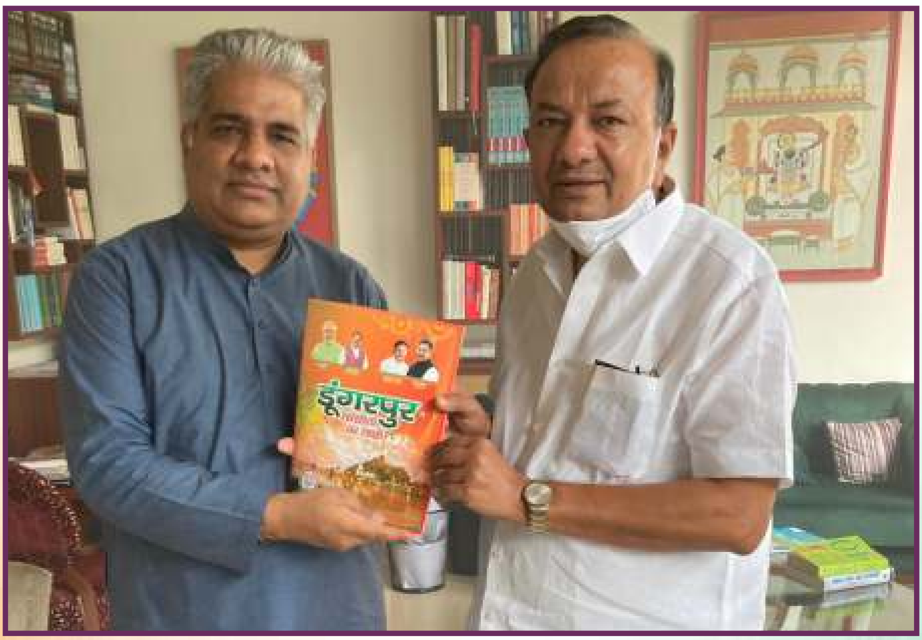
भाजपा राजस्थान प्रदेश संगठन महामंत्री श्रीमान् चन्द्रशेखर जी के साथ



असम राज्यपाल माननीय श्री गुलाबचन्द कटारिया जी के साथ
असम राज्यभवन में भेंट की



गुजरात मुख्यमंत्री श्रीमान् भूपेन्द्र भाई पटेल साहब के साथ



पर्यावरण मंत्री भारत सरकार श्रीमान भुपेन्द्र जी यादव के साथ भेंट



निदरलैंड एंबेसी द्वारा सॉलीड वेस्ट मेनेजमेन्ट में सम्मान प्राप्त किया



पुर्व उपराष्ट्रपति श्रीमान् वेंकैया नायडू जीं से सम्मान प्राप्त करते हुए



श्रीमान सी.पी जोशीं, प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के साथ के के गुप्ता जीं



श्रीमान् प्रहलादजीं जोशीं, संसदीस कार्य मंत्रीं के साथ के के गुप्ता जीं



गोवा में आयोजित 50 देशो कीं कांफ्रेन्स में सम्मान प्राप्त किया



पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ कोविन्द के अतिथ्य में डूँगरपुर शहर को स्वच्छ शहर के लिए सम्मान प्राप्त करते हुए



भारत सरकार द्वारा 2019 में वाटर हार्वेस्टिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु जल प्रहरी सम्मान प्राप्त किया

2.गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा-

विश्व भर में डूंगरपुर को स्वच्छता का सिरमौर बनाने वाले नगरपरिषद के पूर्व सभापति व राजस्थान सरकार के पूर्व स्वच्छता ब्रांड एंबेस्डर के के गुप्ता की स्वच्छता को लेकर बढ़ते कदम यहां तक नहीं रुके। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल ने स्वच्छता की चौतरफा गूंज सुनाई दे, मकसद लिए स्वच्छता हेतु पूर्व सभापति के के गुप्ता से मन्त्रणा की। जिसकी शुरुआत मानसा में हुई भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज राष्ट्रीय नेता व गृह मंत्री अमित शाह के गृह क्षेत्र शहर मानसा में स्वच्छ भारत मिशन का आगाज हुआ। मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल के निर्देशन में स्वच्छ भारत मिशन को लेकर पहली बैठक भी संपन्न हुई। बैठक में गांधीनगर कलेक्टर कुलदीप आर्य गांधीनगर भाजपा जिला प्रमुख अनिल भाई पटेल, नगरपालिका अध्यक्ष, नगर पालिका ईओ, नगर पालिका पार्षद एवं अन्य सदस्य सहित के के गुप्ता भी मौजूद रहे। गुप्ता ने मानसा में स्वच्छता को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधि से मुलाकात कर चर्चा की। पूर्व में गुप्ता द्वारा स्वच्छता को लेकर निर्देश दिए गए थे। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल ने के के गुप्ता द्वारा अमित शाह के दत्तक गांव में स्वच्छता को लेकर किए जा रहे कार्य की प्रशंसा भी की। **सीएम पटेल ने कहा कि डूंगरपुर जैसा स्वच्छ गुजरात बनाना है।** डूंगरपुर शहर में हुए ऐतिहासिक वृक्षारोपण, जल संचय, एवं जल संरक्षण पर वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से ऐतिहासिक कार्य कर शहर की स्वच्छता सुंदरता को नए आयाम दिये है।

विधवाओ एवं जरूरतमंद महिलाओं को रोजगार के लिए अनेकों आयाम स्थापित किए हैं जिसमें सेनेटरी पैड मशीन, सिलाई की मशीन, पापड़ बनाने की मशीन, चिप्स बनाने की मशीन पत्तल दोने बनाने की मशीन लगाकर महिलाओं को रोजगार दिए जाने के संदर्भ में आवश्यक कार्यों पर चर्चा कर गुजरात सीएम पटेल ने गुजरात सेक्रेटरी अवंतिका सिंह को निर्देशित किया कि के के गुप्ता से विचार विमर्श . कर उनके द्वारा डूंगरपुर में किए गए कार्यों को गुजरात में भी लागू करने की पूरी कोशिश की जाए।

इसी संदर्भ में 73 वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में गुजरात के गृह मंत्री माननीय हर्षसंघवी जी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत डूंगरपुर स्वच्छता के सिरमौर एवं प्रदेश संयोजक स्वच्छ भारत मिशन राजस्थान के के के गुप्ता को गुजरात में सम्मानित किया।

देश की ओजस्वी गृह मंत्री अमित भाई शाह ने भाजपा प्रदेश स्वच्छता मिशन संयोजक तथा पूर्व सभापति के के गुप्ता एवं उनकी संस्था स्माल स्टेप फाउंडेशन द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में चलाए जा रहे कार्यक्रमों की प्रशंसा करते अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और ट्विटर पर इस बात को स्थान दिया है। गुप्ता के निर्देशन में स्माल स्टेप फाउंडेशन द्वारा गत कई महीनों से गृह मंत्री अमित शाह के लोकसभा क्षेत्र में सांसद आदर्श ग्राम योजना के तहत गोद लिए हुए 5 गांव में कचरा संग्रहण निस्तारण, वर्षा जल संरक्षण,वृक्षारोपण, पर्यावरण, स्वच्छता के अन्य सभी घटकों पर कार्य किया जा रहा है इसी परिश्रम के परिणाम स्वरुप सांसद आदर्श ग्राम योजना में देशभर में आदर्श ग्राम बिलेश्वरपुरा ने प्रथम तथा रूपाल गांव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है इस अवसर पर गुप्ता ने कहा है कि

स्वच्छता पर्यावरण एवं जल संरक्षण को लेकर जो सपना आज से 7 साल पहले मैंने देखा था आज वह साकार हुआ है। देश के ओजस्वी एवं राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले गृह मंत्री, भारत सरकार द्वारा मेरे जैसे छोटे व्यक्ति के काम की तारीफ कर स्वच्छता के महत्व को सोशल मीडिया पर डालकर बताया है। जो पूरे राजस्थान के लिए गौरवशाली है इसका पूरा श्रेय मेरी डूंगरपुर की जनता को समर्पित है।

गृहमंत्री अमित शाह का ट्वीट

मेरे गांधीनगर संसदीय क्षेत्र में स्वच्छ भारत अभियान के तहत गोद लिए गए गांव को सांसद आदर्श ग्राम योजना के तहत स्मॉल स्टेप फाउंडेशन के के गुप्ता द्वारा जन जागरण हेतु विभिन्न कार्य करती हुए मेरे निर्वाचन क्षेत्र मोडासर के 3 गांवों बिलेश्वरपुरा और गोपाल को जन जागरण अपशिष्ट समाधान और वर्गीकरण के लिए प्रेरणादायक संवादों के माध्यम से देश भर में आदर्श 5 गांव में स्थान दिया गया है संस्था नागरिकों और प्रशासन को इसके लिए धन्यवाद देता हूं।

3.मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा-

माननीय मुख्यमंत्री महोदय अशोक गहलोत ने डूंगरपुर निकाय को स्वच्छता में अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिलने पर सराहना की। साथ ही निकाय के विकास कार्यों के फोल्डर का विमोचन भी किया।

उन्होंने कहा कि " जीवन में स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण है देश में स्वच्छता में प्रदेशवासियों का सहयोग अपेक्षित है एक स्वच्छ राज्य और एक स्वस्थ राज्य की परिकल्पना में स्वच्छता को अपनाकर भागीदार बने ।डूंगरपुर की स्वच्छता संपूर्ण राज्य के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करती है सभी डूंगरपुर की स्वच्छता का अनुसरण करें राज्य को स्वच्छ एवं निरोगी राजस्थान बनाने के सपने को पूरा करें।"

4.पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया द्वारा-

समस्त शहरवासियों के मोबाइल नंबर एकत्रित किए जा कर उन्हें खुले में शौच से मुक्त नगर निकाय बनाने हेतु प्रेरित किया गया एवं पूरे शहर को शौच मुक्त किया गया इन प्रयासों से डूंगरपुर नगरपरिषद राजस्थान प्रदेश की पहली ओडीएफ परिषद बनी दिनांक 24 अगस्त 2016 को राजस्थान की मुख्यमंत्री माननीय वसुंधरा राजे ने डूंगरपुर नगरपरिषद को स्वच्छता अवार्ड के पुरस्कार से अलंकृत किया अपने प्रयासों को जारी रखते हुए लगातार दूसरे वर्ष भी यह खिताब हासिल करने पर 20मई2017 को तत्कालीन केंद्रीय शहरी विकास मंत्री वेंकया नायडू व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने माननीय सभापति के के गुप्ता को सम्मानित किया।

5.केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा-

गुप्ता जी एवं डूंगरपुर नगरपरिषद की टीम द्वारा जल संचय एवं जल संवर्धन के लिए किये गए प्रयासों को देखकर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री, भारत सरकार गजेंद्र सिंह शेखावत बहुत ही प्रभावित हुए। उनका कहना है "कि देश के जल संचय अभियान में डूंगरपुर निकाय ने पूरे देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। निकाय ने पारंपरिक जल स्रोतों के पुनरुद्धार के ऊपर काम किया है। जिस तरह से जल संरक्षण और जल संवर्धन पर काम किया है उसने देश की निकायों के लिए एक नजीर पेश की है। जो स्पंदन हम जल शक्ति अभियान के माध्यम से दूसरे शहरों में पैदा करना चाहते थे मुझे लगता है डूंगरपुर शहर उन सभी शहरों के लिए एक आदर्श उदाहरण है।मैं सभापति श्री के के गुप्ता को बधाई देता हूं जिन्होंने जल संचय अभियान में देश में उत्कृष्ट कार्य किया है। सभी देश की निकाय भी डूंगरपुर का अनुसरण करें और जल संचय अभियान को सफल बनाएं।"

6. न्यायपीठ ने थपथपाई पीठ-

उल्लेखनीय है कि 3 साल के भीतर कई न्यायाधिपती डूंगरपुर पहुंचे और शहरी स्वच्छता को करीब से देखा। न्यायपीठ भी शहरी स्वच्छता को देख वाह–वाह कर उठी और मुक्त कंठ से सराहना की। कई न्यायाधीशों ने डूंगरपुर की स्वच्छता को अद्भुत बताया और कहा कि वेल्डन डूंगरपुर। न्यायपीठ ने भी माना कि डूंगरपुर में स्वच्छता के लिए कारगर प्रयास किए गए हैं। शहर में निम्न न्यायाधीशों ने शहर का भ्रमण किया –

1) डूंगरपुर नगरपरिषद के नवाचारों एवं स्वच्छता कार्यों से माननीय न्यायमूर्ति सुप्रीम कोर्ट दिनेश माहेश्वरी बहुत ही अभिभूत हुए एवं उन्होंने गुप्ता जी एवं डूंगरपुर नगरपरिषद की भूरी भूरी प्रशंसा की।

2) राजस्थान हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधिपति इंद्रजीत मोहंती ने अपने प्रवास के दौरान यहां के हुए विकास कार्यों और डूंगरपुर शहर के सौन्दर्यीकरण को देखा और कहा कि “डूंगरपुर शहर ने स्वच्छ भारत अभियान को दिल से अपनाया,नगरपरिषद ने स्वच्छता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किए हैं।“

3) पंकज भंडारी, माननीय न्यायाधीपति राजस्थान हाई कोर्ट ने भी अपने प्रवास के दौरान डूंगरपुर में हुए कार्यों को देखा और कहा कि "The thought of health is a great appreciable. The park has a good football and by far the best I have been. The park provides for open gym and is very clean and nicely built. I congratulate shri Gupta and his team for the effort."

4) मनोज गर्ग, माननीय न्यायाधिपती राजस्थान हाई कोर्ट ने भी अपने दो दिवसीय डूंगरपुर प्रवास के दौरान कहा कि “स्वच्छता एवं पर्यावरण में डूंगरपुर निकाय के सभापति श्री के के गुप्ता ने पूरे राजस्थान के लिए अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है।“

5) जी बी पाटलीवाला, माननीय न्यायाधिपति, गुजरात हाईकोर्ट भी डूंगरपुर शहर की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण को देखकर अभिभूत हो गए उनका कहना था कि "Dungarpur is truly beautiful city. Here it's cleanliness is like the European city. There is also a lot of space in this city about tourism. Having lived here with my family for two days I liked the natural beauty here and would come here to spend my time."

6) दीपक महेश्वरी, माननीय पूर्व न्यायाधिपती हाईकोर्ट राजस्थान ने भी अपने 26मार्च 2019 को डूंगरपुर में प्रवास के दौरान शहीद पार्क को देखकर अपने मन के उद्‌गार व्यक्त किए कि "शहीद पार्क अद्‌भुत परिकल्पना, सटीक श्रद्धांजलि, स्वच्छता व सुंदरता का प्रतीक। शहीद दिवस पर होने वाले आयोजन युवा पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रसार करेंगे।"

7) रामचंद्र सिंह झाला ,माननीय पूर्व न्यायाधिपति राजस्थान हाईकोर्ट ने भी कहा कि "नगरपरिषद सभापति का कार्य बहुत ही सराहनीय है नगर की स्वच्छता एवं जनता के मनोरंजन के लिए बनाए गए सभी स्थान इतने उत्कृष्ट है कि हर व्यक्ति इन स्थानों पर दुबारा आने को उत्साहित रहता है सभापति के कार्यो की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है सभापति के उत्तरोत्तर प्रगति व उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।"

8) विजय व्यास, माननीय पूर्व न्यायाधिपति राजस्थान हाई कोर्ट ने भी के के गुप्ता के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा है कि

"Marvellous, A man of vision,determination and far sight -has prooved once again -Nothing is impossible,Kudos is Shri KK Gupta. May almighty shower all happiness and health so that Dungarpur continue to get fresh air,clean water and a healthy life. Wonderful and radicle change brought about by Shri KK Gupta is highly commendable and appreciable."

9) के एस अहलूवालिया, माननीय पूर्व न्यायाधिपति हाई कोर्ट राजस्थान ने भी डूंगरपुर की चमक दमक को देखकर कहा कि

Human effort can save the ecology and change the face of city. Dungarpur is an example for other cities in our country to be followed. Appreciation of local representative is required to be put as record. May effort continues for all to emulate."

7. विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी द्वारा -

वर्तमान राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष सीपी जोशी द्वारा भी डूंगरपुर नगरपरिषद के सभापति के के गुप्ता के कार्यों को लेकर उनकी भूरी भूरी प्रशंसा की और कहा कि “डूंगरपुर नगरपरिषद के चुने हुए सभापति ने अपने विजन से अपने शहर को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई है। उनसे मार्गदर्शन लेकर अन्य निकाय भी ऊंचा मुकाम हासिल कर सकते हैं।”

डूंगरपुर नगरपरिषद के सभापति के के गुप्ता के कार्यों को लेकर उनकी भूरी भूरी प्रशंसा की और कहा कि “डूंगरपुर नगरपरिषद के चुने हुए सभापति ने अपने विजन से अपने शहर को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई है। उनसे मार्गदर्शन लेकर अन्य निकाय भी ऊंचा मुकाम हासिल कर सकते हैं।”

8. अमेरिका की बिल गेट्स व मिलिंडा संस्था द्वारा -

विश्व की सबसे लोकप्रिय संस्था बिल गेट्स एवं मिलिंडा फाउंडेशन ने स्वच्छता में रिसर्च हेतु देश की 4 निकायों में डूंगरपुर निकाय का चयन किया व यहाँ की स्वछता की बहुत प्रशंसा की।

9. नीदरलैंड सरकार द्वारा -

राजस्थान की डूंगरपुर नगरपरिषद को नई दिल्ली में नीदरलैंड सरकार के राष्ट्रदूत मार्टिन वेन डेन बर्ग ने ठोस कचरा प्रबंधन एवं स्वच्छता कार्यक्रम को बेहतर ढंग से लागू करने के उल्लेखनीय कार्यों के लिए 24 मई 2019 को अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। नीदरलैंड दूतावास के रेजिडेंस में वेस्ट नीदरलैंड और फिनिश संस्था द्वारा आयोजित समारोह में नीदरलैंड सरकार ने स्वच्छता एवं ठोस कचरा प्रबंधन के उत्कृष्ट कार्य के लिए देश की एकमात्र डूंगरपुर निकाय को ही सम्मानित किया। जो कि पूरे देश व प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। दक्षिणी राजस्थान के ऐतिहासिक डूंगरपुर नगर को वैश्विक पहचान दिलाने में कामयाब रही। स्थानीय निकाय डूंगरपुर प्रदेश की 19 निकायों के लिए रोल मॉडल बन चुकी है ।

10. विभिन्न सर्वे में स्थान-

1) नई दिल्ली के विज्ञान भवन में दक्षिणी राजस्थान की छोटी निकाय ने स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए बड़े प्रयासों के बलबूते पर राजस्थान को रोशन किया है। प्रदेश के एकमात्र डूंगरपुर निकाय ही स्वच्छता के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल कर पाई है । 2019 के स्वच्छता के महासर्वेक्षण में एवं 50 हजार की आबादी वाले शहरों में तीसरा स्थान हासिल किया है। सर्वेक्षण के नतीजों में एक लाख की आबादी वाले शहरों में डूंगरपुर ने देश में सातवां स्थान पाया है। 6 मार्च 2019 को नई दिल्ली में महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के मुख्य आतिथ्य में डूंगरपुर निकाय को स्वच्छ शहर के लिए पुरस्कृत और सम्मानित किया गया।

2) स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 में डूंगरपुर निकाय ने प्रदेश का मान बढ़ाते हुए देश की 4242 निकायों में सिटीजन फीडबैक के अंतर्गत पहला स्थान पाया और सर्वेक्षण में दसवां स्थान प्राप्त किया।

3) स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में डॅूगरपुर निकाय का स्थान प्रदेश मे अव्वल रहने के साथ साथ देश में भी अव्वल रहने पर दिल्ली में सम्मानीत किया गया।

11. यूनेस्को द्वारा प्रशंसा-

संयुक्त राष्ट्र संगठन की संस्था यूनेस्को द्वारा भी डूंगरपुर नगर परिषद के द्वारा किए गए कार्यों व प्रयासों की प्रशंसा की गई और कहा कि डूंगरपुर की स्वच्छता, पर्यावरण व जल संचय मॉडल अपर्याय है। जयपुर में यूनेस्को द्वारा आयोजित बैठक में डूंगरपुर नगरपरिषद के पूर्व सभापति व स्वच्छ भारत मिशन राजस्थान के संयोजक के के गुप्ता को अध्यक्षता का गौरव हासिल हुआ।

जयपुर में यूनुस्को के अधिकारियों की मौजूदगी में गुप्ता का स्वागत एवं सम्मान हुआ। जिसमें जयपुर नगर निगम हेरिटेज के अध्यक्ष अधिकारीगण आदि उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए के के गुप्ता ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर डूंगरपुर की तर्ज पर पूरे राजस्थान को स्वच्छ सुंदर हरा भरा बनाने के लिए अधिकारी, जनप्रतिनिधियों व आमजन के सामूहिक प्रयास के बारे में बताया।

अध्याय -7 उपसंहार

कहते है कोशिश करने वालो की कभी हार नही होती।

जीवन में प्रयास निरंतर जारी रखने चाहिए। प्रयासों से लगभग सफलता के परिणाम तो मिलते ही है। लेकिन यदि सफलता नहीं भी मिले तो अनुभव जरूर काम करते हैं। दूरदर्शिता व लगन पूर्वक किए गए प्रयास सकारात्मक परिणाम जरूर देते हैं।

डूंगरपुर नगरपरिषद के निवर्तमान सभापति के के गुप्ता ने भी अपना राजनीतिक जीवन 2005 में शुरू किया। एक बार पार्षद रहते हुए कार्यवाहक सभापति की जिम्मेदारी भी मिली। परिणाम का मतलब लक्ष्यों के अनुरूप सफलता पाना होता है न कि इनाम की प्राप्ति ही। के के गुप्ता के मन में डूंगरपुर शहर के विकास की चाह थी। डूंगरपुर शहर को साफ सुथरा हरा–भरा व स्मार्ट सिटी बनाने की आस मन में पाले अपने हाथों में वह शक्तियां व अधिकार चाह रहे थे जिनसे वह अपने प्रयासों को उस परिणति तक पहुंचाएं। इस प्रकार उनके प्रयासों को सफलता की शुरुआत 2015 में डूंगरपुर नगरपरिषद सभापति के रूप निर्वाचित होने पर प्राप्त हुई। के के गुप्ता के प्रयासों को जैसे पंख लग गए हो।

फर्स्ट इंप्रेशन इज लास्ट इंप्रेशन के साथ कार्य की शुरुआत करते हुए डूंगरपुर शहर की दशा व दिशा बदलने का आश्वासन शहर वासियों को दिया।स्थानीय स्वशासन में स्थानीय जनता को जनप्रतिनिधित्व मिलने से प्रयासों के माध्यम से परिणाम तक पहुंचने में थोड़ी आसानी जरूर हुई है। स्थानीय स्वशासन लोकतंत्र की प्रथम पाठशाला है। स्थानीय स्वशासन से स्थानीय समस्याओं का समाधान शीघ्रता से सरलता पूर्वक होने की संभावना है।

भारत देश सांस्कृतिक रूप से विविधता लिए हुए हैं। हर जगह की अपनी अलग समस्या है। इन समस्याओं को खत्म करने का समाधान या तरीका भी क्षेत्र के लिए अलग अलग हो सकता है। उस क्षेत्र के निवासी उन समस्याओं से उनके समाधानों से अच्छे से वाकिफ होते हैं।जो अल्प खर्चे में सरलता पूर्वक उसका समाधान कर सकते हैं। भारत में स्वतंत्रता के बाद से ही स्थानीय स्वशासन को महत्ता प्रदान की गई है।

गिलक्रिस्ट के अनुसार “स्थानीय संस्थाएं अधीनस्थ संस्थाएं हैं लेकिन सीमित क्षेत्र में उन्हें कार्य करने की स्वतंत्रता होती है।”

भारत में प्राचीन काल से ही स्थानीय स्वशासन की नागरिक प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जो अब स्वतंत्र भारत में वैधानिक रूप से लागू है। स्थानीय स्वशासन में नेतृत्व का भी विकास होता है क्योंकि इसमें स्थानीय लोगों को स्थानीय मुद्दे सुलझाने का अवसर प्राप्त होता है।

भारत में 74 वें संविधान संशोधन पश्चात शहरों व गांवों में स्थानीय सरकार की स्थापना मजबूती से हुई है। जहां गांव में पंचायती राज व्यवस्था के अंदर त्रिस्तरीय शासन प्रणाली का विकास हुआ है। वही शहरों में आठ प्रकार के स्थानीय स्वशासन है। वर्तमान में राजस्थान में केंद्र सरकार की मंशानुरूप सरकारों का निर्माण हुआ है। वहीं वर्तमान में राजस्थान में 10 नगर निगम 34 नगरपरिषद एवं 152 नगर पालिकाये हैं।

डूंगरपुर नगरपरिषद के पूर्व सभापति के के गुप्ता का व्यक्तित्व काफी ऊंचा व महत्वकांक्षी रहा है। दिल में डूंगरपुर शहर को ऊंचाइयों तक ले जाने का जज्बा पाले सबकी सहभागिता व मिलजुल कर प्रयास करने की सोच रही है। आपके द्वारा दूरदर्शी सोच,अथक प्रयास, कार्य के प्रति गहरी निष्ठा, समर्पण व इमानदारी की भावना के कारण ही आप अपने एक ही कार्यकाल में डूंगरपुर शहर का ऐतिहासिक विकास कर पाए। जो कि देश के साथ–साथ विदेशों में भी एक मिसाल बन गया। आप ने अपने शपथ ग्रहण के समय डूंगरपुर शहर की दिशा व दशा बदलने का जो संकल्प लिया। उससे भी आगे बढ़कर विकास कर दिखाया। स्पष्टवादीता के गुण आप में कूट–कूट कर भरे हैं। इसीलिए शहरवासियों को जहां आपने अपने नीतियों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। वहीं उच्च अधिकारियों को अपनी सही बात मानने के लिए बाध्य भी किया।

आपकी कुशल नेतृत्व क्षमता के कारण न सिर्फ सत्ता पक्ष के सदस्य बल्कि विपक्ष के सदस्य भी आपसे हमेशा सहयोग करते रहे हैं। एक जहाज के कुशल कप्तान की तरह जिसके नेतृत्व में जहांज सुरक्षित होता है व तूफान से भी टकरा कर अपने साथियों को गंतव्य तक पहुंचाता है। वैसे ही आपने बड़ी से बड़ी कठिनाइयों का सामना करते हुए शहर को एक हिल सिटी से स्मार्ट सिटी की पहचान दी है।कभी आर्थिक कमी विकास में नहीं आने दी है।

पूर्व सभापति के के गुप्ता द्वारा किए गए कार्यों को यदि धागे में पिरोया जाए तो एक सुंदर सी बड़ी मोतियों की माला की तरह सुशोभित होंगे। अभूतपूर्व किए गए डूंगरपुर शहर में कार्यों की चमक दमक हमें मिलो तब देखने को मिलती है।

दुनिया भर में यहां के हुए विकास कार्यों के चर्चे बिखरे पड़े हैं। शहर में समस्या व समाधान का हर पहलू ध्यान में रखा गया। दायित्वों व कर्तव्यों से भी आगे बढ़कर नैतिकता व मानवता के कार्य किए गए। शहर की स्वच्छता को शरीर की आत्मा की तरह माना। एक हरित डूंगरपुर की संकल्पना लेकर सघन वृक्षारोपण व उसके संरक्षण–संवर्धन पर जोर दिया गया।

जल ही जीवन है के मूल मंत्र के साथ जल की महत्ता को सभी शहर वासियों ने समझा एवं जल के पुराने स्रोतों को आबाद कर वाटर हार्वेस्टिंग की दिशा में पुख्ता प्रयास कर सफल परिणाम हासिल किए। वह भले वृद्ध आश्रम हो या गो शाला हो, निशुल्क कोचिंग सेंटर हो यह हाई–फाई पुस्तकालय हो, वह शहर के हर वार्ड में मनमोहक बगीचों का निर्माण करना हो या ऐतिहासिक स्थलों का जीर्णोद्धार। शहर के तमाम शैक्षिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, लैंगिक, भौतिक व मानसिक पहलुओं को उन्नत करने का प्रयास किया व सफलता रूपी परिणाम हासिल किये है।

कोई भी परिवर्तन लाने के लिए पहले सोच में परिवर्तन आवश्यक है। और यदि सोच सकारात्मक एवं शुभ हो तो दृढ़ निश्चय के आधार पर परिवर्तन होता ही है। हमारे शुभ संकल्पों का प्रभाव प्रकृति पर भी पड़ता ही है। अतः अपने शुभ संकल्पों के वाइब्रेशन वायुमंडल में फेलाते रहना चाहिए। जिससे हमारे **प्रयासों के परिणाम** सकारात्मक हो।

के के गुप्ता उवाच.......

जितना मैंने इस शहर को दिया उससे ज्यादा इस शहर ने मुझे दिया। हमने 5 साल पूरे मन से काम किया। यह मेरे पार्षद साथियों का सहयोग,400 कर्मचारियों की मेहनत व शहर वासियों के साथ का परिणाम है।

मुझे एक बात का अफसोस रहेगा कि मेरे कार्यकाल का अंतिम 13 मार्च 2020 से अगस्त 2020 का समय कोरोनावायरस वजह से लॉकडाउन में बीता। जिसकी वजह से मेरे कुछ प्रोजेक्ट अधूरे रह गए। जिसमें पीवीआर टॉकीज, नेशनल पीच, बास्केटबॉल व वॉलीबॉल मैदान, स्केटिंग मैदान, करीब 60% तक पूरा हुआ 400 मीटर दौड़ का मैदान, हॉस्पिटल का कार्य एवं शिक्षा हेतु स्कूल के कार्य नहीं कर पाया। परंतु खुशी इस बात की है कि कोरोना महामारी में हम सभी शहर वासियों को सुरक्षित रख पाए और उनकी सेवा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

आज ही मेरा कार्यकाल पूरा हो रहा है। बस यही कहूंगा कि यह शहर इसी स्वरूप में बना रहे । इस विदाई की वेला में मन भारी है। बस अब ज्यादा नहीं बोल पाऊंगा।

मैं अपनी इस अभिव्यक्ति के साथ अपने सभी शहर वासियों का शुक्रगुजार हूं कि –

हजारों ख्वाहिशें ऐसी

कि हर ख्वाहिश पे दम निकले

बहुत निकले मेरे अरमान

फिर भी कम निकले ।

के के गुप्ता

सभापति डूंगरपुर नगरपरिषद

21 अगस्त 2022

प्रयास जारी है ....

श्रीमान के के गुप्ता, पूर्व सभापति डूंगरपुर नगरपरिषद एवं स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजस्थान सरकार के द्वारा डूंगरपुर शहर, राजस्थान व देशभर में स्वच्छता, पर्यावरण संवर्धन व संरक्षण, जल संरक्षण, तथा विकास के अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं, जो पूरे देश के लिए उदाहरण हैं।

डॉ. नीरज भट्‌ट द्वारा उन पर लिखी जा रही पुस्तक 'प्रयास से परिणाम तक' के लिए केके गुप्ताजी को बहुत–बहुत शुभकामनाएँ। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

अशोक भट्‌ट

सान फ्रैन्सिस्को,

केलिफ़ोर्निया, यूएसए

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अवस्थी एव अवस्थी : भारतीय प्रशासन, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा, 2012
2. डी. डी. बसु : भारत का संविधान –एक परिचय, वाधवा एंड कंपनी 2009
3. डी. एस. चौधरी : म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन, 1975
4. हरीश चंद्र शर्मा : भारत में स्थानीय प्रशासन 2017
5. महेश पुरोहित ,डूंगरपुर : परिचय व संक्षिप्त इतिहास 2015
6. महेश पुरोहित, डूंगरपुर : उन्नीसवी से बीसवीं सदी की ओर 2015
7. गजट नोटिफिकेशन : डूंगरपुर नगरपरिषद 2016,2017,2018,2019,2020.

समाचार पत्र

1. राजस्थान पत्रिका
2. दैनिक भास्कर
3. दैनिक नवज्योति
4. वागड़ दूत
5. अर्जेंट टाइम्स
6. आत्मा की ज्वाला
7. प्रातः काल
8. पंजाब केसरी
9. जागरूक टाइम्स

“साक्षात्कार”

संघर्ष से सफलता तक :–

राजस्थान के दक्षिण अंचल में बसा डूंगरपुर शहर काफी लंबे समय से एक पिछड़ा शहर माना जाता था। डूंगरपुर शहर जो कि राज्य की राजधानी से बहुत दूर एवं सभी भौतिक सुख सुविधाओं से हमेशा वंचित रहा था। क्योंकि यह एक जनजातीय क्षेत्र का शहर है अतः इसकी गिनती पिछड़े शहरों में ही मानी जाती थी। लेकिन 2 सितंबर 2015 को पूर्व सभापति के के गुप्ता ने जब शपथ ग्रहण की तभी उन्होंने अपने इरादे स्पष्ट करते हुए कह दिया था कि मैं इस शहर की दशा एवं दिशा बदलने आया हूं । और वास्तव में अपनी चुनावी घोषणाओं से भी ज्यादा अपने 5 साल के एक ही कार्यकाल में उन्होंने वह सब कुछ कर दिखाया जिसकी आशंका कतई नहीं थी।

पुस्तक के इस अध्याय में हमने देखा कि किस प्रकार से पूर्व सभापति के के गुप्ता ने अपने एक कार्यकाल में किन किन समस्याओं का सामना किया, क्या उनकी सोच रही, किस प्रकार से उन्होंने एक व्यवस्थित शहर के विकास का खाका तैयार किया, एवं जो सोच जो लक्ष्य उन्होंने तय किए थे उनमें आ रही बाधाओं को पूरा करते हुए किस प्रकार से अपने उद्देश्यों को पूरा किया एवं डूंगरपुर शहर को एक ग्रीन सिटी, स्मार्ट सिटी, क्लीन सिटी और हेल्थी सिटी बनाया।

यहां पर देश की एवं राज्य की समस्त नगर निकायों के लिए भी यह एक अध्ययन का बिंदु बनता है की उनके सामने आ रही तमाम प्रकार की अग्रलिखित समस्याओं का समाधान किस प्रकार से किया जाए। आइए हम यहां पर कुछ प्रश्नों को देखते है जिनके जवाब हमने उपर्युक्त अध्यायों मे पुर्वसभापति के के गुप्ता के कार्यों में देखे है।

प्रश्न 1 – आपने शहर के विकास के लिए आ रही धन की कमी को किस प्रकार से दूर किया ?

प्रश्न 2 – साफ सफाई की मॉनिटरिंग कैसे की ?

प्रश्न 3 – नगरपरिषद के स्टाफ एवं नगर की जनता के बीच में सामंजस्य कैसे बिठाया ?

प्रश्न 4 – किस प्रकार से नगर की जनता का सहयोग पाया ?

प्रश्न 5 – किस प्रकार से शहर को खुले में शौच मुक्त निकाय बनाया ?

प्रश्न 6 – पर्यावरण एवं जल संरक्षण व संवर्धन का कार्य सफलतापूर्वक किस प्रकार से किया ?

प्रश्न 7 – शहर में रोजगार के अवसर बढ़ाने हेतु क्या क्या प्रयास किए ?

प्रश्न 8 – किस प्रकार से विपक्षी विचारधारा की राज्य सरकार से तालमेल बिठाते हुए विकास के कार्य पूरे किए?

प्रश्न 9 – सभी राजनीतिक दलों, पार्षदों ,जनप्रतिनिधियों एवं जनता के बीच आपने तालमेल किस प्रकार से बनाया ?

प्रश्न 10 – स्थानीय कार्यों की प्राथमिकताओं को कैसे तय किया?

प्रश्न 11 – अपने ऊपर लगे पक्षपात के आरोपों को किस प्रकार से आपने दूर किया ?

प्रश्न 12 – आपको स्वच्छता की प्रेरणा कहां से मिली ?

प्रश्न 13 – आप अपने इन 5 सालों में किए गए कार्यों से कितने संतुष्ट हैं?

प्रश्न 14 – आपको अपनी व्यवस्थाओं एवं नियमों को लागू करवाने में स्थानीय पुलिस की कितनी मदद मिली ?

प्रश्न 15 – जिले के कलेक्टर महोदय के द्वारा आपको कब कब कितना सहयोग मिला ?

2 सितंबर 2015 से 2 सितंबर 2020 तक की ऐतिहासिक विकास की दौड़ में शहर के हर व्यक्ति माता बहन तथा 22373 बच्चे नगर परिषद के जनप्रतिनिधि एवं कर्मचारियों के सहयोग एवं विश्वास के लिए बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद कुछ प्रमुख लोगों के नाम इस उपलब्धि में मैंने सम्मिलित किए हैं

- साथी गण -

सुबोध सरैया
चिराग व्यास
पंकज जैन
रवि सेठ
पृथ्वीराज जैन
नीरव जैन
विनोद दोसी
विजय जैन
हेमंत जैन
बदामीलाल वखरिया
हर्षवर्धन जैन
अशोक दोषी
दिगपाल गांधी
प्रवीण श्रीमाल
निलेश पंचाल
अमित टेलर
केतन शाह
वीर प्रकाश जैन
रमेश चंद्र जैन
रोशन दोशी
पवन दोषी
डी.के.खेड़ा
रमेश वरियानी
बाबूसिंह राजपुरोहित
हेमेंद्र मेहता
अल्पेश जैन
नीरज जैन
राजेश गोटी
कन्हैयालाल जैन
प्रकाश कोटडिया
दिनेश जी श्रीमाल
कृष्ण मोहन दशोहरा
स्वर्गीय सुरेश वैष्णव
मदन सिंह
अनिल पटेल,शारदा इन्जिनीयर
दिग्वीजय सिंह
प्रकाश पंचाल
पंकज श्रीमाल
प्रदीप उपाध्याय
राजू भाई उपाध्याय
अभिषेक उपाध्याय
आशिष जैन
विक्रम सिंह
नरेन्द्र सिंह
जितेन्द्र उपाध्याय
ईश्वर भट्ट
संजय गांधी
निलेश जैन
संजीव भटनागर
लक्ष्मी लाल जी जैन
देवैन्द्र जैन
पं हरिप्रसाद दवे

पार्षद साथी

फखरी भाई, उप सभापति
नगिन भाई जैन
मुकेश श्रीमाल
हितेश भावसार
राजेश चौबीसा
रविंद्र दावड़ा
भूपेश सुथार
ओम जी पंचाल
स्व. बेचर भोई
महिपाल जोहियाला
नीता चौबीसा
नीलम श्रीमाल
प्रीती जैन
नीलू रोत
किरण यादव
रीटा कुंवर चौहान
लाल शंकर पाटीदार
विजेंद्र साद
राजेश डेंडू
प्रभु लाल पटेल
नटवर पाटीदार
किशन (निर्दलीय)
जाहीद हुसैन
अन्सार अहमद खान
भुवेश लबाना
सुश्री खालीद अन्जुम
श्रीमती वीणा खराडी
श्रीमती रेहमत
श्रीमती साविया

नगर परिषद एवं ठेकेदार साथी

दिलीप गुप्ता, आयुक्त
गणेश लाल खराडीं, आयुक्त
विकास लेगा, सहायक अभियंता
लोकेश पाटिदार, कनिष्ठ अभियंता
प्रकाश महावर, कनिष्ठ अभियंता
कुलदिप सिंह राठौड, सहा.लेखा अधिकारी
बाबू लाल चौधरीं, फायर व केश शाखा
भारतेन्द्र पड्ंया, अतिक्रमण प्रभारी
राम सिंह राजावत, सफाई सेनेटरी ईस्पेक्टर
विनोद वैष्णव, विघुत प्रभारी
नरेन्द्रं सिंह चौहान, निर्माण शाखा सुपरवाइजर
हरिश पटेल, लिपिक निर्मार्ण
हरदिल पटेल
हर दिल अज़िज
भंवर जीं पटेल, भूमिशाखा
अमृत लाल मीणा
जितेन्द्र कलाल, लिपिक
पराग मोदीं, सहा. लेखा लिपिक
दिनेश भोई, सुपरवाइज़र सफाई
अमरीश पहाड

कल्पना भावसार
पुनित सोमपुरा
प्रदिप शर्मा, लेबर सुपरवाइज़र
शैलेन्द्र कुमार सुथार
शैलेश शाह
चन्द्रविर सिंह राठौड
देवेन्द्र सिंह
नगीन लाल पटेल
मनोज उपाध्याय
बाबुदान सिंह
विरेन्द्र सिंह
ओम जीं गुप्ता
राजेश श्रीमाल
जगदीश प्रसाद भील
गोयल जीं
बसन्त सुथार
राधवेन्द्र राठोड
सुरेश चन्द्र वेष्णव
सुरेश कुमार अग्रवाल
राकेश पटेल
दिनेश पटेल




पदभार ग्रहण समारोह
02.09.2015
श्री राजेन्द्रसिंह राठौड



